खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 08 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-279

श्रीलंका में एसएलपीपी के दिग्गज नेता इस बार नहीं लड़ेंगे संसदीय चुनाव

श्रीलंका, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीलंका में 14 नवंबर को होने वाले संसदीय चुनाव में इस बार श्रीलंका पोदुजना पेरामुना (एसएलपीपी) के तमाम दिग्गज नेता चुनाव नहीं लड़ेंगे। पार्टी ने राष्ट्रपति चुनाव में साथ छोड़ने वाले विभिन्न नेताओं को भी टिकट न देने का फैसला किया है। खबर के अनुसार, इनमें ऐसे कई नेता शामिल हैं जो नौवीं संसद में प्रभावी भूमिका में रहे हैं। इनमें से दर्जनों ने बढ़ती उम्र और खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर खुद ही राजनीति छोड़ने का फैसला किया है। मुख्यधारा की राजनीति से बाहर रही नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के राष्ट्रपति चुनाव में विजयी रहने से भी कई नेताओं ने हार जाने के डर चुनाव न लड़ने की घोषणा की है। पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे, उनके बड़े भाई चामल राजपक्षे, गामिनी लोकुगे और अली साबरी सहित कई नेता इस बार चुनाव नहीं लड़ेंगे। चामल राजपक्षे ने पुष्टि की कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे। उनके बेटे शशिंद्र राजपक्षे मोनेरागला जिले से एसएलपीपी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। साबरी ने कहा कि वह अब वकालत करेंगे। पिछली बार एसएलपीपी से सांसद चुने गए वासुदेव नानायक्कारा ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। बंडुला गुणवर्धने ने भी घोषणा की कि वह इस बार चुनाव नहीं लड़ेंगे। पूर्व न्याय मंत्री विजयदास राजपक्षे अनिश्चित हैं कि चुनाव लड़ें या नहीं। सामगी जन बालवेगया (एसजेबी) के नेता और पूर्व सांसद लक्ष्मण किरीएला के भी इस बार चुनाव लड़ने की संभावना नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में बशुंधरा समूह के अध्यक्ष शोभन समेत परिवार के आठ सदस्यों के बैंक खातों पर प्रतिबंध

ढाका। बांग्लादेश शीर्ष औद्योगिक समूह बशुंधरा के अध्यक्ष अहमद अकबर शोभन और उनके परिवार के सात सदस्यों के बैंक खातों पर एक महीने की रोक लगा दी गई है। खबर के अनुसार बांग्लादेश वित्तीय खुफिया इकाई (बीएफआईयू) ने इस आशय का आदेश जारी किया है। बीएफआईयू ने रविवार को देशभर के बैंकों को पत्र भेजकर इन आठों के व्यक्तिगत बैंक खातों पर लेनदेन निलंबित करने का निर्देश दिया। अहमद अकबर शोभन के अलावा अन्य में अहमद अकबर शोभन के बेटे सादात शोभन, शफियत शोभन सनविर, सईम शोभन अनवीर और सफवान शोभन, साथ ही उनकी बहुएं सोनिया फिरदौसी शोभन, सबरीना शोभन और येशा शोभन शामिल हैं। पत्र में बैंकों को इन व्यक्तियों के नाम के तहत एकल स्वामित्व वाले किसी भी खाते को फ्रीज करने का भी निर्देश दिया गया। बीएफआईयू ने इन व्यक्तियों और उनके व्यवसायों से जुड़े सभी खातों के लेनदेन का विवरण भी बैंकों से उपलब्ध कराने को कहा है।

बांग्लादेश में मां दुर्गा के 31,500 मंडपों की सुरक्षा बढ़ाई गई

ढाका। बांग्लादेश में शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर लगभग 31,500 स्थानों पर मां दुर्गा के पूजा मंडप स्थापित किए गए हैं। मूर्ति विसर्जन से पहले इन सभी मंडपों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस महानिरीक्षक एमडी मैनुल इस्लाम ने सोमवार को कहा कि सुरक्षित और शांतिपूर्ण उत्सव सुनिश्चित करने के लिए अंसार और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के सदस्य प्रत्येक मंडप में 24 घंटे ड्यूटी पर रहेंगे। पुलिस महानिरीक्षक इस्लाम ने प्रसिद्ध ढाकेश्वरी मंदिर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया कि बांग्लादेश पुलिस, अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ, व्यवधान मुक्त उत्सव का माहौल बनाने के लिए व्यापक उपाय कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी पूजा मंडपों में शांतिपूर्ण और आनंदमय माहौल में त्योहार मनाया जाएगा। इस्लाम ने कहा ने कहा कि हर मंडप पर गश्त बढ़ा दी है। तटरक्षक बल और विशेष पुलिस इकाइयां तटीय और नौसैनिक क्षेत्रों की निगरानी कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को चेताया भी है। अगर किसी ने ऐसा किया तो कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि सभी जिलों और उप जिला मुख्यालय में पुलिस नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं।

पाकिस्तान में राज्य और सीमांत क्षेत्र मंत्रालय होगा भंग, विलय की तैयारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने राज्य और सीमांत क्षेत्र मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट्स ऐंड फ्रंटियर रीजन) को भंग करने का फैसला किया है। सरकार ने संकेत दिया है कि कश्मीर मामलों और गिलगित-बाल्टिस्तान मंत्रालय में इसका विलय किया जाएगा। एक उच्चाधिकार समिति की सिफारिश के बाद सरकार ने यह फैसला किया। साथ ही राज्य और सीमांत क्षेत्र मंत्रालय की प्रशासनिक शाखा को भंग कर जम्मू-कश्मीर राज्य संपत्तियों का भविष्य तय करने के लिए एक विशेष समिति का गठन किया जाएगा। संपत्तियों की बिक्री आवश्यकतानुसार होगी और इससे प्राप्त राजस्व को आजाद कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के कल्याण पर खर्च किया जाएगा। इसके अतिरिक्त कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के स्वास्थ्य सेवा निदेशालय समीक्षा की जाएगी। इसका नियंत्रण आजाद कश्मीर सरकार को दिया जा सकता है। निदेशालय के लिए फंड का प्रबंधन स्वास्थ्य मंत्रालय के परामर्श से किया जाएगा। महत्वपूर्ण यह है कि जम्मू और कश्मीर शरणार्थी पुनर्वास संगठन को भी भंग करने की तैयारी है। आजाद कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान परिषदों के साथ-साथ अफगान शरणार्थियों के लिए काम करने वाले मुख्य आयुक्त कार्यालय में कर्मचारियों की कटौती की जाएगी।

काठमांडू में होटल खरीद ऑनलाइन जुआ अड्डा चलाने के आरोप में 5 चीनी नागरिक गिरफ्तार

काठमांडू, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

काठमांडू के सबसे अधिक पर्यटक आने वाले ठमेल में नेपाल पुलिस की क्राइम ब्रांच ने चीनी नागरिकों की तरफ से संचालित एक होटल पर छापा मार कर 5 चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि चीनी नागरिक इस होटल को खरीद कर यहां से ऑनलाइन जुआ खिलाने का काम कर रहे थे।

काठमांडू पुलिस की क्राइम ब्रांच ने रविवार देर रात ठमेल के एक होटल पर छापा मारकर बड़े पैमाने पर नकद रुपए के साथ ऑनलाइन जुआ खिलाने के लिए प्रयोग की जाने वाली मशीन, मोबाइल फोन, लैपटॉप आदि बरामद किया। क्राइम ब्रांच के प्रमुख टेक बहादुर राई ने बताया कि होटल से जु केकियाङ (54 वर्ष), हुई पेङ (33 वर्ष), वेन जिमेइ (50 वर्ष), वाङ जिड्यो (43 वर्ष) और लिउ सुन (38 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया है।

एआईजी राई ने बताया कि पकड़े गए चीनी नागरिकों ने पांच वर्ष पहले ही इस होटल को खरीदा था। शुरू से ही जुआ अड्डा के लिए होटल का प्रयोग किया जाता रहा है। पुलिस की इस होटल पर पिछले कई दिनों से नजर थी क्योंकि जब से इस होटल को खरीदा गया, इसमें किसी भी बाहरी ग्राहक को नहीं रखा जा रहा था। इस होटल में न तो कोई स्टाफ काम कर रहा था और न ही बाहर के किसी व्यक्ति को होटल में जाने की इजाजत थी।

पांच वर्ष से बंद रहे इस होटल में रहने वाले चीनी नागरिक कभी-कभी सिर्फ रात को यहां से बाहर निकलते थे और अपने खाने-पीने का सामान खरीद कर फिर अंदर चले जाते थे। पुलिस ने बताया कि पिछले 6 महीने से इनकी गतिविधि पर नजर रखी जा रही थी। पुलिस को आशंका होने पर वहां छापा मारा तो इसका खुलासा हुआ।

राई ने बताया कि इस होटल के अलग-अलग कमरों से 28 लैपटॉप, 37 मोबाइल फोन, 49.78 लाख की नगदी के अलावा 12000 अमेरिकी डॉलर और 56 हजार चीनी युआन भी बरामद हुआ। पुलिस को कैसिनो में प्रयोग किए जाने वाले कई गेमिंग उपकरण भी मिले। पकड़े गए सभी चीनी नागरिकों को आज काठमांडू की जिला अदालत में पेश किया जाएगा।

मनपसंद लड़के से शादी को तैयार नहीं हुआ परिवार, लड़की ने 13 की कर दी हत्या

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक लड़की ने अपने ही परिवार के 13 सदस्यों को मौत के घाट उतार दिया। हत्या के आरोप में लड़की को गिरफ्तार कर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस ने बताया कि लड़की के परिजन उसकी पसंद के लड़के से उसकी शादी करने को तैयार नहीं थे। पुलिस ने बताया कि ये घटना 19 अगस्त को खैरपुर के निकट हैबत खान ब्रोही गांव में हुई थी। पुलिस ने बताया कि लड़की उस समय नाराज हो गई जब उसके परिवार उसकी पसंद के लड़के से शादी करने को तैयार नहीं हुए। पुलिस ने बताया कि इसके बाद उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने माता-पिता समेत परिवार के सदस्यों को मारने की साजिश रची। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि खाना खाने के बाद सभी 13 सदस्य बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां सभी की मौत हो गई। जब शवों का पोस्टमॉर्टम किया गया तो इन लोगों की मौत जहरीला खाना खाने से हुई बताया। उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने गहनता से जांच की तो पता चला कि लड़की और उसके प्रेमी ने घर में आटे में जहर मिला दिया था। लड़की ने अपने प्रेमी की मदद से आटे में जहर मिलाने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

कराची एयरपोर्ट के पास विस्फोट में चीन के दो नागरिकों समेत तीन की मौत

कराची, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची के जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट में रविवार रात हुए जबरदस्त विस्फोट में जिन तीन लोगों की मौत हुई है, उनमें चीन के भी दो नागरिक हैं। संघीय जांच अधिकारियों के हवाले से डॉन अखबार ने आज अब से कुछ देर पहले यह जानकारी अपने न्यूज पोर्टल पर साझा की है। चीन के दूतावास ने पुष्टि की कि कराची में एयरपोर्ट के पास सड़क पर हुए विस्फोट में उसके दो नागरिक मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, चीन के नागरिकों के शव को मॉर्चरी में रखवा दिए गए हैं।

पाकिस्तान सरकार ने कहा है कि चीन के नागरिकों के काफिले पर हमला करने वालों को हर हाल में दंडित किया जाएगा। धमाके की आवाज करीमाबाद, डिफेंस और जमशेद रोड सहित शहर के विभिन्न इलाकों में सुनी गई। मालिर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने एयरपोर्ट के ट्रैफिक सिग्नल के पास हुए इस विस्फोट की पुष्टि की।

प्रतिबंधित संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी की मजीद ब्रिगेड ने बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली है। पुलिस अधिकारी डॉ. सुम्मैया सैयद ने कहा है कि एक पुलिसकर्मी और एक महिला समेत कम से कम नौ घायलों को जिन्ना पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सेंटर पहुंचाया गया है। घायलों में से दो को क्लिफ्टन के एक निजी अस्पताल में भी भर्ती कराया गया है। घायलों की पहचान पुलिस कांस्टेबल वकार अहमद (28) मोहम्मद इलियास (35), मोहम्मद नईम (51), रानू खान (35), अजीम मीर (45), तस्लीम नूर (48), अली रफीक (29), हमजा अतीक (28) और मोहिउद्दीन (30) के रूप में की गई है।

पाकिस्तान में फितना अल-ख्वारिज समूह के सात आतंकवादी मारे गए

लाहौर, 07 अक्टूबर।

पाकिस्तान के आतंकवाद निरोधक विभाग ने मकरवाल-मियांवाली के पास खुफिया आधारित अभियान में प्रतिबंधित फितना अल-ख्वारिज समूह के सात आतंकवादियों को मार गिराया। इस दौरान आठ आतंकी भागने में सफल रहे।

आतंकवाद निरोधक विभाग के हवाले से सोमवार को यह खबर अपने पोर्टल पर साझा की। विवरण के अनुसार, इस दौरान घटनास्थल से छह हथगोले, सुरक्षा फ्यूज तार, सात कलाश्निकोव, गोलियां और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है। भागे आतंकवादियों की तलाश की जा रही है। यह आतंकी मियांवाली में हमले की योजना बना रहे थे। इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि इससे पहले सात सितंबर को सुरक्षा बलों ने खैबर-पख्तूनख्वा के मोहमंद जिले में फ्रंटियर कोर मुख्यालय पर हमले को नाकाम कर दिया था। यह हमला आतंकी समूह फितना अल-खवारिज से जुड़े चार आत्मघाती हमलावरों ने किया था। सुरक्षा बल के जवानों ने मुख्यालय में प्रवेश करने के प्रयास को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया। इस दौरान चारों आत्मघाती हमलावरों को ढेर कर दिया गया।

पाकिस्तान में पश्तून तहफ्फुज आंदोलन को प्रतिबंधित किया गया

इस्लामाबाद, 07 अक्टूबर।

पाकिस्तान की संघीय सरकार ने देश में शांति और सुरक्षा के लिए खतरों का हवाला देते हुए रविवार देररात पश्तून तहफ्फुज आंदोलन (पीटीएम) पर प्रतिबंध लगा दिया। इससे पहले 1997 में इस संगठन को आतंकवाद विरोधी अधिनियम की धारा 11बी के तहत गैरकानूनी घोषित किया जा चुका है।

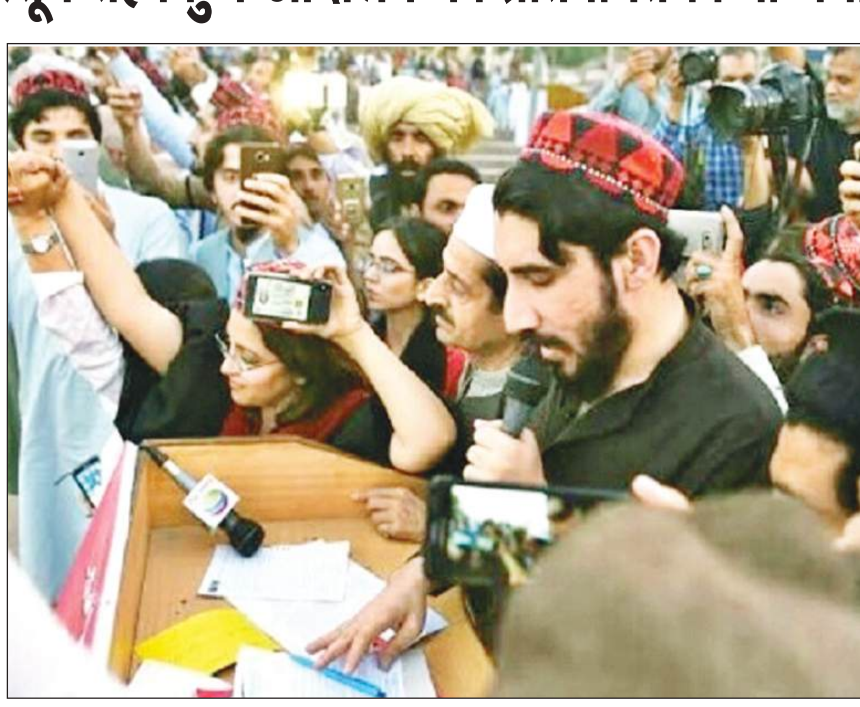

न्यूज पोर्टल के अनुसार, आंतरिक मंत्रालय की अधिसूचना में उल्लेख किया गया है कि पीटीएम ने देश में सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा उत्पन्न किया है। इसलिए इस पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है।

संघीय सरकार ने दक्षिण वजीरिस्तान के युवक नकीबुल्लाह महसूद की हत्या के बाद स्थापित इस आंदोलन और इसके नेता मंजूर पश्तीन की कड़ी आलोचना की है। सरकार ने मंजूर पश्तीन पर विदेशी एजेंसियों के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया है। संगठन के नेताओं ने सरकारी आरोपों का खंडन किया है। उल्लेखनीय है कि पीटीएम ने 11 अक्टूबर को पश्तून कौमी जिरगा का आह्वान किया है।

आईडीएफ प्रवक्ता शोशानी ने याद की वो रात...जिसने सब कुछ बदल दिया

तेल अवीव, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इजराइल की सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल नादव शोशानी ने सालभर पहले की वो वीभत्स रात याद की। सनद रहे यह 07 अक्टूबर 2023 की वही रात है, जब आतंकी संगठन हमास ने उस (इजराइल) पर हमलाकर 1200 से अधिक लोगों की जान ली और 251 निर्दोष व्यक्तियों को बंधक बनाकर युद्ध के लिए ललकारा।

इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) के आधिकारिक एक्स हैंडल में लेफ्टिनेंट कर्नल नादव शोशानी ने लिखा है, 1,200 से अधिक लोग छुट्टियों के भोजन के बाद हमेशा-हमेशा के लिए सो गए। किसी पार्टी में जाने के लिए अपने घरों से निकले लोगों को नहीं पता था कि अगले दिन उनका जीवन समाप्त हो जाएगा। उन्होंने लिखा, 251 लोगों ने अपनी रात शांति से बिताई। उन्हें नहीं पता था कि अगली सुबह उन्हें आतंकवादी बंधक बना लेंगे। यह रात हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदलने से पहले की आखिरी रात थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन देंगे श्रद्धांजलि

इजराइल ने अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस के हवाले से कहा है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन हमास के सात अक्टूबर के आतंकवादी हमले के साल पूरे होने पर सुबह याहरजिट में बने स्मारक में मोमबत्ती जलाकर दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी का कहना है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और सेकेंड जेंटलमैन डौग एम्हॉफ अपने नौसेना वेधशाला निवास पर अनार का पौधा रोपकर मारे गए बंधकों के प्रति सम्मान प्रकट करेंगे।

युद्ध संवाददाता का मत- संघर्ष विराम का रास्ता अनिश्चित

पिछले साल हमास के हमले के बाद छिड़ी जंग में कम से कम 41,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। अब यह लड़ाई तीन मोर्चों तक फैल गई है। संघर्ष विराम तक पहुंचने का रास्ता अनिश्चित है। इस अमेरिकी अखबार ने यरूशलम से युद्ध की रिपोर्टिंग कर रहे युद्ध संवाददाता इसाबेल केर्शनर के हवाले से यह टिप्पणी की है। इसाबेल ने कहा है कि अब तक इजराइल गंभीर है। युद्ध समाप्त होने के आसार नहीं दिख रहे। यह युद्ध आने वाले और अधिक कठिन दिनों का संकेत देता है। यह अथाह पीड़ा पहुंचाने वाला है।

Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
NA
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 08 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-279

प्रसाद षडयंत्र उजागर होने से चिहुंकने वाली सुप्रीम कोर्ट

कैंटीन में बनवा रही मांसाहार, नवरात्रि में परहेज से इन्कार

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रसादम षडयंत्र की खबर उजागर होने पर नाराज होने वाली सुप्रीम कोर्ट अपनी ही कैंटीन में मांसाहार बनवा रही है। नवरात्र में मांसाहार से परहेज करने की मांग एक बार स्वीकार करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फिर उसे वापस ले लिया और कैंटीन में मांसाहार बनवाने की इजाजत दे दी।

नवरात्र के दौरान सुप्रीम कोर्ट कैंटीन में मांसाहारी भोजन पर-ोसने के निर्णय के खिलाफ वकीलों के एक समूह ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीओआरए) को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि बार के सदस्यों की भावनाओं को ताक पर रख कर मांसाहार बनवाने का निर्णय लिया गया है। अधिवक्ता रजत नायर द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है कि यह निर्णय बार की बहुलतावादी परंपराओं के अनुरूप नहीं है। यह असहिष्णुता और एक दूसरे के प्रति सम्मान की कमी को दर्शाता है। इस विरोध का सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले करीब डेढ़ सौ वकीलों ने समर्थन किया है।विडंबना यह है कि नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि के दौरान कैंटीन में मांसाहार से परहेज करने का फैसला हुआ था। लेकिन कुछ मांसाहारी वकीलों के विरोध पर वह फैसला वापस ले लिया गया। इस तरह सुप्रीम कोर्ट की कैंटीन में बाकायदा मांसाहार परोसा जाने लगा। इस फैसले के खिलाफ लिखे गए पत्र में कहा गया है कि एससीबीए और एससीओआरए ने नवरात्र के दौरान सुप्रीम कोर्ट कैंटीन में प्याज-लहसुन युक्त भोजन बनवाने और मांसाहारी खाद्य पदार्थ परोसे जाने की इजाजत देकर पूरे देश की धार्मिक भावना के साथ खिलवाड़ किया है।

पूर्व का आदेश पलट कर मांसाहार परोसे जाने को दे दी मंजूरी

अराजकता फैला रहे तत्वों पर अंकुश लगाने में सरकारें फेल

देश में हर कहीं लग रहे सिर तन से जुदा के नारे

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में अराजकता फैलाने में लगे उन्मादियों पर अंकुश लगाने में सरकारें फेल साबित हो रही हैं। अमरावती से लेकर हरिद्वार तक और पूर्वोत्तर से लेकर सुदूर दक्षिण तक सड़कों पर खुलेआम सिर तन से जुदा के नारे लग रहे हैं। कहीं पर पुलिस पर हमला हो रहा तो मंदिरों और धार्मिक जलसों पर हमला हो रहा है। खुलेआम भगवाधारी पुतले जलाए जा रहे हैं। केंद्र से लेकर राज्य सरकारें, पुलिस और प्रशासन यह सब नपुंसक-भाव से देख रहा है।

डासना देवी मंदिर के महंत यति नरसिंहानन्द को गुस्ताख करार देते हुए मुस्लिम कट्टरपंथियों की उन्मादी भीड़ ने शुक्रवार 4 अक्टूबर को देश के कई हिस्सों में हिंसा की। इसमें उत्तर प्रदेश का बुलंदशहर और गाजियाबाद, महाराष्ट्र का अमरावती और उत्तराखंड का हरिद्वार शामिल हैं। अमरावती में भीड़ द्वारा थाने पर किए गए हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। कई सरकारी वाहनों को तोड़ डाला गया।

जुमे की नमाज के बाद हुए हिंसक प्रदर्शनों में सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र का अमरावती रहा। यहां के नागपुरी गेट पुलिस स्टेशन पर शुक्रवार रात मुस्लिम समुदाय के लोग पहुंचे। मुस्लिमों ने यति नरसिंहानंद के खिलाफ शिकायती पत्र देकर केस दर्ज करने की मांग की। पुलिस ने इस शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली। इसके बावजूद हजारों की तादाद में पहुंची उन्मादी भीड़ ने थाने को घेर लिया और नारे लगाने लगी। पुलिसकर्मी भीड़ को समझाने की कोशिश ही कर रहे थे कि अचानक पत्थरबाजी शुरू हो गई। इस पथराव के चलते कुल 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालात काबू करने के लिए अतिरिक्त फोर्स को बुलाया गया।

▶10 पर

यह कैसी धार्मिकता : मुस्लिम कहे तो ठीक, हिंदू कहे तो ईशनिंदा?

मुइज्जू ने हाथ बढ़ाया तो मोदी ने बड़े भाई की तरह गले लगाया

भारत ने हमेशा मालदीव का साथ निभाया है : मोदी

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत दौरे पर आए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुइज्जू ने मालदीव में हनीमाधू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। राष्ट्रपति मुइज्जू ने पीएम मोदी को मालदीव आने का निमंत्रण भी दिया है। मुलाकात और द्विपक्षीय बैठक के बाद दोनों नेताओं ने हैदराबाद हाउस में एक संयुक्त बयान जारी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और मालदीव के संबंध सदियों पुराने हैं और भारत, मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और घनिष्ठ मित्र देश है। प्रधानमंत्री ने कहा, आज हमने आपसी सहयोग को रणनीतिक दिशा देने के लिए व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी दृष्टिकोण अपनाया है। विकास कार्यों में साझेदारी हमारे संबंधों का अहम आधार है। हमने हमेशा मालदीव के लोगों के हित को प्राथमिकता दी है। मालदीव में चल रही भारतीय परियोजनाओं का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज मालदीव की आवश्यकता के मुताबिक, 400 मिलियन अमरीकी डॉलर की मुद्रा विनिमय डील पर हस्ताक्षर किए गए हैं। भारत और मालदीव मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करेंगे। हमने मालदीव में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए व्यापक सहयोग पर बात की है। आज भारत के सहयोग से बनाए गए 700 से अधिक सामाजिक आवास इकाइयां मालदीव के सुपुर्द की गई हैं। मालदीव 28 द्वीपों पर पानी और सीवर के प्रोजक्ट पूरे किए गए हैं। ये प्रोजक्ट 30 हजार लोगों को साफ पानी पीने की सुविधा देंगे।

पीएम मोदी ने कहा, हमारी पड़ोसी प्रथम नीति और सागर-दृष्टि में भी मालदीव का महत्वपूर्ण स्थान है। भारत ने सदैव मालदीव के लिए प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता की भूमिका निभाई है। चाहे मालदीव के लोगों के लिए आवश्यक वस्तुओं की जरूरतें पूरी करनी हों, प्राकृतिक आपदा के समय पीने का पानी उपलब्ध कराना हो या ▶10 पर

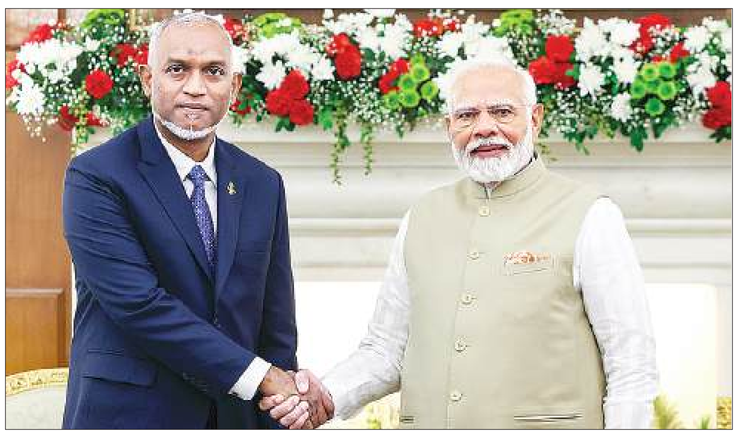

- ⇨ मालदीव का साथ देने के लिए हम भारत के आभारी हैं : मुइज्जू
- ⇨ रणनीतिक करार: मालदीव के सैनिकों को ट्रेनिंग देता रहेगा भारत
- ⇨ 400 मिलियन अमरीकी डॉलर के मुद्रा विनिमय डील पर हस्ताक्षर
- ⇨ भारत सरकार ने मालदीव को दीं 700 सामाजिक आवास इकाइयां

राजद द्वारा विधायकों को धन दिए जाने का हुआ खुलासा

नीतीश सरकार गिराने के लिए हुई थी हवाला डील

पटना, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की नीतीश सरकार के साथ जिस खेला की बात कही जा रही थी, उसका खुलासा अब आर्थिक अपराध इकाई ने कर दिया है। सामने आया है कि नीतीश सरकार गिराने के लिए कुछ विधायकों से हवाला डील की गई थी। नीतीश सरकार को विश्वास मत हासिल करने से रोकने के लिए हॉर्स ट्रेडिंग की गई थी। सत्ताधारी दल के विधायकों को हवाला के जरिए एडवांस पैसे भेजे गए थे। अगर नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार विश्वास मत हासिल करने में हार जाती तो विधायकों को मोटी रकम अदा की जाती। यह सनसनीखेज खुलासा आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की जांच में हुआ है।

पटना के कोतवाली थाने में दर्ज एक प्राथमिकी में पैसों के लेन-देन से जुड़ी जांच के दौरान आर्थिक अपराध इकाई को हैरान करने वाले सबूत मिले हैं। ईओयू ने अपनी जांच रिपोर्ट प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंप दी है। हॉर्स ट्रेडिंग से जुड़े इस केस की तफ्तीश अब प्रवर्तन निदेशालय करेगा। अब तक की जांच में यह खुलासा भी हुआ है कि सत्तारूढ़ दल के विधायकों को हवाला के जरिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश और झारखंड के साथ ही नेपाल से भी पैसे भेजे जा रहे थे। आर्थिक अपराध इकाई ने अवैध लेनदेन से जुड़े साक्ष्य भी ईडी को सौंप दिए हैं। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को जनादेश मिला था, लेकिन बीच में वह महागठबंधन के साथ चले गए थे। दिसंबर में जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की विदाई के बाद बिहार कर राजनीतिक माहौल अचानक बदला और 28 जनवरी को उलटफेर फिर हो गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महागठबंधन सरकार के सीएम पद से इस्तीफा दिया और कुछ घंटे बाद भारतीय जनता पार्टी का समर्थन पत्र लेकर वापस राजग सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस सरकार का गठन हो गया और 12 फरवरी को विश्वास मत, यानी फ्लोर टेस्ट की तारीख दी गई। ▶10 पर

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने खुद संभाला था मोर्चा

आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की जांच से हुआ पर्दाफाश

देश में एआई वाले साइबर हमले बढ़े लोगों को सतर्क रहने की सलाह

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। तकनीक पर तेजी से निर्भर होती जा रही दुनिया को उसके फायदे ही नहीं, बल्कि स्याह पक्ष से भी वास्ता रखना होगा, क्योंकि साइबर अपराधी परिष्कृत हमलों को अंजाम देने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का बेजा इस्तेमाल कर रहे। यह लोगों के लिए ही नहीं, संगठनों के लिए भी खतरे की घंटी है। साइबर सुरक्षा फर्म क्विक हील के एंटीवायरस लाइनअप की रणनीति और उत्पाद संरक्षक प्रमुख स्नेहा काटकर ने यह बात कही।काटकर कहती हैं कि आज साइबर अपराधी मैनुअली काम नहीं कर रहे हैं। वे हमलों के लिए स्वचालित एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसकी वजह से बेहद होशियार ▶10 पर

डॉ. कर्ण सिंह के सम्मान समारोह में बोले उपराष्ट्रपति

एक्जेक्यूटिव न बने न्यायपालिका और विधायिका

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका की ओर से सरकार के काम में हस्तक्षेप पर एक बार फिर सवाल उठाते हुए कहा कि न्यायपालिका या विधायिका यदि कार्यकारी शक्ति का प्रयोग करे तो यह लोकतंत्र और संविधान की प्रक्रियाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा, निस्संदेह, कार्यकारी शासन विशेष रूप से कार्यपालिका का काम है, जैसे कि विधायिका का कार्य विधायी और अदालतों का काम फैसले सुनाना है।

उपराष्ट्रपति रविवार को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में वरिष्ठ नेता डॉ. कर्ण सिंह के सार्वजनिक जीवन के 75 वर्षों की उपलब्धियों को लेकर आयोजित एक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा, यह एक स्थापित तथ्य है क्योंकि कार्यपालिका शासन चलाने के लिए अकेले जिम्मेदार है। वह विधायिका (संसद या विधानसभाओं) के प्रति जवाबदेह है और अदालतों के माध्यम से उसके काम की न्यायिक समीक्षा हो सकती है। न्यायपालिका की ओर से कार्यकारी शासन चलाना, न्यायशास्त्र और क्षेत्राधिकारिक रूप से सांविधानिक ▶10 पर

दोनों का कार्यकारी शक्ति का प्रयोग करना असंवैधानिक

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 23°

सड़क से संगठन, संगठन से सियासत और सीएम से पीएम की 23 वर्षीय यात्रा

बेदाग और अजेय रहा है नरेंद्र मोदी का सफर

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संवैधानिक पद पर रहते हुए जन-सेवा के 23 साल आज पूरे कर लिए। उन्होंने आज ही के दिन 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। करीब 13 साल तक सफलतापूर्वक सीएम पद संभालने के बाद, पिछले 10 साल से ज्यादा समय से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उनके कद का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इतने साल तक सत्ता के शीर्ष पदों पर रहने के बाद भी उनके ऊपर भ्रष्टाचार और घोटाले का एक भी आरोप नहीं लगा। उन्होंने जनता के बीच रहकर जनता के लिए काम किया।

नरेंद्र मोदी के साथ जिन लोगों ने भी काम किया है, वो उनकी दूरदर्शी सोच की तारीफ करते हैं। अब वो देश को भी उसी दृष्टिकोण के साथ लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता का जीता-जागता उदाहरण है 2047 तक देश को विकसित बनाने का लक्ष्य, जहां एक ओर तमाम पार्टी और राजनेता पांच साल का विजन लेकर चलते हैं, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बड़े-बड़े लक्ष्यों के साथ देश को आगे बढ़ा रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं की सफलता, उनकी सोच को साफ दर्शाती है।

नरेंद्र मोदी अपने कई इंटरव्यू में कह चुके हैं कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वो गुजरात के मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन आज से ठीक 23 साल पहले 7 अक्टूबर 2001 को उन्होंने गुजरात की सत्ता संभाली। कुशल नेतृत्व के कारण गुजरात की जनता ने उन पर लगातार तीन बार भरोसा जताया। नरेंद्र मोदी यहीं नहीं रुके। अपनी कल्याणकारी योजनाओं और गुजरात मॉडल के दम पर उन्होंने 2014 में भारतीय जनता पार्टी को लोकसभा चुनाव में जबरदस्त बहुमत से जीत दिलाई।केंद्र में सरकार का नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में लगातार ऐसे बड़े फैसले हुए, जो उनकी उपलब्धियों को और आगे ले गए। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 का हटना, सीएए-एनआरसी लागू होना, तीन तलाक को असंवैधानिक बनाना और जीएसटी जैसे फैसले अहम हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक होना, उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण उनके कार्यकाल की कुछ बड़ी उपलब्धियां हैं।

अब नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद के लिए चुने गए हैं। ऐसे में चर्चा आम है कि वो देशहित में आगे और कई बड़े फैसले ले सकते हैं, जिनमें वन नेशन, वन इलेक्शन भी शामिल है। ▶10 पर

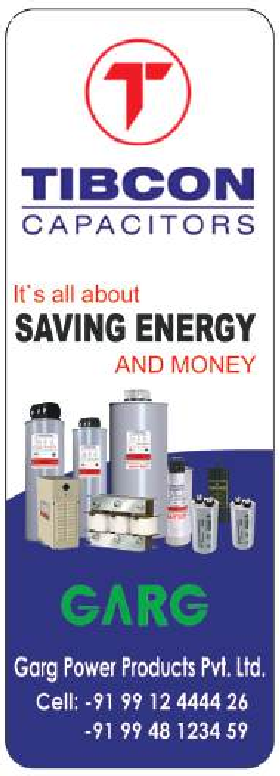

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। आपका जीवनसाथी किसी ख़ूबसूरत सरप्राइज़ से आपका दिन बना सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्क़तें हो सकती हैं। ऐसी जानकारी ज़ाहिर न करें, जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सेहत अच्छी रहेगी। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। कोई नया रिश्ता न सिर्फ़ लंबे वक़्त तक क़ायम रहेगा, बल्कि फ़ायदेमंद भी साबित होगा। बिना गहराई से समझे–बूझे किसी व्यावसायिक/क़ानूनी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा। मुमकिन है कि वैवाहिक जीवन में ठहराव से तंग आकर आपका जीवनसाथी आपके ऊपर फूट पड़े।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएं। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएं यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आने वाले पीढ़ी इस तोहफ़े के लिए आपको हमेशा याद रखेगी। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपकी बीती ज़िन्दगी का कोई राज़ आपके जीवनसाथी को उदास कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत अच्छी रहेगी। घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। ग़ैर–ज़रूरी चीज़ों पर रुपये ख़र्च कर आप अपने जीवन–साथी को नाराज़ कर सकते हैं। नए प्रेम–संबंधों के बनने की संभावना ठोस है, लेकिन व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारियों को उजागर करने से बचें। साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। आज मौसम का मिजाज कुछ ऐसा रहेगा कि आप बिस्तर से उठने को राजी नहीं होंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। नाते–रिश्तेदार तरक़्क़ी और समृद्धि के लिए नयी योजनाएँ लाएंगे। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपके चेहरे पर मुस्कान बिखरी रहेगी और अजनबी भी जाने–पहचाने से महसूस होंगे। भागीदारी वाले व्यवसायों और चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में निवेश न करें। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज–मस्ती करें। कामकाज के सिलसिले में आपके ऊपर ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। इसलिए आप वक्त का सदुपयोग करते हैं लेकिन कई बार आपको जीवन को लचीला बनाने की जरुरत भी होती हैं आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक विशिष्ट दौर से गुज़रेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन आराम करना बहुत अहम है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। अपने जीवन–साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उड़ेलेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। आपका कोई पड़ोसी आज आपसे धन उधार मांगने आ सकता है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। अगर आज आप ख़रीदारी के लिए निकलते हैं, तो कोई अच्छी पोशाक ले सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत को देखभाल की ख़ास ज़रूरत है। वे निवेश–योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें– कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें। इस बारे में बिना देर किए बातचीत करें, क्योंकि एक बार इस समस्या के हल हो जाने पर घर में जीवन बहुत आसान हो जाएगा और परिवार के लोगों को प्रभावित करने में आपको कोई कठिनाई नहीं आएगी। विवाहेतर प्रेम संबंध आपकी प्रतिष्ठा धूमिल कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 08 अक्टूबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी प्रातः 11:20 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 04:08 तक
योग : आयुष्मान प्रातः 06:50 तक
करण : बालव प्रातः 11:20 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक प्रातः 04:08 तक
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 05:59 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:04 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:57 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 05:51 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वायु सेना दिवस , गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा में आज होगा प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला

कड़े मुकाबले वाली 30 सीटों पर कुछ भी हो सकता है परिणाम

चंडीगढ़, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा की 90 सीटों पर मतदान खत्म होने के बाद राज्य में नई सरकार के गठन के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है। अधिकतर एग्जिट पोल ने कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलने का अनुमान लगाया है। दस साल बाद हरियाणा में सत्ता वापसी के इस संकेत के बाद कांग्रेस जहां उत्साहित है, वहीं, मुख्यमंत्री पद की दौड़ को लेकर खींचतान भी शुरू हो गई है। दूसरी ओर, एग्जिट पोल को हवा–हवाई बताकर भाजपा खुद को तीसरी बार सत्ता की दौड़ में मजबूती से शामिल होने का दावा कर रही है। भाजपा का कहना है कि आठ अक्तूबर को नतीजे चौंकाने वाले होंगे। राज्य के प्रमुख क्षेत्रीय दल इनेलो को भी पिछले चुनाव के मुकाबले सुधार की आस दिख रही है।

2019 के विस चुनाव में इनेलो केवल एक सीट पर सिमट गया था, इस बार उसे अपने पुराने वोट बैंक के साथ तीन से पांच सीट मिलने की उम्मीद है। वहीं, पिछले चुनाव की किंगमेकर बनी जनता जननायक पार्टी (जजपा) के सामने अस्तित्व बचाने का संकट है। दिल्ली व पंजाब में सरकार बनाने वाली आम आदमी पार्टी भी रेस में कहीं नहीं दिखती है। एग्जिट पोल के रुझानों की मानें तो कांग्रेस की सत्ता वापसी में जाट, सिख, मुस्लिम और दलित वोटों की गुटबंदी का अहम रोल रहेगा। ओबीसी व सामान्य वर्ग का कुछ वोट भी कांग्रेस के हिस्से में आ सकता है। पिछले चुनावों की गलतियों से सीखते हुए कांग्रेस ने शुरुआत से ही पार्टी को 36 बिरादरी (हरियाणा की सभी जातियां) के रूप पेश किया।

कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत जाट वोटों का लामबंद होना है। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने खुद को मजबूत जाट नेता दिखाकर इस वोट बैंक को क्षेत्रीय दलों में बंटने नहीं दिया। चुनाव से 48 घंटे पहले भाजपा के दलित नेता अशोक तंवर को शामिल कर कांग्रेस ने भाजपा के दलित कार्ड की रणनीति को भी परास्त करने की कोशिश की। किसान व पहलवान आंदोलन और अग्निवीर की योजना को लेकर भाजपा के खिलाफ जो नाराजगी थी, कांग्रेस को उसका भी फायदा मिलता दिख रहा है। एग्जिट पोल से उत्साहित भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा– लोगों ने उनकी सरकार की उपलब्धियों और भाजपा की विफलताओं को देखते हुए कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। सैनी के तीसरी बार सरकार बनाने के दावे पर उन्होंने कहा– उनकी झूठ की दुकान है। जजपा नेता दुष्यंत चौटाला के दावे कि सत्ता की चाबी उनके पास रहेगी पर हुड्डा ने कहा– आठ अक्तूबर को पता लग जाएगा कि उनकी चाबी खो गई है।

एग्जिट पोल को दरकिनार करते हुए भाजपा अब भी उम्मीद पर कायम है। उसकी उम्मीद का आधार ओबीसी, सामान्य वर्ग और सरकार का लाभार्थी वोट बैंक है। पार्टी का कहना है कि यदि सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर होती तो मत प्रतिशत में बढ़ोतरी होती, लेकिन इस बार मतदान प्रतिशत में करीब एक फीसदी की गिरावट है। भाजपा के कैडर वोट के घर से नहीं निकलने के दावे पर पार्टी का कहना है कि इस बार पार्टी कार्यकर्ता ने 2019 के चुनाव से ज्यादा मेहनत की है। पार्टी का बूथ मैनेजमेंट कामयाब रहा है। पार्टी का दावा है कि 30 से ज्यादा ऐसी सीटें हैं, जहां भाजपा व कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है। इन सीटों पर जीत हार का अंतर बहुत कम रहेगा और कुछ भी उलटफेर हो सकता है। वहीं, सीएम नायब सिंह ने कहा– मतदान खत्म होने के बाद से उनके पास जो रिपोर्ट आ रही हैं, उसके आधार दावे के साथ कह सकता हूं कि हम तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली का कहना है कि हमारे कार्यकर्ताओं ने खूब मेहनत की है। उनके पास जो रिपोर्ट आई है, उसके आधार पर बिल्कुल भी शंका व आशंका नहीं है। हम शत प्रतिशत तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम ग्राउंड पर काम करते हैं और हमें अपनी रिपोर्ट पर पूरा विश्वास है।

पिछले चुनाव की किंगमेकर जजपा एग्जिट पोल में पूरी तरह से साफ दिख रही है। 2019 के चुनाव में जजपा को करीब 14.9 फीसदी वोट मिला था। राज्य में लगातार दूसरी बार भाजपा की सरकार बनाने में उसका अहम रोल था। जानकार कहते हैं कि जजपा को पिछली बार जाटों ने तीसरे विकल्प के तौर पर चुना था। जजपा को मिला 14.9 फीसदी वोट कांग्रेस व इनेलो में शिफ्ट हो गया है। चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी के साथ गठबंधन का कोई खास असर नहीं दिखा। लगभग सभी एग्जिट पोल में इनेलो–बसपा गठबंधन को तीन से पांच सीटों का अनुमान जताया है। 2019 के चुनाव में इनेलो को 2.5 और बसपा को 4.2 फीसदी वोट मिला था। इनेलो को सिर्फ एक सीट मिली थी। इस बार बसपा और जजपा का कुछ वोट बैंक मिलने से इनेलो को आठ से दस फीसदी वोट मिल रहे हैं। इसकी वजह से उसे तीन से पांच सीटें मिल सकती हैं। इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला ने कहा– इनके आंकड़े हमेशा गलत रहे हैं। अबकी बार फिर से गलत साबित होंगे। एग्जिट पोल तो मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ का भी आया था, जिसमें कांग्रेस की जीत दिखाई थी, लेकिन बनी भाजपा की सरकार। उन्होंने पूरे विश्वास से कहा कि चुनाव परिणाम इनेलो–बसपा गठबंधन के पक्ष में आएंगे, हरियाणा में भाजपा और कांग्रेस को पूर्ण बहुमत नहीं मिलेगा और सत्ता बनाने में उनकी भूमिका किंगमेकर की होगी।

एग्जिट पोल संकेत दे रहे हैं कि आम आदमी पार्टी की हरियाणा में झाड़ू नहीं चली है। हरियाणा में अकेले लड़ने से पार्टी को नुकसान पहुंचा है। सीएम पद के लिए स्थानीय चेहरा नहीं होने से मतदाताओं ने पार्टी से किनारा किया है। पिछले चुनाव में पार्टी ने 46 सीटों पर चुनाव लड़ा था। सभी सीटों पर उसकी जमानत जब्त हो गई थी और सिर्फ 0.5 फीसदी वोट मिला था। पिछले कुछ चुनाव के ट्रेंड के मुताबिक कांग्रेस तभी अकेले सरकार बना पाएगी जब उसे 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिलेंगे। 2005 में कांग्रेस को 42.5 फीसदी वोट मिला था। उस दौरान कांग्रेस को 67 सीटे मिली थी। 2009 में 40 फीसदी से कम वोट मिले तो कांग्रेस की सीटें खिसककर 40 पहुंच गई। वहीं, कांग्रेस के वोट प्रतिशत बढ़ने और भाजपा के वोट बैंक स्थिर रहने पर तीसरे दल की भूमिका भी खत्म होती है। 2005 में 42 फीसदी वोट मिलने पर तीसरे दल की कोई भूमिका नहीं थी। वहीं, 2019 में जब कांग्रेस का वोट प्रतिशत 30 फीसदी से नीचे आया तो तीसरे दल की भूमिका के रूप में जजपा उभकर कर सामने आई। कांग्रेस इस बात को अच्छी तरह से समझती है, इसलिए उसने इस चुनाव में तीसरे दल भूमिका को सामने नहीं आने दिया। आप से गठबंधन नहीं किया और इनेलो व जजपा को भी कोई भाव नहीं दिया। दूसरी तरफ भाजपा का पिछले चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ गया था, लेकिन सीटें कम हो गई थी। पिछली बार भाजपा को 36.7 फीसदी वोट मिला था। सीटें 40 आई थीं। 2014 में 33.3 फीसदी वोट मिला था और सीटें 47 आई थीं।

कांग्रेस की सरकार बनने के अनुमानों के बीच पार्टी के अंदर सीएम पद की खींचतान बढ़ गई है। कांग्रेस में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा सीएम पद के लिए सबसे मजबूत दावेदार के रूप में जाने जाते हैं। टिकट वितरण में कांग्रेस आलाकमान ने हुड्डा की पसंद के 72 उम्मीदवारों को उतारा है। हुड्डा शुरू से लेकर अब तक कहते आए हैं कि न तो वे टायर्ड हैं और न ही रिटायर्ड। कांग्रेस ही सरकार बनाएगी। आलाकमान ही तय करेगा कि सीएम कौन होगा। चर्चा यह भी है कि हुड्डा के रेस से बाहर होने की स्थिति में उनके बेटे दीपेंद्र हुड्डा भी सीएम कुर्सी के लिए प्रबल दावेदार हो सकते हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बाद उन्होंने सबसे ज्यादा चुनाव प्रचार किया है। वहीं, हुड्डा की धुर विरोधी और सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा को भी सीएम पद के लिए एक प्रमुख दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कई मौकों और इंटरव्यू में अपनी दावेदारी को खारिज नहीं किया है। एक प्रमुख दलित चेहरा होने के अलावा उनकी गांधी परिवार के साथ निकटता उनकी दावेदारी का मुख्य आधार है। इसके अलावा रणदीप सुरजेवाला व कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान भी सीएम पद की दौड़ में छुपे रुस्तम की तरह हैं।

डाक मतपत्रों की गणना ईवीएम से पहले हो : कांग्रेस

चंडीगढ़, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव की मतगणना की पूर्व संध्या पर कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग और हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी को लिखकर मांग की है कि डाक मतपत्रों और ईटीपीबी (इलेक्ट्रानिक्ली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलट) की पहले गिनती हो, उसके बाद ही इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में पड़े मतों की गिनती हो।

पत्र में लिखा है कि इधर, ईवीएम में पड़े मतों की गिनती पहले की जाने लगी है और मंगलवार को भी ऐसा ही किए जाने की संभावना है जबकि चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 54 ए के अनुसार मतगणना में पारदर्शिता, निष्पक्षता और लेवल प्लेइंग फील्ड सुनिश्चित करने के लिये ईवीएम में पड़े मतों की गिनती शुरू करने से पहले डाक मतपत्रों और ईटीपीबी की गिनती की जाय। पार्टी ने इस संबंध में सभी चुनाव अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया है।

मतगणना के लिए पुलिस ने किए पुख्ता इंतजाम : कपूर

चंडीगढ़, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार आठ अक्टूबर को सुबह आठ बजे से होने वाली मतगणना के लिए पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान प्रदेश में 90 मतगणना केद्रों के आसपास सुरक्षा के तीन चक्र बनाए गए हैं। प्रथम चक्र पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवान तैनात किए गए हैं जबकि दूसरे चक्र पर राज्य आर्म्ड पुलिस (एचएपी या आईआरबी) के जवान तथा तीसरे चक्र पर जिला पुलिस के जवानों की तैनाती की गई है। इस प्रकार प्रदेश भर में स्थापित किए गए मतगणना केन्द्रों पर लगभग 12 हजार पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

श्री कपूर ने बताया कि प्रदेश में स्थापित किए गए प्रत्येक मतगणना केन्द्र के 100 मीटर की परिधि में पर्याप्त संख्या में नाके लगाए गए हैं। मतगणना के लिए स्थापित किए गए 90 स्ट्रांग रूम में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं ताकि प्रत्येक गतिविधि पर बारिकी से नजर रखी जा सके। यहां पर किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मतगणना केंद्र में तीन अलग–अलग प्रवेश द्वार होंगे। मतगणना स्टाफ, मतगणना एजेंटों तथा ईवीएम मशीनों के लिए अलग–अलग प्रवेश द्वार होंगे। मतगणना केंद्र में अलग–अलग सेक्शन भी बनाए गए हैं।

एग्जिट पोल से बैकफुट पर आई भाजपा की निर्दलीयों पर नजर, कांग्रेस भी साधने में जुटी

चंडीगढ़, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में किसकी सरकार बनेगी, ये मंगलवार को साफ हो जाएगा। एग्जिट पोल में कांग्रेस को बढ़त मिली है। वहीं भाजपा एग्जिट पोल को गलत करार देते हुए पूर्ण बहुमत का दावा कर रही है। हालांकि उसने प्लान बी पर भी काम शुरू कर दिया है। इसके तहत मजबूत निर्दलीय प्रत्याशियों पर नजरें गड़ा ली हैं। भाजपा ऐसे निर्दलीयों से संपर्क भी साध रही है, जो जीतने की स्थिति में लग रहे हैं। वहीं इसकी भनक लगते ही कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने भी निर्दलीयों को साधना शुरू कर दिया है। दोनों दलों ने 8 अक्तूबर को परिणाम के बाद खासकर निर्दलीय प्रत्याशियों के लिए नेताओं की ड्यूटी लगा दी है। खुफिया एजेंसियों ने सभी मजबूत निर्दलीय प्रत्याशियों की पल पल की गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी है।

निर्दलीय मजबूत प्रत्याशियों की बात करें तो इनमें सबसे पहला नाम भाजपा की बागी हिसार से सावित्री जिंदल का आ रहा है। उनको मनाने के लिए भाजपा ने उनके बेटे सांसद नवीन जिंदल को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके बाद, गन्नौर से भाजपा के ही बागी देवेंद्र कादियान कड़ी टक्कर देते नजर आ रहे हैं। उनके पीछे सीएमओ के अधिकारियों को लगाया गया है। कादियान मनोहर लाल के करीबी भी बताए जाते हैं। इनके अलावा, भाजपा के ही बागी पूर्व मंत्री रानियां से निर्दलीय रणजीत चौटाला और गुरुग्राम से नवीन गोयल ने भी मजबूती से चुनाव लड़ा है। इन दोनों के लिए भी भाजपा ने जिम्मेदारी तय कर दी है। हालांकि, रणजीत चौटाला को पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा का भी करीबी माना जाता है, इसलिए कांग्रेस भी चौटाला के संपर्क में है। पृथला से निर्दलीय विधायक नयनपाल रावत और महम से बलराज कुंडू भी टक्कर बताई जा रही है।

कांग्रेस के बागियों की बात करें तो सबसे अधिक चर्चा अंबाला कैंट से चित्रा सरवारा की हो रही है। सरवारा ने अनिल विज के सामने मजबूती से चुनाव लड़ा है और वो टक्कर देती नजर आ रही हैं। इनके बाद नाम आता है पानीपत से कांग्रेस की बागी रोहिता रेवड़ी का। बरोदा में कांग्रेस के बागी कपूर सिंह नरवाल इंदुराज नरवाल को कड़ी टक्कर देते नजर आ रहे हैं। इनके बाद कांग्रेस के विधायक राजेंद्र जून की बहादुगढ़ में निर्दलीय राजेश जून राह रोकते नजर आ रहे हैं। वहीं, कैथल जिले की सीट पूंडरी से सतबीर भाणा और कलायत से कांग्रेस की बागी अनिता ढुल का चुनाव भी अच्छा है।

सरकार एसआई भर्ती मामले में पूरी पारदर्शिता के साथ करेगी न्यायसंगत फैसला : पटेल

जयपुर, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा है कि राज्य सरकार पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा–2021 के मामले में बेरोजगारों के हित को ध्यान में रखकर पूरी पारदर्शिता के साथ न्यायसंगत निर्णय लेगी।

श्री पटेल ने सोमवार को यहां एसआई भर्ती परीक्षा–2021 की समीक्षा के लिए गठित मंत्रिमंडलीय समिति की पहली बैठक के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने बताया कि बैठक में एसओजी द्वारा अब तक की कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी गई। कई तथ्यात्मक जानकारियां दी जानी शेष हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि 10 अक्टूबर को भी मंत्रीमण्डलीय समिति की आगामी बैठक में सम्पूर्ण जांच परिणामों के आधार पर तथ्यात्मक और गुणात्मक विचार विमर्श कर इस परीक्षा के संबंध में सरकार को अनुशंसा भेजी जाएगी।

श्री पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पेपर लीक मामले में किसी भी दोषी को नहीं छोड़ने और कठोर कार्रवाई करने के लिए कहा था और इसे पूरा भी किया है। मुख्यमंत्री द्वारा त्वरित निर्णय लेते हुए एसआईटी गठित की गई। अब पेपर लीक मामले में रोज ही कोई न कोई आरोपी पकड़ा जा रहा है। अब तक आरोपियों का आंकड़ा 100 से भी अधिक पहुंच गया है। श्री पटेल ने कहा कि पेपर लीक होना, नकल माफियाओं का हावी होना, परीक्षा में डमी कैंडिडेट बैठना, अनुचित साधनों का प्रयोग कर नौकरी पाना और राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों की इसमें संलिप्तता सामने आना कलंकित करने वाली घटनाएं हैं। इससे आरप–ीएससी की साख को धब्बा लगा है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में लगभग हर परीक्षा में किसी न किसी प्रकार की विसंगति सामने आई है।

आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर चलाई गोली, कॉन्स्टेबल घायल

बारां, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बारां जिले के सीसवाली थाना क्षेत्र में आरोपी को पकड़ने गई पुलिस पर फायरिंग करने के दौरान सोमवार को एक पुलिस कॉन्स्टेबल घायल हो गया।

जिला पुलिस अधीक्षक रामकुमार चौधरी ने बताया कि सीसवाली थाना क्षेत्र में हुई इस घटना के मामले में चार आरोपियों को पुलिस ने राउंड अप कर पकड़ा है। मारपीट और गाड़ी में तोड़फोड़ के मामले में पुलिस टीम आरोपी की तलाश में सीसवाली के महुआ गांव गई थी। सुबह थानाधिकारी छोटूलाल की अगुवाई में 15 सदस्य टीम ने रामेश्वर के घर दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी के परिजन हंगामा करने लगे। हंगामे के बीच आरोपी परिवार में से किसी ने फायर कर दिया जिससे गोली कांस्टेबल के बायीं जांघ पर आकर लगी।

उन्होंने बताया कि गांव की लड़की भागने को लेकर एक समाज के लोगों ने परिवाद दिया था। जांच के लिए पुलिस की टीम गांव में गई थी। आरोपी पक्ष के लोगों ने पुलिस से अभद्र व्यवहार किया और राजकार्य में बाधा पहुंचाई। जिस पर अलग से मामला दर्ज किया था। मामले में कार्रवाई के लिए सीसवाली एसएचओ की अगुवाई में टीम नक्शा मौका बनाने और आरोपी की तलाश में महुआ गांव पहुंची। आरोपी के परिवार ने घात लगाकर हमला किया।

धान की खरीद शुरू न होने से खफा किसानों ने किया रोडजाम

फतेहाबाद, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में परमल धान की सरकारी खरीद शुरू न होने से खफा किसानों ने सोमवार को फतेहाबाद जिला के कस्बा भूना में फतेहाबाद–चंडीगढ़ मार्ग पर जाम लगा दिया।

किसानों ने मेन चौक पर जाम लगकर नारेबाजी की। करीब डेढ़ घंटे तक रोड जाम बना रहा। जिससे सडक़ के दोनों ओर वाहनों की लाइन लग गई। हैफेड डीएम राकेश हुड्डा के आश्वासन के बाद किसान शांत हुए और जाम खोला। धान खरीदी भी शुरू कर दी गई है।

किसान नेता रामस्वरूप ढाणी गोपाल ने कहा कि इन दिनों मंडियों में धान की आवक जोरों पर है। लेकिन खरीद एजेंसियों और राइस शैलरों के बीच एग्रीमेंट न होने के कारण परमल धान की सरकारी खरीद नहीं हो पा रही है। मंडियों में धान लेकर आये किसान काफी परेशान हैं। सोमवार को भी काफी संख्या में किसान अपना धान लेकर भूना पहुंचे। लेकिन जब सरकारी खरीद शुरू नहीं हुई, तो किसानों का गुस्सा फूट गया।

किसान नेताओं ने पहले डीएफएससी विभाग के अधिकारियों से बातचीत की। जिन्होंने हैफेड डीएम राकेश हुड्डा से बात करने को कहा। रामस्वरूप ने बताया कि इसके बाद उन्होंने हैफेड डीएम से बात की तो उन्होंने जल्द खरीद शुरू करने का आश्वासन दिया। इसके बाद भी जब खरीद शुरू नहीं हुई तो किसानों ने फतेहाबाद–चण्डीगढ़ रोड पर जाम लगा दिया।

कार खाई में गिरने से दो लोगों की मौत, दो घायल

उदयपुर, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में उदयपुर सिरोही राष्ट्रीय राजमार्ग 127 पर बेकरिया थाना क्षेत्र में सोमवार को एक कार मोटरसाईकिल से टकराने के बाद खाई में गिरने से दो लोगों की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गए।पुलिस ने बताया कि गुजरात में भरूच निवासी प्रियंक पटेल अपने अन्य मित्रों के साथ उदयपुर से पिंडवाडा की ओर जा रहा था। बेकरिया थाना क्षेत्र में उखलियात टनल के समीप कार नियंत्रित होकर मोटरसाईकिल से टकराकर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में कार में सवार एक युवक और युवती की मौत हो गई तथा मोटरसाईकिल सवार घाटा निवासी लक्ष्मण गरासिया (26) एवं कार में सवार प्रियंक पटेल गंभीर रूप से घायल हो गया।

नवरात्रि का छठा दिन आज

जानिए मां कात्यायनी की पूजा का शुभ मुहूर्त, विधि, मंत्र भोग और आरती

नवरात्रि का 6वां दिन मां कात्यायनी को समर्पित होता है । माता इस रूप में भक्तों को शत्रुओं पर विजय प्राप्ति का वरदान देती है। माना जाता है कि देवी दुर्गा की छठी शक्ति मां कात्यायनी का जन्म महर्षि कात्यायन के घर हुआ था, इसलिए इनका नाम कात्यायनी पड़ा। शीघ्र विवाह, वैवाहिक जीवन में खुशहाली और दुश्मनों पर विजय पाने के लिए मां कात्यायनी की पूजा अचूक मानी जाती है। मां कात्यायनी पूरे ब्रजमंडल की अधिष्ठदात्री देवी हैं। इनके आशीर्वाद से भक्त को मनचाहा जीवनसाथी मिलता है।

मां कात्यायनी की पूजा का शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, मां कात्यायनी की पूजा करने के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 11 बजकर 40 मिनट से लेकर 12 बजकर 30 मिनट तक रहेगा। इस मुहूर्त में पूजा करना शुभ रहेगा।

मां कात्यायनी की पूजा विधि

नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा करने के लिए सुबह उठकर स्नान करने के बाद पूजा स्थल की साफ-सफाई करें। इसके बाद कलश की पूजा करने के बाद हाथ में पुष्प लेकर मां दुर्गा और मां कात्यायनी की ध्यान कर पुष्प मां के चरणों में अर्पित करें। इसके बाद माता को अक्षत, कुमकुम, पुष्प और सोलह श्रृंगार अर्पित करें। उसके बाद मां कात्यायनी को उनका प्रिय भोग शहद, मिठाई अर्पित करें। मां को जल अर्पित कर दुर्गा चलिसा और दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।

मां कात्यायनी का भोग

मां कात्यायनी की पूजा में देवी को शहद या फिर शहद से बने हलवे का भोग लगाएं। धार्मिक मान्यता है इससे सौंदर्य में निखार आता है। वैवाहिक जीवन में मिठास आती है और साथ ही धन-संपत्ति में बढ़ोतरी होती है।

मां कात्यायनी का प्रिय रंग

मां दुर्गा के छठवें स्वरुप मां कात्यायनी का प्रिय रंग लाल है। यह रंग साहस और शक्ति प्रतिनिधित्व करता है। इस दिन लाल रंग धारण करना बेहद शुभ माना जाता है।

मां कात्यायनी के मंत्र जाप

पहला मंत्र

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यम्बिके गौरी नारायणी नमोस्तुते ।।

दूसरा मंत्र

ऊं क्लीं कात्यायनी महामाया महायोगिन्य घीश्वरी,
नन्द गोप सुतं देवि पतिं मे कुरुते नमः।।

तीसरा मंत्र

पत्नीं मनोरमां देहि मनोवृत्त अनुसारिणीम्।
तारिणीं दुर्ग संसार सागरस्य कुलोद्भवाम्।।

मां कात्यायनी का ध्यान मंत्र

वन्दे वाञ्छित मनोरथार्थ चन्द्रार्धकृतशेखराम्।
सिंहारूढा चतुर्भुजा कात्यायनी यशस्विनीम्।।
स्वर्णवर्णा आज्ञाचक्र स्थिताम् षष्ठम दुर्गा त्रिनेत्राम्।
वराभीत करां षगपदधरां कात्यायनसुतां भजामि।।
पटाम्बर परिधानां स्मेरमुखी नानालङ्कार भूषिताम्।
मञ्जीर, हार, केयूर, किङ्किणि, रत्नकुण्डल मण्डिताम्।।
प्रसन्नवदना पल्लवाधरां कान्त कपोलाम् तुगम् कुचाम्।
कमनीयां लावण्यां त्रिवलीविभूषित निम्न नाभिम्।।

शारदीय नवरात्र के छठे दिन दुर्लभ सौभाग्य योग समेत बन रहे हैं ये 5 मंगलकारी संयोग

शारदीय नवरात्र की षष्ठी तिथि पर दुर्लभ सौभाग्य योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का संयोग सुबह 06 बजकर 52 मिनट से हो रहा है, जो पूर्ण रात्रि तक है। ज्योतिष सौभाग्य योग को शुभ मानते हैं। इस दौरान मां कात्यायनी की पूजा एवं साधना कर सकते हैं। ज्योतिषियों की मानें तो सौभाग्य योग में मां कात्यायनी की पूजा करने से साधक को अमोघ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी बिगड़े काम संवर जाते हैं।

शिववास योग

शारदीय नवरात्र के छठे दिन कई मंगलकारी शुभ योग बन रहे हैं। इस शुभ तिथि पर शिववास योग का भी निर्माण हो रहा है। शिववास योग दिन भर है। भगवान शिव सुबह की बेला में कैलाश पर विराजमान रहेंगे। वहीं, 11 बजकर 18 मिनट से भगवान शिव नंदी पर सवार रहेंगे। इस समय से षष्ठी तिथि शुरू होगी। इस दौरान भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा करने से साधक को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होगी।

करण

शारदीय नवरात्र की षष्ठी तिथि पर कौलव और तैतिल करण का निर्माण हो रहा है। ज्योतिष कौलव और तैतिल करण को शुभ मानते हैं। इन योग में शुभ कार्यों का श्रीगणेश कर सकते हैं। इस शुभ दिन पर ज्येष्ठा नक्षत्र का संयोग बन रहा है। इन योग में मां की साधना करने से उपासक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

मां पाटेश्वरी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का लगा है तांता

देश के 51 शक्तिपीठों मे एक आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी देवी पाटन मंदिर मे शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन से ही देश विदेश से आने वाले दर्शनार्थियों का तांता लगा हुआ है ।

मंदिर के महंत मिथलेश नाथ योगी ने सोमवार को बताया कि गत 3 अक्टूबर से आरंभ हुये शारदीय नवरात्रि में भोर से ही माँ पाटेश्वरी के दिव्य दर्शन प्रारम्भ होते ही श्रद्धालु मॉ की पूजा अर्चना व दर्शन कर अपनी मनोकामनाएं मांग रहे है।

सिरिया नदी के तट पर स्थित देवी पाटन मंदिर मे मुख्य रुप से माँ पाटेश्वरी की पुष्प ,नारियल ,चुनरी ,लौंग ,इलायची कपूर व अन्य पूजन सामग्रियां चढाकर पूजा अर्चना की जाती है। दूर दराज से आये अधिकांश देवीभक्त यहाँ स्थित सूर्य कुंड मे पवित्र स्नान कर पेट पलनिया चलकर माँ के दर्शन करते है।

मान्यता है कि पिता दक्ष प्रजापति के यहाँ आयोजित बड़े अनुष्ठान मे अपने पति इष्टदेव देवाधिदेव महादेव को न्योता और स्थान न दिये जाने से क्षुब्ध माँ जगदम्बा ने स्वयं को अग्नि को भेंट कर सती कर लिया था। माता के सती होने से आक्रोशित महादेव अत्यंत दुखी हुये और माता सती के शव को कंधे पर रखकर तांडव करने लगे। शिव तांडव से धरती थर्राने लगी, इससे संसार मे व्यवधान उत्पन्न होने लगा।

संसार को विनाश से बचाने के लिये भगवान विष्णु ने सती के अंगो को सुदर्शन चक्र से खण्डित कर दिया और विभिन्न इक्यावन स्थानों पर गिरा दिया जिन जिन स्थानों पर माता के अंग गिरे वह स्थान शक्तिपीठ माने गये। पाटन गांव मे माँ जगदम्बा का बांया स्कंद पाटम्बर समेत गिरा, तभी से इसी शक्तिपीठ को माँ पाटेश्वरी देवी पाटन मंदिर के नाम से जाना जाता है। यहाँ एक गर्भगृह भी स्थित है जहाँ माता सीता का पाताल गमन हुआ था श्र नव दुर्गाओ माँ शैलपुत्री ,कुष्माडा ,स्कंदमाता,कालरात्रि, महागौरी, चंद्रघंटा , सिद्धदात्री, ब्रह्मचारिणीऔर कात्यायनी की प्रतिमायें मंदिर मे स्थापित है।

मंदिर मे स्थित गर्भगृह सुरंग पर माँ की प्रतिमा विद्यमान है। यहाँ कई रत्नजडित छतर है। ताम्रपत्र पर दुर्गा सप्तशती अंकित है। मंदिर मे स्थापना काल से अखंड ज्योति प्रज्जवलित है। यहाँ प्रमुख रुप से रोट का प्रसाद चढ़ाया जाता है। नेपाल के दाँग चौधड के राजकुंवर रतन परीक्षक ने देवी पाटन कड़ी उपसना की। तपस्या से प्रसन्न होकर माँ पाटेश्वरी ने बाबा रतन परीक्षक को आशीर्वाद दिया, तभी से उन्हे बाबा रतन नाथ के नाम से जाना जाने लगा। उन्होने नाथ सम्प्रदाय की स्थापना कर अफगानिस्तान, नेपाल और कई देशों मे इसका प्रचार प्रसार किया।

देवी पाटन मंदिर परिसर मे बाबा पीर रतन नाथ का दरीचा स्थित है। मान्यताओ के अनुसार ,महाभारत काल मे सूर्यपुत्र कर्ण ने मंदिर परिसर मे बने कुंड मे स्नान कर भगवान परशुराम से दीक्षा ली थी श्र तभी से इस कुंड का नाम सूर्य कुंड पड़ा। त्रेतायुग मे माता जानकी का पातालगमन भी यही हुआ उस स्थान को गर्भगृह कहा जाता है। नवरात्र मे आने वाले देशी विदेशी श्रद्धालू मुण्डन, कंछेदन, नक्छेद्र, विवाहरस्म, नामकरण संस्कार व अन्य रस्मों रिवाजों को हिंदू वैदिक रीति से कराते है। नवरात्र मे विशाल प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन किया जाता है।

देवीपाटन मठ के मठाधीश बाबा योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री होने से देवीभक्त अति उत्साहित है। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने बताया कि देवीपाटन मंदिर नेपाल सीमा से सटा होने के कारण अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। आतंकियों की टेढ़ी नज़र के मद्देनजर मंदिर परिसर को विशेष सुरक्षाब्यूह मे रखा गया है। यहाँ एस एस बी, नागरिक पुलिस, पी ए सी, होम गार्ड, महिला पुलिस की जवान व अन्य सुरक्षा एजेंसियां तैनात है।

उन्होने बताया कि यहाँ मेटल डिटेक्टर ,बम निरोधक दस्ता , एंटी रोमियो स्काड ,अग्निशमन दल ,सीसी टीवी कैमरे ,स्वान दल ,खुफिया तंत्र और अन्य सुरक्षा जवानो को चप्पे चप्पे पर तैनात किया गया है, साथ ही आवश्यक सुविधाओं से परिपूर्ण व्यवस्था की गयीं है।

श्रद्धालुओं को निरोगी काया देती हैं शीतला माता

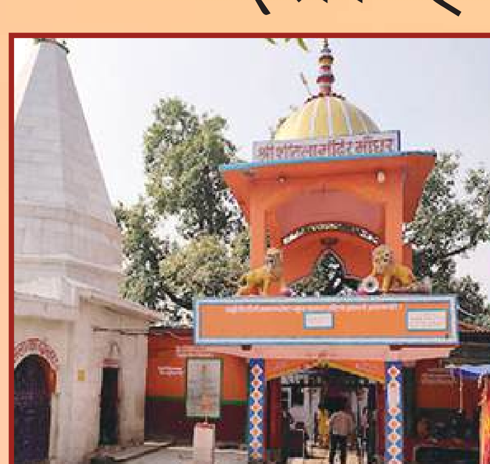

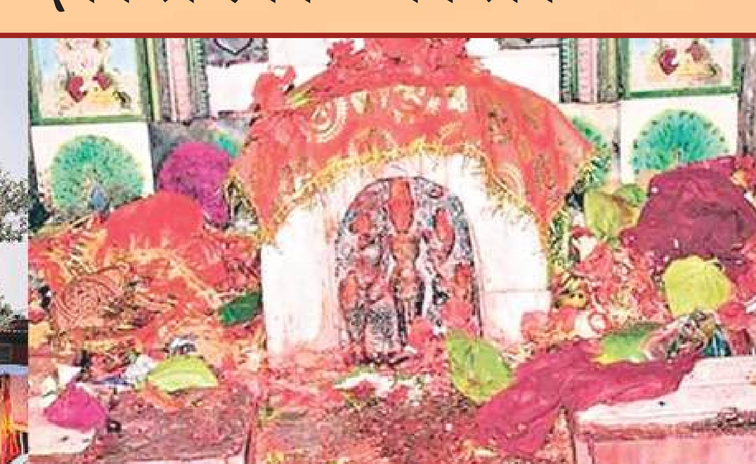

बिहार में नालंदा जिले के मघड़ा गांव स्थित सिद्धपीठ शीतला माता मंदिर में पूजा करने से श्रद्धालुओं को निरोगी काया प्राप्त होती है। नालंदा जिले में बिहारशरीफ से कुछ किलोमीटर की दूरी पर परवलपुर-एकंगर सराय मार्ग पर एक छोटा सा गांव मघड़ा है। इस गांव की पहचान सिद्धपीठ के रूप में की जाती है। शीतला माता मंदिर के प्रति लोगों की आस्था जुड़ी है। यह मंदिर प्राचीनकाल से ही आस्था का केन्द्र रहा है। यहां कभी गुप्तकाल के शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय के समय चीनी चात्री फाह्यान ने पूजा की थी। उन्होंने अपनी रचना में शीतला माता मंदिर की चर्चा की है।

शीतला माता मंदिर में माथा टेकने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। मां शीतला महारानी अपने भक्तों की खाली झोली जरूर भरती हैं। माता की कृपा जिस पर बनी रहती है, उनपर कोई विपत्ति नहीं आती। माता अपने भक्तों को निरोगी काया देती हैं। खासकर चेचक से पीड़ित लोग माता शीतला के दरबार में आकर कंचन काया पाते हैं। यहां सभी धर्मों के लोग चेचक के निवारण के लिएमाथा टेकते हैं।

मां की कृपा से नि:संतान को संतान और निर्धनों को धन की प्राप्ति होती है। माता शीतला मंदिर के पास ही एक बड़ा सा तालाब है। माता के दर्शन को आने वाले श्रद्धालु तालाब में स्नान करने के बाद ही पूजा-अर्चना करते हैं। मान्यता के मुताबिक तालाब में स्नान करने से चेचक रोग से मुक्ति मिल जाती है। शरीर में जलन की शिकायत है तो उससे भी राहत मिलती है। माता शीतला का वर्णन स्कंद पुराण में मिलता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान शंकर जब अपनी पत्नी सती के मृत शरीर को लेकर तीनों लोकों में घूम रहे थे तब संपूर्ण सृष्टि

भयाकूल हो गयी थी। तभी देवताओं के अनुरोध पर भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से सती के शरीर को खंडित किया था।जहां-जहां सती के शरीर का खंड गिरा उसे शक्तिपीठ माना गया। कहा जाता है कि भगवान शंकर ने अपने कंधे पर सती के शरीर के चिपके हुए अवशेष को एक घड़े में रख बिहारशरीफ में पंचाने नदी के पश्चिमी तट पर धरती में छुपाकर अंतर्ध्यान हो गए। बाद के दिनों में गांव के एक राजा वृक्षकेतु के स्वप्न में माता आईं।

माता ने स्वप्न में पंचाने नदी किनारे की जमीन में दबे होने की बात बताई। माता के आदेश के बाद राजा ने उक्त जमीन की खुदाई कराई तो वहां से मां की प्रतिमा मिली, जिसे बाद में पास में मंदिर में स्थापित कर दिया गया, जो आज मघड़ा गांव के शीतला मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। उसी समय से मघड़ा में मेला की शुरुआत हुई, जो अबतक जारी है। जहां पर खुदाई की गई थी उस स्थान ने कुएं का रूप ले लिया, जो आज मिठ्ठी कुआं के रूप में जाना जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस कुएं का पानी आज तक नहीं सूखा है। श्रद्धालु इस कुएं की पूजा जरूर करते हैं। बताया जाता है कि मघड़ा गांव स्थित माता शीतला मंदिर में दिन में दीपक नहीं जलते हैं। धूप, हुमाद और अगरबत्ती जलाना भी मना है। भगवान सूर्य के अस्त होने के बाद ही मंदिर में माता की आरती उतारी जाती है और हवन होता है। कहा जाता है कि माता शीतला के शरीर में बहुत जलन (लहर) रहती है, इसलिए मंदिर में दीपक, धूप या हवन करना वर्जित माना गया है। माता को जलन से राहत मिले, इसके लिए हर दिन सुबह में उन्हें दही और चीनी से स्नान कराया जाता है। सूर्यास्त के बाद सबसे पहले मंदिर के पुजारी दीपक जलाकर आरती करते हैं। उसके बाद श्रद्धालु भी दीपक दीप-धूप जलाते हैं। माता शीतला की पूजा-अर्चना मुख्य रूप से दही और बताशे का भोग लगाकर की जाती है।

मंदिर के गर्भगृह में काले पत्थर की 12 इंच लंबी मां शीतला की प्रतिमा स्थापित है। प्रतिमा के मुकुट के ऊपर नौ रेखाएं हैं, जो नौ देवियों की प्रतीक हैं। मां की दायीं ओर सूर्य और बायीं ओर चन्द्र हैं। माता की चार भुजाएं हैं। एक हाथ में कलश है। दूसरे में श्री शीतलाष्टक की पुस्तक है। तीसरे हाथ में विषहरणी नीम की डाली और चौथे हाथ में विभूति और फल की झोली है। इस मंदिर में प्रत्येक मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है। माता शीतला के दरबार में पशुओं की बलि देने पर पूर्ण पाबंदी है। हालांकि कई श्रद्धालु मनोकामना पूरी होने पर यहां पाठी (बकरी के बच्चे) को दान करते हैं लेकिन उसकी बलि देना वर्जित है इसलिए ऐसे श्रद्धालु मंदिर के पुजारी को संकल्प कराकर पशु को दान देते हैं।

गूगल पर बाजीराव सिंघम टाइप कर ले पता चल जाएगा तेरा बाप चीज क्या है

सिंघम अगेन के ट्रेलर में दमदार डायलॉग्स की भरमार

निर्देशक रोहित शेट्टी की सबसे लोकप्रिय फिल्म सिंघम अगेन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह अब तक का सबसे लंबा ट्रेलर है, जिसकी लेंथ करीब 4 मिनट 58 सेकंड है। इस धमाकेदार ट्रेलर को देखकर हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। अजय देवगन को पुलिस की वर्दी देखने के लिए फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे।

ट्रेलर में फिल्म की लंबी स्टार कास्ट में ध्यान खींचती है। इसमें आपको अजय देवगन, करीना कपूर के अलावा दीपिक पादुकोण, टाइगर श्रॉफ मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। इसके अलावा अक्षय कुमार और रनवीर सिंह गेस्ट अपीयरेंस देंगे। ट्रेलर में सबसे दमदार लगे डायलॉग्स, जिनको सुन थियेटर में सीटियां बजेंगी।

सिंघम अगेन के डायलॉग्स

* गूगल पर बाजीराव सिंघम टाइप कर ले, पता चल जाएगा तेरा बाप चीज क्या है- अजय देवगन
* जिससे नफरत करता है, जिसे प्यार करता है उसके लिए कहीं भी जा सकता है- अजय देवगन
* इतिहास खुद को दोहराने वाला है, एक वचन के लिए भी फिर लंका जलाने वाला है- अजय देवगन
* तेरे इस दुनिया में आने की वजह एक औरत थी और तेरे इस दुनिया से जाने की वजह भी एक औरत बनेगी- दीपिका पादुकोण
* मैं सिंघम नहीं लेडी सिंघम है रे- दीपिका पादुकोण
* तेरी रामायण का रावण हूं मैं- अर्जुन कपूर
* अगर अपनी के लिए नहीं आया मैं, तो सिंघम असली मराठा नहीं- अजय देवगन
* ये कलयुग है कलयुग अवनी, इस बार रावण ही जीतेगा- अर्जुन कपूर
* सच्चाई की जीत किसी युग की मोहताज नहीं होती- करीना कपूर
* अक्की पब्लिक को मालूम है कौन-कौन आने वाला है, तेरे को नहीं मालूम- रणवीर सिंह
* तेरे सामने जो खड़ा है, वो महात्मा गांधी का आदर जरूर करता है, लेकिन पूजता छत्रपति शिवाजी महाराज को है- अजय देवगन

सिंघम अगेन रिलीज डेट

सिंघम अगेन दीवाली के मौके पर थियेटर में रिलीज होगी। उसकी टक्कर कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल-भुलैया 3 से होगी। अब देखना यह होगा कि कैसे कार्तिक आर्यन थियेटर में सिंघम को टक्कर दे पाते हैं।

सिंघम अगेन में सलमान खान की एंट्री कन्फर्म! चुलबुल पांडे देंगे अजय देवगन का साथ

बिग बॉस 18 आज से शुरू होने वाला है। शो को सलमान खान होस्ट कर रहे हैं। इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आई है कि सलमान खान दीवाली के मौके पर एक खास तोहफा अपने फैंस को देने वाले हैं। दरअसल सलमान खान रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में चुलबुल पांडे के तौर पर नजर आने वाले हैं।जी हां, दीवाली में सलमान खान धूम-धड़ाका करते हुए कॉप यूनिवर्स के पुलिस वालों के साथ दुश्मनों से दो-दो हाथ करते नजर आने वाले हैं। बॉलीवुड हंगामा ने अपने एक सोर्स के हवाले से बताया है, सिंघम अगेन में पहले से ही कई बड़े स्टार्स नजर आने वाले हैं। और अब इसमें बॉलीवुड के दबंग अपने दबंग अवतार में नजर आने वाले हैं। सलमान खान चुलबुल पांडे के तौर पर फिल्म का हिस्सा बनेंगे। फिल्म में एक खास जगह पर उनका अपीयरेंस होगा।फिल्म की शूटिंग नहीं की है। लेकिन चुलबुल पांडे के तौर पर शूट के लिए तैयार हो गए हैं। याद दिला दें कि एक बार रिएलिटी शो के दौरान रोहित शेट्टी ने सलमान खान से इस बारे में पूछा था तो उन्होंने जवाब में कहा था कि मैं एक बार कमिटमेंट कर दूं तो उसे पूरा करता हूं।बता दें कि सिंघम अगेन रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का हिस्सा है। अजय देवगन स्टारर इस फिल्म में करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और अर्जुन कपूर जैसे कई बड़े स्टार्स हैं। ऐसे में सलमान खान की एंट्री भर से फिल्म की कमाई नया मुकाम हासिल कर सकती है।इस यूनिवर्स की सिंघम सीरीज के अलावा सूर्यवंशी और सिंबा जैसी फिल्मों की टोटल कमाई जोड़ें तो वो 1000 करोड़ से ज्यादा बैठती है। ऐसे में ये भी हो सकता है कि ये फिल्म अकेले भी इस आंकड़े तक पहुंच जाए। फिल्म के नॉन थिएट्रिकल राइट्स पहले ही 200 करोड़ में बिक चुके हैं।

बीटीएस वी को मिला दुनिया का सबसे हैंडसम आदमी का खिताब

160 देशों के प्रशंसकों ने दिया वोट

बीटीएस वी (किम तेह्युंग) को दुनिया के सबसे हैंडसम आदमी 2024 का खिताब दिया गया है। इससे कोरियन पॉप इंडस्ट्री और दुनिया में एक प्रमुख विजुअल आइकन के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई है। यह पहली बार नहीं है जब बीटीएस वी ने यह खिताब हासिल किया है। इस खिताब के लिए चयन प्रक्रिया व्यापक थी, जो केवल शारीरिक रूप से नहीं बल्कि करिश्मा और अंतरराष्ट्रीय अपील पर भी ध्यान केंद्रित करती थी। उम्मीदवारों का मूल्यांकन न केवल उनके रूप के लिए किया गया था, बल्कि उनके करिश्मा और अंतरराष्ट्रीय अपील के लिए भी किया गया था।

दुनियाभर के प्रशंसकों ने दिए 70 लाख वोट

दुनियाभर में हुए एक सर्वे में तेह्युंग को 163 देशों के प्रशंसकों ने 70 लाख वोट दिए। इसके चलते उन्होंने ब्रिटिश अभिनेता रेगे-जेन पेज, पॉप सनसनी जस्टिन बीबर और ट्वाइलाइट सीरीज के हार्टथ्रोब रॉबर्ट पैटिनसन जैसे नामी सितारों को इस रेस में पीछे छोड़ दिया।

बीटीएस वी की जीत की घोषणा न्यूबिया मैगजीन ने की। अपनी रिपोर्ट में विस्तार से बताया कि कैसे उनका आकर्षण उनके फीचर्स से परे है। मैग्जीन ने उनकी पूरी तरह से संतुलित विशेषताओं, चेहरे की रंगत और आकर्षक नजर के लिए उनकी प्रशंसा की, जिससे उन्हें सुंदरता के प्रतीक के रूप में स्थापित किया गया।

बहुमुखी प्रतिभा, करिश्माई उपस्थिति बनाती है खास

दरअसल, बीटीएस वी को जो दूसरों से अलग करता है, वह उनकी बहुमुखी प्रतिभा और करिश्माई उपस्थिति है। एक प्रतिभाशाली सिंगर, डांसर और अभिनेता के रूप में किम तेह्युंग दुनिया भर के प्रशंसकों को मोहित करते हैं। वह बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं, जिसकी बराबरी बहुत की कम लोग कर सकते हैं।अपनी कलात्मक क्षमताओं से परे, उनकी विनम्रता और सच्ची दयालुता झलकती है। नूबिया मैगजीन ने लिखा, वी के आकर्षण को और भी अधिक अलग बनाने वाली बात उनकी विनम्रता और सच्ची दयालुता है। प्रशंसकों के साथ उनकी ईमानदार बातचीत एक सच्चे रोल मॉडल के गुणों को दर्शाती है।

शनाया कपूर इस फिल्म से रख रहीं बॉलीवुड में कदम

विक्रांत मैसी के साथ जमेगी जोड़ी

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर ने भले ही अभी बॉलीवुड में एंट्री नहीं की, लेकिन वह अपनी खूबसूरती और स्टाइल को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं, वहीं हीरोइन बनने से पहले ही उनकी अच्छी-खसी फैन फॉलोइंग है।बहरहाल, उनसे जुड़ी अब जो खबर सामने आ रही है, उससे शनाया के प्रशंसकों का दिल बेशक खुश हो जाएगा। दरअसल, शनाया फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत कर रही हैं। इस फिल्म के हीरो विक्रांत मैसी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, शनाया का बॉलीवुड में काम करने का सपना पूरा होने जा रहा है। वह हिंदी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत कर रही हैं।24 साल की शनाया फिल्म में एक थिएटर एक्ट्रेस का किरदार निभाने वाली हैं, वहीं विक्रांत इसमें एक नेत्रहीन संगीतकार की भूमिका में होंगे।इस फिल्म की कहानी भारत के लोकप्रिय लेखक रस्किन बॉन्ड की मशहूर लघु कहानी, द आइज हैव इट पर आधारित है।

ब्रोकन बट ब्युटीफुल और अपहरण जैसी वेब सीरीज बना चुके संतोष सिंह ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है।विक्रांत की फोरेंसिक बना चुकी मिनी फिल्म्स के बैनर तले यह फिल्म बन रही है।निर्माताओं ने फिल्म की लीड हीरोइन के लिए तारा सुतारिया, अलाया एफ और प्रतिभा रांटा से भी बातचीत की थी, लेकिन आखिरकार उन्होंने उन्हें शनाया को फिल्म के लिए चुना, जो पिछले 3 साल से अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म की राह देख रही हैं।अभिनय जगत में कदम रखने से पहले शनाया, जाह्नवी कपूर की फिल्म गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल से बतौर सहायक निर्देशक जुड़ चुकी हैं।इससे पहले वह अपनी मां महीप कपूर की नेटफ्लिक्स सीरीज फेबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में मेहमान भूमिका में भी दिख चुकी हैं।वह करण जौहर की फिल्म बेधड़क से बॉलीवुड में कदम रखने वाली थी। इससे उनका पोस्टर भी सामने आ चुका था, लेकिन किसी वजह से फिल्म आगे नहीं बढ़ पाई।

शनाया की बतौर लीड हीरोइन पहली फिल्म वृषभ होगी, जिसके हीरो मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल हैं। यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसकी कहानी पिता और बेटे के रिश्ते के इर्द-गिर्द बुनी गई है। शनाया भी इसमें एक दमदार भूमिका निभाने वाली हैं।इस पीरियड फिल्म की कहानी वर्तमान और अतीत के इर्द-गिर्द घूमती दिखेगी। फिल्म में शनाया की भूमिका भले ही ग्लैमरस है, लेकिन उन्हें अपना अभिनय कौशल दिखाने का पूरा मौका मिलेगा। फिल्म की निर्माता एकता कपूर हैं।

बैकग्राउंड डांसर से बनी सलमान खान की लीड एक्ट्रेस

फिर भी नहीं चमकी किस्मत तो अब आई ओटीटी पर

एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म 'हंगामा' ने अपने सस्पेंस-थ्रिलर 'रेड रूम' को लॉन्च किया। इस शो के जरिए बॉलीवुड एक्ट्रेस डेजी शाह अपना ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। इस सीरीज में अमित गौर, अनुज सचदेव, रीना अग्रवाल और रीवा चौधरी पर नजर आएंगे।

डेजी शाह ने निभाया टिया का किरदार

इस वेब सीरीज में दर्शकों का रहस्य और मनोवैज्ञानिक उलझन से सामना होगा। हर नए मोड़ और घटना के साथ एपिसोड की दिलचस्पी बढ़ती जाएगी। रेड रूम की कहानी टिया के इर्द-गिर्द घूमती है। इस किरदार को डेजी शाह ने निभाया है।

हर एपिसोड में नए राज से खुलेगा पर्दा

सीरीज में एक्ट्रेस की नजर एक नाइटक्लब पर पड़ती है, जो आने वाले गेस्ट को हर तरह से खुश करने की कोशिश करता है। यहां रंगरलियों से गुलजार होने वाली रात विश्वासघात में बदल जाती है। टिया खुद को खतरनाक स्थिति में पाती है, जहां हर कोई झूठ बोल रहा है। सीरीज के हर एपिसोड के साथ नए राज का पर्दाफाश होगा।

ओटीटी डेब्यू पर डेजी ने कहा

हंगामा डिजिटल मीडिया के एग्जीक्यूटिल प्रोड्यूसर संजीव लांबा ने कहा कि रेड रूम सीरीज में सस्पेंस, क्राइम और थ्रिलर है, जो फैंस की कुछ नया देखने की इच्छा पूरी करती है। हमें उम्मीद है कि सीरीज दर्शकों को पसंद आएगी। डेजी शाह ने कहा कि ओटीटी की पारी की शुरुआत करना यादगार अनुभव रहा। इसकी स्टोरी में उतार-चढ़ाव हैं। इस किरदार में मुझे बहुत कुछ नया करने का मौका मिला है।

भारत से लेकर बांग्लादेश और तुर्कीये तक हैं हानिया आमिर के चाहने वाले

जानिए सबसे महंगी पाकिस्तानी एक्ट्रेस के बारे में

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर ने अपने शानदार अभिनय के दम पर दुनिया में नाम कमाया है। खासतौर पर उनके सीरियल पाकिस्तान ही नहीं, भारत, बांग्लादेश और तुर्कीये तक देखे जाते हैं।हानिया आमिर ने 'दिलरुबा', 'तितली', 'इश्किया', 'संग-ए-माह' और 'मुझे प्यार हुआ था' जैसे पाप्युलर पाकिस्तानी सीरियलों में काम किया है। इस साल अपना 27वां जन्मदिन (12 फरवरी 1997) मनाने वालीं हानिया पाकिस्तान की सबसे महंगी एक्ट्रेस हैं।

'मुझे प्यार हुआ था' के एक सीरियल के लिए उन्हें 3 लाख पाकिस्तान रुपए चुकाए गए। भारतीय रुपए में यह राशि 90,000 रुपए होती है। इससे पहले वे एक एपिसोड के 4 लाख रुपए (1.20 लाख भारतीय रुपए) तक चार्ज कर चुकी हैं।रावलपिंडी में जन्मी हानिया आमिर ने बिजनेस मैनेजमेंट की डिग्री हासिल करने के लिए फाउंडेशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने एडमिशन लिया था। हालांकि पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। जब अपने एक्टिंग टैलेंट का पता चला, तो उन्होंने कॉमेडी फिल्म रोम-कॉम, जनान के लिए ऑडिशन दिया। अभिनेत्री को फिल्म में चुन लिया गया और इस तरह उनके एक्टिंग करियर की शुरुआत हुआ। करियर के शुरुआती दिनों में हानिया ने कई नाटकों और फिल्मों में अभिनय किया, जिनमें 'फिर वही मोहब्बत', 'तितली', 'ना मालूम अफराद 2', 'परवाज़ है जुनून' शामिल हैं। इश्किया' सीरियल के बाद उनकी मांग बढ़ गई। अभी वे दो हिट सीरियल, 'कभी मैं कभी तुम' और 'कैसी है ये रुसवाई' में अभिनय कर रही हैं।

नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक 23 वर्ष हर जनप्रतिनिधि के लिए मार्गदर्शक : योगी

लखनऊ, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को संवैधानिक पद पर 23 वर्ष पूर्ण कर लिए। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। सीएम योगी ने कहा कि मोदी जी के प्रेरणादायक 23 वर्ष हर जनप्रतिनिधि के लिए उत्कृष्ट मार्गदर्शक और पाथेय हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, विकसित भारत आत्मनिर्भर भारत के स्वप्नद्रष्टा, 140 करोड़ देशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि के लिए अविराम साधन-रत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मां भारती की सेवा और लोक कल्याण को समर्पित गौरवशाली 23 वर्ष आज पूर्ण हो गए हैं। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में बिना थके, बिना रुके, बिना डिगे 23 वर्षों की लोक साधना में आस्था, अस्मिता, आधुनिकता, अंत्योदय और अर्थव्यवस्था को संरक्षण संवर्धन मिलने के साथ ही हर स्तर पर

वंचित को वरीयता प्राप्त हुई है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रत्येक नीति और हर योजना ने वंचितों गरीबों के समग्र उत्थान को नए आयाम प्रदान किए हैं। स्वामी समर्थ रामदास की उपभोग शून्य स्वामी की संकल्पना और चाणक्य नीति सूत्र के राजा प्रथमोसेवक की परिभाषा को साकार कर रहे प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में नया भारत आज वैश्विक महाशक्ति बनने के मार्ग पर सतत अग्रसर है। वे सच्चे अर्थों में आधुनिक भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के वास्तुकार हैं। उनका जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है।

सीएम योगी ने कहा कि सेवा, सुशासन और सुरक्षा को समर्पित प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक 23 वर्ष हर जनप्रतिनिधि के लिए उत्कृष्ट मार्गदर्शक और पाथेय हैं। मां भारती को परम वैभव तक ले जाने का मार्ग प्रशस्त करते 23 वर्षों की यशस्वी यात्रा के लिए प्रधानमंत्री जी को हार्दिक बधाई।

जीत ही नहीं, हार भी देती है नए उत्साह के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा: योगी

इकाना स्टेडियम में 36वें अखिल भारतीय एडवोकेट क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

लखनऊ, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार शाम लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेई इकाना स्टेडियम में 36वें अखिल भारतीय एडवोकेट क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने देश भर से प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आए अधिवक्ताओं को खेल में टीम भावना के महत्व के बारे में नसीहत दी। उन्होंने कहा कि खेल हम सबको एक टीम की भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। हमारे पास टीम वर्क की क्षमता है तो हमारी सफलता की गुंजाइश उतनी ही ज्यादा हो जाती है। लेकिन यदि हम टीम वर्क नहीं कर पा रहे हैं तो हमारे असफल होने की गुंजाइश भी उतनी ही ज्यादा हो जाती है। उन्होंने कहा कि हर जीत हमें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है, लेकिन हर हार भी हमारे सामने एक नया सबक होती है और हमें और भी नए प्रोत्साहन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करती है।

कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने प्रतियोगिता में प्रदान की जाने वाली ट्रॉफी का भी अनावरण किया। उन्होंने प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रही सभी टीमों के कप्तानों के साथ ग्रुप फोटो शूट भी कराया और उन्हें किट का भी वितरण किया। सीएम ने कहा कि खेल हम सबको जोड़ने का काम करता है और फिर जब यह आयोजन हमारे राज्य में हो तो हमारा नैतिक दायित्व भी बनता है कि हम इससे प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहभागी बनें और इस आयोजन को प्रोत्साहित करें। और जब प्रतिष्ठित टीमें इसमें भाग ले रही हैं, जिसमें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बेंच भी हो और बार भी हो, तो यह न केवल रोचक होता है, बल्कि लोगों को एक प्रेरणा भी देता है।

सीएम योगी ने कहा कि सबसे पहले खेल एक टीम भावना के साथ हम सबको सम विषम परिस्थितियों से लडने की एक नई प्रेरणा देता है। दूसरा, ये मनोरंजन भी है और तीसरा अपने आप को आकलन करने का अवसर भी प्रदान करता है। अक्सर हम सार्वजनिक जीवन में बड़ी बड़ी डींगें हांकते हैं, लेकिन जब फैसला मैदान में हो तो सही आंकलन हो सकता है। ये आंकलन हमारी क्षमताओं के बारे में, शारीरिक और मानसिक क्षमता के बारे में जानने का अवसर देता है। उन्होंने कहा आज ओलंपिक हो या पैरालंपिक गेम्स, एशियाड हो या कॉमनवेल्थ गेम्स या वर्ल्ड चैंपियनशिप, इन सभी प्रतियोगिता में बहुत अच्छा प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। साथ ही जमीनी स्तर के खिलाड़ियों को इसमें आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हमने ओलंपिक और पैरालंपिक्स में जिन खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया, देश के लिए मेडल जीते, उन सभी को गत सप्ताह ही भव्य समारोह में सम्मानित किया। आज प्रदेश का कोई खिलाड़ी यदि एकल गेम में ओलंपिक स्वर्ण पदक प्राप्त करता है तो हम उसे 6 करोड़ रुपए की राशि प्रदान करते हैं। अगर रजत प्राप्त करता है तो उसे 3 करोड़ की राशि प्रदान करते हैं। वहीं, अगर कोई कांस्य पदक जीतता है तो एक करोड़ रुपए की राशि उसे प्रदान की जाती है। टीम गेम में यह राशि 3 करोड़, डेढ़ करोड़ और 75 लाख रुपए है।

सीएम योगी ने कहा कि मेडल जीतने पर प्रोत्साहन के साथ ही हमने खिलाड़ियों के लिए सर्विस में स्पेशल व्यवस्था की है। गत वर्ष 2020 के टोक्यो ओलंपिक में हॉकी का कांस्य पदक जीतने पर टीम के सदस्य और उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी ललित उपाध्याय को सीधे प्रदेश पुलिस में डिप्टी एसपी के पद पर नियुक्ति दी। इस बार हम राजकुमार पाल को भी सीधे नियुक्ति देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने वाली एथलीट पारुल चौधरी को भी हमने डिप्टी एसपी नियुक्त किया है। अब तक प्रदेश सरकार ने 500 खिलाड़ियों को सीधी नियुक्ति दी है।

सीएम योगी ने कहा कि अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए सरकार ने बहुत सारी घोषणाएं की हैं। अधिवक्ता कल्याण निधि की राशि को बढ़ाना भी शामिल है। प्रदेश में इसका कॉर्पस फंड ही 500 करोड़ रुपए का बना दिया है। अधिवक्ता की असमय मृत्यु पर उसके परिजनों को दी जाने वाली डेढ़ लाख की राशि को बढ़ाकर 5 लाख रुपए किया गया है। अब तक हम 134 करोड़ रुपए अधिवक्ता कल्याण राशि से दिवंगत अधिवक्ताओं के परिजनों को वितरित कर चुके हैं। इसमें अधिकतम आयु की सीमा को भी 60 वर्ष से बढ़ाकर 70 वर्ष कर दिया है।

उन्होंने अपील की कि अगली बार इस प्रतियोगिता में महिला एडवोकेट्स की टीम भी इस आयोजन का हिस्सा बननी चाहिए, क्योंकि महिलाएं हर क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही हैं।

इस अवसर पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय लखनऊ बेंच के सीनियर जज न्यायमूर्ति एआर मसूदी, न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा, न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान, अध्यक्ष ऑल इंडिया एडवोकेट्स क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजन समिति वरिष्ठ अधिवक्ता एनके सेठ, सीआर संथल कृष्णन,जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, इलाहाबाद हाईकोर्ट के प्रयागराज और लखनऊ बेंच के न्यायमूर्ति उप-स्थित रहे।

रेल जेहाद के निशाने पर उत्तर प्रदेश

साबरमती एक्सप्रेस के सामने फेंकी गई साइकिल

दूसरी ट्रेन के इंजन में फंसी लोहे की छड़

लखनऊ, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में हाल ही में रेलवे को निशाना बनाकर की जा रही घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों को चौकस कर दिया है। रेलवे ट्रैक पर जानबूझकर सरिया, लकड़ी, सिलेंडर, साइकिल फेंकने जैसी घटनाएं गहरी साजिश का संकेत दे रही हैं। ललितपुर से लेकर संत कबीर नगर और कानपुर से लेकर मध्य प्रदेश तक ऐसी कई वारदातें सामने आ चुकी हैं। ताजा मामले में ट्रेन के सामने साइकिल फेंककर नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई है, तो एक अन्य मामले में ट्रेन के सामने सरिया रख दिया गया।

संतकबीर नगर में एक साइकिल साबरमती एक्सप्रेस के सामने फेंकी गई, जिससे ट्रेन का इंजन क्षतिग्रस्त हो गया।

लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को तुरंत रोका, लेकिन इंजन में साइकिल फंस गई। रेल पुलिस के अनुसार शनिवार की सुबह करीब 6-30 बजे सुबह गोरखपुर से लखनऊ की ओर जा रही साबरमती एक्सप्रेस खलीलाबाद के पुराना आरटीओ कार्यालय के पास से गुजर रही थी।

इस दौरान अज्ञात व्यक्ति ट्रेन के आगे साइकिल फेंककर भाग निकला। ट्रेन में फंसी साइकिल देख चालक ने सात सौ मीटर आगे जाकर ट्रेन रोक कर क्षतिग्रस्त हुई साइकिल निकाली। इसके बाद ट्रेन आगे रवाना हुई।

एसपी सत्यजीत गुप्ता सहित कोतवाली के साथ कई थानों के एसएचओ मौके पर पहुंचे। साथ ही जीआरपी के एसओ, सीओ, आरपीएफ के अधिकारी घटना स्थल के आस पास साइकिल फेंकने वाले की तलाश कर रहे हैं। हालांकि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन यह घटना रेलवे की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करती है। यह घटना स्पष्ट करती है कि रेलवे के सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करने की आवश्यकता है। पुलिस ने इसे बच्चों की शरारत मानकर जाँच की, लेकिन इससे बड़ी साजिश की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। ललितपुर में पातालकोट एक्सप्रेस के साथ भी एक गंभीर घटना घटी, जब ट्रैक पर रखी गई लोहे की छड़ ट्रेन के इंजन में फंस गई। ट्रेन संख्या 14624 पातालकोट एक्सप्रेस के इंजन में लोहे की सरिया फंस गई। जिससे चिंगारी निकलने लगी। गेटमैन की सूचना पर ट्रेन के लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर बड़ी दुर्घटना होने से बचा लिया। पुलिस की जाँच में पता चला कि युवक सत्यम यादव ने रेलवे की कंस्ट्रक्शन साइट से छड़ चुराई थी और भागते समय ट्रेन के डर से इसे ट्रैक पर छोड़ दिया।

जिस महिला की हत्या और अपहरण का गोंडा में दर्ज है केस

वह तीन साल बाद लखनऊ में प्रेमी के साथ मिली

लखनऊ, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोंडा में जिस महिला की हत्या और अपहरण का केस दर्ज है, वह तीन साल बाद लखनऊ में अपने प्रेमी के साथ मिली। ससुराल वालों पर दहेज हत्या का केस दर्ज है। हाईकोर्ट ने रिपोर्ट मांगी तो पुलिस महिला को तलाश कर लाई। हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कार्रवाई की रिपोर्ट पुलिस से तलब की तो विवाहिता बरामद हो गई।

नगर कोतवाली पुलिस के अनुसार, 24 वर्षीय कविता देवी की शादी 17 नवंबर 2017 को ददुआ बाजार निवासी विनय कुमार से हुई थी। शादी के चार साल तक सब ठीक चलता रहा, लेकिन पांच

मई 2021 को कविता अचानक घर से लापता हो गई। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगा दिया। छह महीने बाद पति विनय ने भी कविता के अपहरण का मामला दर्ज कराया। बाद में दोनों पक्ष हाईकोर्ट पहुंच गए।

कोर्ट ने मामले में अब तक की पुलिस कार्रवाई का एसपी से ब्योरा तलब कर लिया। एसपी विनीत की निगरानी में एसओजी व नगर कोतवाली पुलिस ने कविता को लखनऊ में प्रेमी सत्यनारायण गुप्ता के घर से बरामद कर लिया। नगर कोतवाल मनोज कुमार पाठक ने बताया कि कविता लखनऊ में सत्यनारायण गुप्ता के साथ रह रही थी। सत्यनारायण की गोंडा के दुर्जनपुर बाजार में दुकान थी। कविता के घर उसका आना जाना था। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। कविता ससुराल से जाने के बाद सत्यनारायण के साथ एक साल तक अयोध्या में रही। फिर दोनों लखनऊ चले गए। सोमवार को कविता को सीजेएम कोर्ट में पेश किया जाएगा, जहां उसका बयान होगा।

शिक्षक परिवार हत्याकांड

मंत्री ने परिजनों को सौंपी सरकार की आर्थिक मदद

रायबरेली 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेठी में बर्बर हत्याकांड का शिकार हुए शिक्षक सुनील कुमार परिवार के परिजनों को सरकार ने आर्थिक मदद के तौर पर पांच लाख की धनराशि उपलब्ध कराई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने शिक्षक के परिजनों से सुदामापुर गांव में मुलाकात की और साथ ही उनको पूरा आश्वासन दिया कि सरकार आपके साथ इस दुख की घड़ी में साथ खड़ी है। यहां पर उन्होंने पीड़ित परिवार का हाल चाल जानते हुए सांत्वना दी और परिवार को आश्वासन दिया कि सरकार की तरफ से पूरा न्याय दिलाया जाएगा।

पीड़ित परिवार के परिजनों को उन्होंने मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एक आवास, मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पांच लाख की राशि, पांच बीघे

भूमि पट्टा आवंटन सहित 33 लाख रुपए की राशि का चेक प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री घटना पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और उनका निर्देश है कि पीड़ित परिवार की सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जाए। ऊंचाहार के विधायक मनोज पांडेय ने भी पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की है और उन्हें भरोसा दिलाया है कि उन्हें पूरा न्याय दिलाया जाएगा। क्षेत्र का विधायक होने के नाते पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में पूरा सहयोग रहेगा। सरकार और प्रशासन इस पूरे प्रकरण में त्वरित कार्यवाही कर रही है। इस घटना में शामिल अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया और उसका सहयोग देने वालों पर भी पुलिस प्रशासन की तरफ से कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉक्टर यशवीर सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी सिद्धार्थ चौधरी, समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा

हिंदू समाज में भेदभाव की कोई जगह नहीं, इसे पनपने न दें

गोरखपुर, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने संघ पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों के साथ हुई बैठक में कहा कि हिंदू समाज में भेदभाव और छुआछूत के लिए कोई जगह नहीं है। इस भावना को पनपने न दें। इसके लिए निरंतर काम करने की जरूरत है। भेदभाव को मिटाकर ही समाज को विकृति से बचाया जा सकता है।

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों के साथ बौद्धिक और कुटुम्ब प्रबोधन पर विमर्श किया। सुबह संघ की शाखा की शुरुआत सुबह ध्वज प्रणाम से हुई। इसके बाद बौद्धिक सत्र शुरू हुआ, जिसमें राष्ट्र निर्माण और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर विमर्श हुआ। सरकार्यवाह ने कहा कि जब भी कुरीतियां फैलती हैं तो समाज गलत दिशा में जाता है। जहां विकृति होती है, वहां समाज

विरोधी तत्व सक्रिय होते हैं। ऐसे में समाज से लोग विमुख होने लगते हैं, हमें भेदभाव को मिटाते हुए सबके बीच जाना चाहिए। सेवा टोली का दायित्व है कि वहां अनिवार्य रूप से सक्रियता बढ़ाए। शाखा का विस्तार तेजी से करें।

बौद्धिक सत्र के बाद प्रार्थना के साथ समापन हुआ। करीब दो घंटे तक चली शाखा में 117 स्वयंसेवकों की सहभागिता रही। इसके बाद सरकार्यवाह राजेंद्र नगर स्थित संघ कार्यालय गए, जहां दिन में दो सत्रों में चली बैठक में गोरक्ष प्रांत के सभी जिलों से आए पदाधिकारियों से मुलाकात की। उनसे संघ की शाखाओं व शताब्दी वर्ष समारोह की तैयारियों पर चर्चा की। शाम को कुछ पुराने वरिष्ठ पदाधिकारियों से सरकार्यवाह ने अलग से मुलाकात की और उनसे कई बिंदुओं पर चर्चा की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने सोमवार को रानी अहिल्या देवी होलकर की 300 वीं जयंती के अवसर पर शाम छह बजे योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक केंद्र में विश्व संवाद केंद्र की ओर से आयोजित ध्येय मार्ग पत्रिका के वार्षिक विशेषांक का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो पूनम टंडन ने की। होसबाले ने गोरक्षप्रांत के पदाधिकारियों से कुटुंब और पर्यावरण पर चर्चा की और कहा कि स्वयंसेवक कुटुंब और पर्यावरण को बचाने के लिए सामूहिक प्रयास करें। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सभी को आगे आना होगा।

पेड़ लगाएं, जल बचाएं, प्लास्टिक का उपयोग कम करें का लक्ष्य लेकर एकजुट हों और समाज में जागरूकता लाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देने की जरूरत है। परिवार को समय दें, सदस्यों के साथ बैठें और एक दूसरे से संवाद करें।

ज्योतिषपीठाधीश्वर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिष्यों और गोसेवा दल के सदस्यों ने होसबाले को पत्रक सौंपा। सदस्यों ने गोमाता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग की। समिति की ओर से गीता और शाल भेंट की गई। एडवोकेट मनीष पांडेय ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन सभ्यता में गोमाता को सर्व पूजनीय और धार्मिक रूप से सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। गोहत्या निषेध कानून की मांग व्यापक रूप से चारों शंकराचार्य पीठें, पांचों वैष्णवाकार्य पीठें और 13 अखाड़ों द्वारा किया जा रहा है। ऐसे में वेद लक्षणा गाय को पशु श्रेणी से निकालकर राष्ट्र माता की श्रेणी में रखा जाए। मांग पत्र सौंपने वालों में मुन्ना सिंह, सुनील पांडेय, मयंक मिश्रा, अवधेश सिंह, मुकेश पाण्डेय, अष्टभुजा सिंह, राजकुमार मिश्रा, कृष्ण कुमार भार्गव, अभय शाही, धीरज सिंह आदि शामिल थे।

विश्व कप के बाद न्यूजीलैंड महिला टीम तीन वनडे मैचों के लिए करेगी भारत का दौरा

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड की महिला टीम अहमदाबाद में चल रहे टी20 विश्व कप फाइनल के तुरंत बाद तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगी। ये तीन मैच क्रमशः 24, 27 और 29 अक्टूबर को खेले जाने हैं।

जो आईसीसी महिला एकदिवसीय चैम्पियनशिप 2022-25 का हिस्सा हैं। न्यूजीलैंड को पिछले साल इस दौरे के लिए आना था, लेकिन 2023 की भारतीय टीम की व्यस्त सर्दियों के कारण इस श्रृंखला को स्थगित करना पड़ा, जिसमें डब्ल्यूबीबीएल के नौवें संस्करण के समापन के बाद इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो एक-एक टेस्ट मैच शामिल थे। चैंपियनशिप पॉइंट्स के साथ, दोनों टीमों के पूरी ताकत से खेलने की उम्मीद है, जिसका मतलब है कि ए-लिस्टर्स डब्ल्यूबीबीएल 2024 में अपनी-अपनी टीमों के कम से कम पहले दो राउंड मिस कर सकते हैं, जो दूसरे वनडे के साथ ही शुरू होगा। इस साल छह भारतीय ऑस्ट्रेलियाई लीग में जा रहे हैं, जिनमें उप-कप्तान स्मृति मंधाना भी शामिल हैं। डब्ल्यूबीबीएल के समापन के बाद, 1 दिसंबर को, भारतीय टीम को 5-11 दिसंबर के बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैच भी खेलने हैं। न्यूजीलैंड वर्तमान में 10 टीमों की आईडब्ल्यूसी स्टैंडिंग में छठे स्थान पर है, जिसने अब तक अपने 18 वनडे में से केवल आठ जीते हैं। 2025 के वनडे विश्व कप की मेज़बानी करने के कारण भारत को इस मेगा इवेंट के लिए स्वतः ही क्वालिफाई करना होगा। इस शोपीस इवेंट से पहले महिला टीम को ज़्यादा से ज़्यादा जगहों पर खेलने का मौका देने के लिए, बीसीसीआई ने नए बने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेल आयोजित करने का फैसला किया है। भारत के अलावा, आईडब्ल्यूसी तालिका में शीर्ष पाँच टीमें अक्टूबर-नवंबर 2025 में होने वाले टूर्नामेंट में आगे बढ़ेंगी, जबकि शेष चार को अपनी जगह बनाने के लिए क्वालीफ़ायर से गुज़रना होगा।

न्यूज ब्रीफ

रियल मैड्रिड के स्टार राइट-बैक डैनी कार्वाजल को करानी होगी घुटने की सर्जरी

मैड्रिड। रियल मैड्रिड के स्टार राइट-बैक डैनी कार्वाजल को विलारियल के खिलाफ ला लीगा में मैड्रिड के आखिरी मैच के दौरान घुटने में चोट लग गई।

स्पैनियार्ड कई वर्षों से लॉस ब्लैंकोस बैक लाइन का नेतृत्व कर रहे हैं और उनकी चोट स्पेनिश क्लब के लिए एक झटका होगी। वलारियल के खिलाफ, रियल मैड्रिड ने 2-0 से जीत हासिल की और तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। इससे पहले रविवार को, रियल मैड्रिड ने एक बयान जारी किया और कहा कि कार्वाजल के दाहिने पैर में पॉप्लिटस टेंडन फट गया है और आने वाले दिनों में उसकी सर्जरी होनी है। रियल मैड्रिड ने कहा, रियल मैड्रिड मेडिकल सर्विसेज द्वारा डैनी कार्वाजल पर किए गए परीक्षणों के बाद, खिलाड़ी के दाहिने पैर में फटे हुए पूर्ववर्ती क्रूसिएट लिगामेंट, फटे हुए बाहरी कोलेटरल लिगामेंट और फटे हुए पॉप्लिटस टेंडन का पता चला है। आने वाले दिनों में उसकी सर्जरी होगी। विलारियल के खिलाफ मैच की समाप्ति के बाद लॉस ब्लैंकोस के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा कि कार्वाजल की चोट पूरी टीम को प्रभावित करेगी। उन्होंने रियल मैड्रिड की आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से कहा, जब डैनी जैसे खिलाड़ी के साथ ऐसा कुछ होता है, जो हमेशा प्रेरित रहता है, तो इसका असर सभी खिलाड़ियों और पूरी टीम पर पड़ता है। हमें जवाब देना होगा। पिछले साल हमने अपनी चोटों पर बहुत अच्छी प्रतिक्रिया दी थी और इस साल हमें यह सुनिश्चित करने के लिए और प्रयास करने होंगे कि चोटें बाकी टीम के लिए प्रेरणा का स्रोत बनें, जैसा कि पिछले साल हुआ था।

जयसूर्या श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्णकालिक मुख्य कोच नियुक्त

नई दिल्ली। पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सनथ जयसूर्या को श्रीलंका राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वह इससे पहले टीम के अंतरिम मुख्य कोच के रूप में काम कर रहे थे, लेकिन अब उन्हें पूर्णकालिक मुख्य कोच का दर्जा दे दिया गया है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने सोमवार को एक बयान में बताया कि श्रीलंका क्रिकेट सनथ जयसूर्या को राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त करने की घोषणा करता है। एसएलसी ने आगे लिखा कि श्रीलंका क्रिकेट की कार्यकारी समिति ने भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया दौरों में टीम के अच्छे प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है, जहां जयसूर्या 'अंतरिम मुख्य कोच' के रूप में प्रभारी थे। श्रीलंका क्रिकेट ने बताया कि उनकी यह नियुक्ति एक अक्टूबर, 2024 से प्रभावी होगी तथा 31 मार्च 2026 तक रहेगी।

बावुमा तीसरे एकदिवसीय से बाहर हुए, हेंड्रिक्स शामिल किए गए, वैन डेर डुसेन करेंगे कप्तानी

अबू धाबी। दक्षिण अफ्रीकी एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा चोटिल होने के कारण आयरलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय में नहीं खेलेंगे। उनकी जगह पर रासी वैन डेर डुसेन आयरलैंड के खिलाफ होने वाले अंतिम एकदिवसीय में टीम की कप्तानी करेंगे। मेजबान टीम पहले ही इस सीरीज में 2-0 से आगे है।

वावुमा को दूसरे एकदिवसीय के दौरान चोट लग लगी थी। इसके बाद वह मैदान से बाहर चले गये थे। बावुमा की जगह रीजा हेंड्रिक्स को टीम में शामिल किया गया है। वहीं ऑलराउंडर वियान मुल्डर भी निजी कारणों से स्वदेश वापस चले गये हैं। इससे दक्षिण अफ्रीकी टीम को अपनी अंतिम ग्यारह में बदलाव करना पड़ा है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने कहा, बावुमा को बाईं कोहनी में चोट के कारण आयरलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के लिए शामिल नहीं किया गया है। बावुमा को दूसरे एकदिवसीय के दौरान दक्षिण अफ्रीका की पारी के 12वें ओवर में कोहनी में चोट लगी थी। चोट के कारण वह फील्डिंग नहीं कर पाए। बावुमा अब टीम के बाकी सदस्यों के साथ स्वदेश लौटेंगे और एक विशेषज्ञ से परामर्श करेंगे। उनकी चोट की गंभीरता के बारे में जानकारी समय पर दी जाएगी। उन्होंने कहा, हेंड्रिक्स को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है। 35 वर्षीय खिलाड़ी आज बाद में अबू धाबी पहुंचेंगे।

हमारे बल्लेबाजों को नहीं पता कि 180 रन कैसे बनाएं - नजमुल हुसैन शांतो

ग्वालियर, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने रविवार को स्वीकार किया कि पावरप्ले का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में उनकी विफलता टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्हें नुकसान पहुंचा रही है। भारत ने ग्वालियर में तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश को 49 गेंदें शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। बांग्लादेश के लिए पावरप्ले में यह एक और विफलता थी क्योंकि बल्लेबाजी के लिए बुलाए जाने के बाद उन्हें पहले छह ओवरों में केवल 39 रन मिले और अंततः 127 रन पर आउट हो गए। दूसरी ओर, भारत ने पावरप्ले में 71 रन बनाए और 11.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

पावरप्ले बल्लेबाजी काफी समय से टी20आई में बांग्लादेश के लिए एक समस्या रही है और उनका संघर्ष जारी रहा, साथ ही टीम लंबे समय तक अपने ओपनिंग संयोजन से भी जूझती रही। लिटन दास (4) ने पहले ओवर में एक लापरवाह शॉट खेला जिससे वह पवेलियन लौट गए, जबकि परवेज हुसैन इमोन, जो कुछ समय बाद टी20आई क्रिकेट में लौटे थे, अर्शदीप की गेंद पर बोल्ड हो गए।

इस मैच में बांग्लादेश की ओपनिंग साझेदारी केवल 5 रन की थी। कुल मिलाकर, बांग्लादेश के लिए पिछली आठ पारियों में सलामी साझेदारी ने केवल 69 रन का योगदान दिया है, जिसमें उच्चतम 35 रन है, जो टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय रहा है।

माधव राव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में पहले मैच के बाद नजमुल ने संवाददाताओं से कहा, पावरप्ले निश्चित रूप से चिंता का विषय है। हमने खेल से पहले जिस दृष्टिकोण के बारे में बात की थी, वह यह था कि अगर हम बल्ले से अच्छी शुरुआत करते हैं तो हमें फायदा होगा। हमें पहले छह ओवरों में विकेट बचाए रखने होंगे और उनमें रन बनाने होंगे। अन्यथा, जो अगले बल्लेबाज आएंगे, उनके लिए यह बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। हमने पावरप्ले में संघर्ष किया है। पावरप्ले में बल्लेबाजी करने वालों को अधिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

नजमुल के अनुसार कौशल-सेट और मानसिकता दोनों टीमों के बीच अंतर के मुख्य बिंदु हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी टीम उतनी खराब नहीं है, जितनी भारत के खिलाफ पहले मैच के बाद लग रही थी। नजमुल ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि हमने खराब खेला। हम इससे बेहतर टीम हैं। हमने लंबे समय से इस प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम इतनी खराब टीम हैं। मैं किसी एक खिलाड़ी के बारे में बात नहीं करना चाहता। मुझे लगता है कि बल्लेबाजी इकाई ने आज अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हम जिस तरह से स्कोरिंग करते हैं, उसमें आक्रामकता होगी, लेकिन कभी-कभी हमें गेंदों का सही चयन करना होता है। हम इसके बारे में सोचेंगे, लेकिन हम अपने दृष्टिकोण को बदलने में जल्दबाजी नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा, हमारे पास क्षमता है, लेकिन हमारे कौशल में सुधार की गुंजाइश है। हम पिछले दस सालों से इस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं। कभी-कभी हम अच्छा प्रदर्शन करते हैं। हमें कुछ बदलाव करने होंगे, शायद जहां हम घर पर अभ्यास करते हैं। हम घर पर 140-150 विकेट पर खेलते हैं। हमारे बल्लेबाज 180 रन बनाना नहीं जानते। मैं सिर्फ विकेटों को दोष नहीं दूंगा, लेकिन हमें कौशल और मानसिकता पर विचार करना होगा।

महिला टी-20 विश्व कप

भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह कठिन, यह है पूरा समीकरण

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में अपने अभियान को दुबई में पाकिस्तान पर छह विकेट से जीत के साथ पुनर्जीवित किया, जबकि पहले मैच में उसे न्यूजीलैंड से 52 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत से भारत को ग्रुप ए में अपने पहले अंक मिले, जबकि पाकिस्तान ने श्रीलंका को हराकर अपना खाता पहले ही खोल लिया था।

ग्रुप-स्टेज के दो मैच बचे हैं, ऐसे में भारत को सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने की अपनी संभावनाओं को मजबूत करने के लिए दोनों मैच जीतने होंगे। प्रत्येक ग्रुप से केवल शीर्ष दो टीमें ही आगे बढ़ेंगी और भारत अधिकतम छह अंक तक पहुंच सकता है। उस स्थिति में, यदि न्यूजीलैंड ऑस्ट्रेलिया को हरा देता है, तो भारत के लिए क्वालीफाई करने के लिए छह अंक पर्याप्त होंगे, बशर्ते पाकिस्तान अपने बचे हुए मैचों में से केवल एक ही जीत ले।

यदि पाकिस्तान और भारत अपने बचे हुए प्रत्येक मैच जीत जाते हैं और न्यूजीलैंड ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत जाता है, तो छह अंकों पर तीन-तरफ़ा टाई होगी जिसे नेट रन रेट के माध्यम से हल किया जाएगा।

अगर भारत श्रीलंका को हराने के बाद अपने अंतिम ग्रुप मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार जाता है, तो उसकी क्वालीफिकेशन की उम्मीदें दूसरे नतीजों पर निर्भर होंगी। इसके लिए न्यूजीलैंड को ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान दोनों से हारना होगा या ऑस्ट्रेलिया को न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना होगा। उस स्थिति में, तीन टीमें चार अंकों पर बराबर होंगी और नेट रन रेट दूसरे क्वालीफायर का निर्धारण करेगा।

गर्दन की चोट के कारण ब्राजील के विश्व कप क्वालीफायर से बाहर हुए विनीसियस जूनियर

साओ पाउलो, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ब्राजील के फारवर्ड विनिसियस जूनियर चोट के कारण चिली और पेरू के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर मैचों में नहीं खेल पाएंगे, जिससे वह टीम में प्रतिस्थापित होने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। ब्राजील फुटबॉल संघ (सीबीएफ) ने रविवार को उक्त जानकारी दी।

विनिसियस जूनियर के क्लब रियल मैड्रिड ने कहा कि शनिवार को विलारियल के खिलाफ 2-0 की घरेलू जीत के दौरान विनीसियस को गर्दन में चोट लग गई थी।

सीबीएफ ने रविवार को एक बयान में कहा कि फुलहम के मिडफील्डर एंड्रियास परेरा को उनकी जगह लेने के लिए बुलाया गया है।

विनीसियस की चोट ने कोच डोरिवल जूनियर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, क्योंकि आठ मैचों के बाद 10 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल परिसंघ के विश्व कप क्वालीफाइंग स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर काबिज ब्राजील को 10 अक्टूबर को सैंटियागो में चिली का सामना करना है, उसके बाद पांच दिन बाद ब्रासीलिया में पेरू की मेजबानी करनी है।

पाकिस्तान ने जाहिद महमूद और नोमान अली को टीम से किया बाहर

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान ने मुल्तान में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन लेग स्पिनर जाहिद महमूद और बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स नोमान अली को अपनी टीम से बाहर कर दिया है। पाकिस्तान ने केवल पहले टेस्ट के लिए अपनी टीम की घोषणा की थी, जिसमें महमूद को देर से शामिल किया गया था, जो 16वें खिलाड़ी थे। लेग स्पिनर को पाकिस्तान द्वारा शुरुआती टेस्ट के लिए 15 खिलाड़ियों की घोषणा करने के एक दिन बाद जोड़ा गया था। उन्होंने केवल दो टेस्ट मैच खेले हैं, जो दिसंबर 2022 में इंग्लैंड के पिछले पाकिस्तान दौरे के दौरान आए थे और चार पारियों में 12 विकेट लिए थे।

अली पिछले साल तक पाकिस्तान की टीम में नियमित रूप से शामिल थे। उन्हें पिछले दिसंबर में तीव्र अपेंडिसाइटिस के कारण पाकिस्तान के टेस्ट दौरे की शुरुआत से पहले ऑस्ट्रेलिया से स्वदेश लौटना पड़ा था और अगस्त और सितंबर में बांग्लादेश के दो टेस्ट के लिए 17 खिलाड़ियों की टीम में उनका नाम नहीं था। पाकिस्तान ने अपनी टीम में 15 खिलाड़ियों को शामिल किया था और चोटिल खुर्रम शहजाद की जगह अली को शामिल किया था। इस सीरीज से पहले, शान मसूद ने कहा था कि पाकिस्तान ने टीम में खिलाड़ियों की संख्या सीमित करने का विकल्प चुना था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक खिलाड़ी को सपोर्ट स्टाफ से उचित ध्यान मिले। हालांकि, इस कदम से पाकिस्तान के पास केवल तीन रिजर्व खिलाड़ी - मोहम्मद हुरैरा, सरफराज अहमद और मीर हमजा - रह गए हैं और अगर उन्हें चोटिल होने पर विकल्प की जरूरत पड़ती है तो उनके पास सीमित विकल्प हैं।

ग्लोबल सुपर लीग टी-20 का उद्घाटन संस्करण 26 नवंबर से

GLOBAL SUPER LEAGUE

गुयाना, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

एक नए क्रिकेट टूर्नामेंट ग्लोबल सुपर लीग टी-20 का पहला संस्करण 26 नवंबर से 7 दिसंबर 2024 तक खेला जाएगा, जिसमें पांच अलग-अलग देशों की पांच टीमें 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर की महत्वपूर्ण पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस आयोजन में गुयाना अमेज़न वॉरियर्स और दुनिया भर की चार अन्य स्थापित टी20 टीमें भाग लेंगी। आयोजकों ने सोमवार को उक्त जानकारी दी।

यह दक्षिण अमेरिका का पहला स्टैंडअलोन क्रिकेट आयोजन होगा और इसे क्रिकेट वेस्टइंडीज द्वारा मंजूरी दी गई है और गुयाना सरकार द्वारा इसका पूरा समर्थन किया जाता है, जो इस टूर्नामेंट में एक प्रमुख हितधारक होगी।

इस आयोजन में 11 मैचों की एक मिनी लीग होगी, जिसमें प्रत्येक टीम चार मैच खेलेगी और शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। सभी मैच प्रोविडेंस के गुयाना नेशनल स्टेडियम में होंगे, यह टूर्नामेंट सालाना आयोजित की जाएगी, जिसमें दुनिया भर की अलग-अलग टीमों को हर सीजन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

गुयाना के सहकारी गणराज्य के अध्यक्ष मोहम्मद इरफ़ान अली ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ग्लोबल सुपर लीग को गुयाना सरकार का पूरा समर्थन प्राप्त है क्योंकि हम एक विश्व स्तरीय खेल पर्यटन उत्पाद बना रहे हैं। क्रिकेट हमारे सांस्कृतिक इतिहास का हिस्सा है, यह एकता की शक्ति है, हमारी विरासत का हिस्सा है और पर्यटन पर विशेष जोर देते हुए आर्थिक विविधीकरण में हमारे रणनीतिक उद्देश्य का अभिन्न अंग है। चूंकि गुयाना खुद को ऊर्जा, खाद्य और जलवायु परिदृश्य में एक वैश्विक आकार देने वाले के रूप में स्थापित करता है, इसलिए हम इस मंच का उपयोग अपने तटों पर एक विश्व स्तरीय टूर्नामेंट लाने के लिए करेंगे।

ग्लोबल सुपर लीग के अध्यक्ष सर क्लाइव लॉयड ने कहा, मैं इस रोमांचक नए आयोजन में दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों का स्वागत करना चाहता हूँ। गुयाना में क्रिकेट के प्रति जुनून दुनिया भर के प्रशंसकों के जुनून से कहीं ज़्यादा है, और हम खेल और अपने समृद्ध और जीवंत देश के प्रति अपने प्यार का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हैं, जो व्यक्तिगत रूप से आने वाले और दुनिया भर से देखने वाले दोनों के साथ हैं। मैं डॉ. मोहम्मद इरफ़ान अली को गुयाना के लिए एक नए क्रिकेट आयोजन के उनके दृष्टिकोण के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ, जो दुनिया को आकर्षित करेगा।

लीजेंड्स लीग के लिए श्रीनगर पहुंचे गेल, टेलर और रैना सहित कई दिग्गज

श्रीनगर। पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर यहां बुधवार को होने वाले लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के मुकाबले के लिए श्रीनगर पहुंच गये हैं। लीग के अंतिम चरण के मैच यहां होने हैं। अधिकारियों ने कहा कि यहां पहुंचने वाले खिलाड़ियों का शानदार स्वागत हुआ। पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मोहम्मद कैफ, शिखर धवन, दिनेश कार्तिक, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, क्रिस गेल, रॉस टेलर, इयान बेल सहित 124 पूर्व अंतरराष्ट्रीय सितारे पहली बार यहां कोई मैच खेलेंगे। इसी को लेकर उत्साहित वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्रिस गेल ने अपने एक संदेश में कहा, 'हैलो श्रीनगर, यूनिवर्स बॉस शहर में है यूनिवर्स बॉस को देखने के लिए अपने टिकट बुक करें। वहीं एक अधिकारी ने कहा कि बख्शी स्टेडियम में किकेट के इस अहम मुकाबले के लिए पूरे इंतजाम किये गये हैं। उन्होंने कहा कि यह कश्मीर को 40 साल में पहली बार स्टेडियम में आकर खेल देखने का अवसर मिलेगा। देखने का एक बड़ा अवसर है। इससे एक बार फिर यहां क्रिकेट की वापसी होगी। श्रीनगर में अब तक दो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच 1983 और 1986 में खेले गये थे। इसके बाद घाटी के हालात खराब होने के कारण यहां मैच नहीं हो पाये। लीजेंड्स लीग एक टी20 क्रिकेट लीग है जिसमें हाल ही में संन्यास ले चुके महान क्रिकेटर शामिल हैं

संपादकीय

रेस में बढ़त

जैसे कि हरियाणा में राजनीतिक पंडित मतदाताओं के मन पढ़ते हुए कांग्रेस की सत्ता में वापसी की बात कर रहे थे, कमोबेश वैसे ही रुझान एग्जिट पोल के निष्कर्षों में सामने आए हैं। हालांकि, पिछले लोकसभा चुनाव के बाद एग्जिट पोल की वास्तविकता को लेकर कई विमर्श सामने आते रहे हैं, लेकिन हरियाणा में शनिवार के मतदान के बाद आए एग्जिट पोल राजनीतिक हवा के अनुरूप भी हैं। लगता है कि एक दशक तक सत्ता से बाहर रहने वाली कांग्रेस हरियाणा में अब सत्ता हासिल करने को तैयार है। उम्मीद है कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी अपने दम पर सरकार बनाएगी, जबकि सत्तारूढ़ भाजपा के दूसरे स्थान पर रहने की संभावना है। पिछले दो दशकों में, राज्य में विधानसभा चुनावों के नतीजों ने एक पूर्वानुमानित पैटर्न दर्शाया है-पहले कांग्रेस दो लगातार कार्यकाल के लिये सत्ता में आई और फिर भाजपा ने दो कार्यकाल में सरकार चलायी। किसी भी पार्टी के लिये यह संभव नहीं हुआ कि वह तीसरी बार सत्ता हासिल कर सके। दरअसल,जब सरकारें जनता की आकांक्षाओं पर खरी नहीं उतरती, तो जनता धैर्य खोने लगती है। वास्तव में सत्ता विरोधी घटक ने भाजपा को कमजोर कर दिया था। तभी गत मार्च में जनमानस में व्याप्त सत्ता विरोधी रुझान को टालने के लिये मनोहर लाल खट्टर की जगह नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय लिया गया। कह सकते हैं कि यह बदलाव पार्टी की हताशा का ही परिचायक रहा। हालांकि, भाजपा ने तीसरी बार सत्ता में वापसी और डैमेज कंट्रोल के लिये सभी दांव-पेच खेले। मतदान से ठीक पहले डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम की रिहाई कांग्रेस का गणित बिगाड़ने का आखिरी प्रयास था। बहरहाल, उत्तर भारत में भाजपा का जनाधार कम होता नजर आ रहा है। ऐसे में हरियाणा में भी नतीजे यदि भाजपा के खिलाफ जाते हैं तो ये भाजपा की बेचैनी बढ़ाने वाला होगा। दिल्ली के बाद पंजाब में हार झेलने के बाद भाजपा ने वर्ष 2022 में हिमाचल में भी हार का मुंह देखा। इसके साथ ही 2024 के लोकसभा चुनावों में घटे जनाधार ने भी पार्टी की कमजोरी को ही उजागर किया। तभी इस साल केंद्र में पूर्ण बहुमत न मिलने पर भाजपा ने अन्य दलों के साथ मिलकर गठबंधन सरकार बनायी। पिछले दशक में भाजपा ने जो देशव्यापी बढ़त हासिल की थी, उसके सापेक्ष कांग्रेस के जनाधार में गिरावट देखी जा रही थी। अब यदि कांग्रेस हरियाणा को अपनी झोली में शामिल करने में सफल हो जाती है तो राष्ट्रीय स्तर पर उसके हालिया पुनरुत्थान को ही बढ़ावा मिलेगा। वहीं दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर में भी कांग्रेस के फायदे में रहने के रुझान मिले हैं, जहां वह नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन बनाकर चुनाव लड़ी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि राज्य बनने की ओर उन्मुख केंद्र शासित प्रदेश में त्रिशंकु सदन की संभावना बन रही है। ऐसी स्थिति में पीडीपी ने संकेत दिया है कि वह भाजपा को सत्ता से बाहर रखने की इच्छुक है। वैसे भगवा पार्टी अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के उपरांत हुए पहले चुनाव के परिणामों के बाद अपने पत्ते तो खेलेगी ही।

कांग्रेस की सत्ता में वापसी की बात कर रहे थे, कमोबेश वैसे ही रुझान एग्जिट पोल के निष्कर्षों में सामने आए हैं। हालांकि, पिछले लोकसभा चुनाव के बाद एग्जिट पोल की वास्तविकता को लेकर कई विमर्श सामने आते रहे हैं, लेकिन हरियाणा में शनिवार के मतदान के बाद आए एग्जिट पोल राजनीतिक हवा के अनुरूप भी हैं। लगता है कि एक दशक तक सत्ता से बाहर रहने वाली कांग्रेस हरियाणा में अब सत्ता हासिल करने को तैयार है। उम्मीद है कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी अपने दम पर सरकार बनाएगी, जबकि सत्तारूढ़ भाजपा के दूसरे स्थान पर रहने की संभावना है। पिछले दो दशकों में, राज्य में विधानसभा चुनावों के नतीजों ने एक पूर्वानुमानित पैटर्न दर्शाया है-पहले कांग्रेस दो लगातार कार्यकाल के लिये सत्ता में आई और फिर भाजपा ने दो कार्यकाल में सरकार चलायी। किसी भी पार्टी के लिये यह संभव नहीं हुआ कि वह तीसरी बार सत्ता हासिल कर सके। दरअसल,जब सरकारें जनता की आकांक्षाओं पर खरी नहीं उतरती, तो जनता धैर्य खोने लगती है। वास्तव में सत्ता विरोधी घटक ने भाजपा को कमजोर कर दिया था। तभी गत मार्च में जनमानस में व्याप्त सत्ता विरोधी रुझान को टालने के लिये मनोहर लाल खट्टर की जगह नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय लिया गया। कह सकते हैं कि यह बदलाव पार्टी की हताशा का ही परिचायक रहा।

मुइज्जू को राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद भारत की अहमियत समझ आ चुकी है

इंडिया आउट का नारा देने वाले मुइज्जू को भारत की शरण में क्यों आना पड़ा ?

नीरज कुमार दुबे

भारत के साथ संबंधों के प्रति मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का बदला हुआ दृष्टिकोण कोई आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि मालदीव की राजनीति में अक्सर देखने को मिलता है कि चुनाव अभियानों के दौरान राजनेता जो बयानबाजी करते हैं, वह आधिकारिक नीतिगत निर्णयों में तब्दील नहीं होती। मुइज्जू को राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद भारत की अहमियत समझ आ चुकी है। कर्ज में डूबे अपने देश को उबारने के लिए मुइज्जू को भारत की मदद की सख्त जरूरत है इसलिए चुनावों में इंडिया आउट का नारा देने वाले मुइज्जू भारत की शरण में आये हैं। चीन की यात्रा के दौरान ढेरों आश्वासन मिलने के बावजूद मुइज्जू अपने देश के लिए कुछ ठोस हासिल नहीं कर पाये इसलिए भारत से मदद मांगने आये हैं। हम आपको बता दें कि मालदीव पर बड़ा आर्थिक संकट मंडरा रहा है इसलिए वह चाहता है कि भारत ऋण भुगतान को थोड़ा आसान बना दे। अपनी भारत यात्रा से ठीक पहले मुइज्जू ने अपने देश को वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा था कि दिल्ली द्वीप राष्ट्र की वित्तीय स्थिति से ₹पूरी तरह परिचित₹ है और माले के सबसे बड़े विकास भागीदारों में से एक के रूप में ₹बोझ को कम करने₹ के लिए हमेशा तैयार रहेगी। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भारत और मालदीव ने 40 करोड़ डॉलर की मुद्रा अदला-बदली को लेकर जो समझौता किया है उससे मालदीव को विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े मुद्दों से निपटने में मदद मिलेगी।

हम आपको यह भी बता दें कि अभी पिछले महीने ही वैश्विक एजेंसी मूडीज़ ने मालदीव की क्रेडिट रेटिंग यह कहते हुए घटा दी थी कि ₹डिफ़ॉल्ट जोखिम बढ़ गए हैं₹। दरअसल मालदीव को ऋण भुगतान में चूक का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उसका विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर 440 मिलियन डॉलर हो गया है, जिससे कि सिर्फ डेढ़ महीने तक ही वस्तुओं का आयात किया जा सकता है। गौरतलब है कि यह द्विपीय राष्ट्र खाने पीने से लेकर अपनी तमाम जरूरतों के लिए विदेशों से सामान आयात करता है। विदेशों से सामान आयात करने के लिए उसे डॉलर की जरूरत है। विदेशी कर्ज चुकाने के लिए भी उसे डॉलर की जरूरत है। इसलिए मालदीव के सामने मुश्किल यह है कि वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार में पड़े डॉलरों से कर्ज चुकाये या अपनी जनता के लिए जरूरत का सामान मंगवाये। इसके अलावा मालदीव को अपने यहां बुनियादी ढांचे में निवेश की भी जरूरत है ताकि जनता के जीवन स्तर को बढ़ाया जा सके। इसके लिए भी भारत पहले ही मालदीव को विभिन्न बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं के लिए 1.4 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता की पेशकश कर चुका है।

कर्ज में डूबे अपने देश को उबारने के लिए मुइज्जू को भारत की मदद की सख्त जरूरत है इसलिए चुनावों में इंडिया आउट का नारा देने वाले मुइज्जू भारत की शरण में आये हैं। चीन की यात्रा के दौरान ढेरों आश्वासन मिलने के बावजूद मुइज्जू अपने देश के लिए कुछ ठोस हासिल नहीं कर पाये इसलिए भारत से मदद मांगने आये हैं। हम आपको बता दें कि मालदीव पर बड़ा आर्थिक संकट मंडरा रहा है इसलिए वह चाहता है कि भारत ऋण भुगतान को थोड़ा आसान बना दे।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि इस साल जनवरी में दोनों देशों के संबंधों में आये तनाव के मद्देनजर भारतीयों ने मालदीव में पर्यटन का बहिष्कार कर दिया था जिससे वहां की अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुँचा है। मुइज्जू को अपनी चीन यात्रा के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग से आश्वासन मिला था कि वह बड़ी संख्या में चीनियों को मालदीव में पर्यटन के लिए भेजेंगे लेकिन चीन से कोई नहीं आया। बताया जाता है कि मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में 50,000 की गिरावट आई है, जिसके परिणामस्वरूप देश को लगभग 150 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। इसलिए मालदीव के राष्ट्रपति ने अपने भारत दौरे के दौरान कहा है कि वह मालदीव में बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटकों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि मुइज्जू ने परोक्ष रूप से भारत पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि इस छोटे से देश को ₹धमकाने का लाइसेंस₹ किसी के पास नहीं है। उन्होंने भारत के लिए अपने सैन्य कर्मियों को देश से वापस बुलाने के लिए 15 मार्च की समय सीमा भी तय की थी। मगर अब मुइज्जू भारत को साथ लेकर चलना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने कहा है कि मालदीव कभी भी ऐसा कुछ नहीं करेगा जिससे भारत की सुरक्षा कमजोर हो। उन्होंने कहा है कि भारत मालदीव का एक मूल्यवान भागीदार और मित्र है और हमारा संबंध आपसी सम्मान और साझा हितों पर बना है। उन्होंने कहा है कि हम विभिन्न क्षेत्रों में अन्य देशों के साथ अपना सहयोग बढ़ाते हैं, लेकिन हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हमारे कार्यों से हमारे क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता से समझौता नहीं हो।

जहां तक मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान मालदीव को हुए लाभ की बात है तो आपको बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मिलकर अपने देश में रूपे कार्ड को डिजिटल रूप से जारी किया। इसके अलावा दोनों नेताओं ने हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नये रनवे का उद्घाटन किया और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जतायी। चार दिवसीय राजकीय दौरे पर आए मुइज्जू ने हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी के साथ विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। इस दौरान भारत ने मालदीव को 700 से अधिक सामाजिक आवास भी सौंपे। इसका निर्माण एक्जिम बैंक (भारतीय निर्यात-आयात बैंक) की खरीदार कर्ज सुविधा के तहत किया गया है। मोदी ने मुइज्जू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी ऐलान किया कि अब ग्रेटर माले संपर्क परियोजना में भी तेजी लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि हम थिलाफुशी में एक नये वाणिज्यिक बंदरगाह के विकास में सहायता करेंगे। प्रधानमंत्री ने साथ ही कहा कि भारत और मालदीव ने आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने मालदीव को एक 'घनिष्ठ मित्र' बताया जिसका भारत की पड़ोस नीति और सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और वृद्धि) दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण स्थान है।

मोदी ने कहा, ''भारत ने हमेशा एक पड़ोसी देश की जिम्मेदारियों को निभाया है। आज, हमने अपने आपसी सहयोग को रणनीतिक दिशा देने के लिए एक व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी का दृष्टिकोण अपनाया है।'' उन्होंने कहा कि भारत और मालदीव के संबंध सदियों पुराने हैं। और भारत, मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और घनिष्ठ मित्र देश है। उन्होंने कहा कि हमारी ₹Neighbourhood First" policy और ₹सागर" Vision में मालदीव का महत्वपूर्ण स्थान है। बाइट।

वहीं मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के बयान की बात करें तो उन्होंने कहा है कि सरकारी बॉण्ड को आगे बढ़ाने तथा मुद्रा की अदला-बदली के समझौते पर हस्ताक्षर समेत उदारतापूर्वक की गयी सहायता के लिए मैं भारत का आभार जताता हूं। उन्होंने कहा कि मालदीव में भारतीय निवेश बढ़ाने के लिए भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने के लिए मैं उत्साहित हूं।

दृष्टि कोण

हरियाणा में चुनावी परिदृश्य के यक्ष प्रश्न

बीते सप्ताह गुरुवार की दोपहर की तीखी धूप में, हरियाणा के शाहबाद चुनावी क्षेत्र में जब विधानसभा चुनाव में प्रचार अभियान औपचारिक रूप से थमने में केवल कुछ घंटे बचे थे, भाजपा कार्यकर्ता उस सभा स्थल से बाहर निकलते वक्त कुछ मायूस लग रहे थे, जिसमें योगी आदित्यनाथ केवल 20 मिनट तक रुके। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के भाषण में तालियां कमज़ोर और छिटपुट रहीं, मानो उनके शब्दबाण चूक गए हों और प्रतिक्रिया में श्रोता हक्के-बक्के थे। परंतु एक भाजपा कार्यकर्ता का मानना था कि पार्टी के कद्दावर नेता बिसात बदल देंगे और जोर देकर कहा : 'यह तो फिर भी बाजी पलटेगा', जबकि वे भाजपा के खिलाफ़ पड़ गये लग रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं में हताशा के बावजूद, इस आखिरी क्षण में भी, उन्हें यकीन है कि उनका दल अपने किए सभी शानदार काम – सड़कें, सब्सिडी, पुरुष-महिला-किसान के लिए बनाई योजनाओं की बदौलत बढ़िया प्रदर्शन कर दिखाएगा। लेकिन, भाजपा कार्यकर्ता और उनके दोस्त भी मानते हैं कि यह इतना आसान नहीं होने वाला है। मसलन, उन्होंने कहा कि शाहबाद में पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार से चिढ़े प्रतिद्वंद्वी ने खुलेआम जीत की संभावना को पलीता लगाया है। एक ने तो कहा : 'वो उनके गले में मरा हुआ सांप डालकर भाग गया'। एक तीसरे व्यक्ति ने योगी की सभा में जुटी कम भीड़ की सफाई देते हुए कहा कि लोग निवर्तमान भाजपा विधायक के अहंकार से इतने नाराज थे कि वे इसके लिए वर्तमान उम्मीदवार को दंडित करने पर आमादा हैं। एक चौथे व्यक्ति ने कहा : 'हमें भाजपा उम्मीदवार की गर्दन में अड़ा सरिया निकालना ही है।' यदि शाहबाद को एक मॉडल मानें, तो हैरानी कम ही होगी कि हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर भाजपा के लिए दांव काफी बड़ा है। ऐसा लगा कि शनिवार की खिली सुबह जैसे ही ईवीएम चालू हुईं, पानीपत की चौथी लड़ाई सरीखा युद्ध शुरू हो गया – इस बार यह संग्राम कांग्रेस पार्टी के अगुवा भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कार्यकारी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के बीच है, जो अन्यथा काफी मिलनसार व्यक्ति हैं। जिन्हें अपने मार्गदर्शक एवं संरक्षक मनोहर लाल खट्टर की जगह मार्च में मुख्यमंत्री बनाकर छह महीने का कार्यकाल देने की बजाय काफी पहले यह बदलाव किया जाना चाहिए था। वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार जादू की छड़ी घुमाई, हरियाणा का राजकाज सख्ती से चलाने वाले मनोहर लाल को साढ़े नौ साल तक कोई छू नहीं सका, क्योंकि इन दोनों का नाता बहुत पुराना है, जैसा कि खुद मोदी ने इस वर्ष की शुरुआत में एक रैली में बताया था कि 1980 के दशक में वे और खट्टर दोनों अक्सर एक ही दरी पर सोते थे और पूरे हरियाणा में एक ही बाइक पर सवार होकर बतौर आरएसएस प्रचारक दौरा किया करते थे। बताया जाता है कि सैनी भी उस समय भाजपा कार्यालय में काम करते थे और चिट्ठी-पत्री एवं प्रेस विज्ञप्तियां टाइप किया करते थे, तब से अपने उत्थान का श्रेय वे खट्टर को देते हैं। हरियाणा के साथ समस्या यह है कि इतिहास की गूंज इतनी तेज रहती है कि इसमें वर्तमान का शोर दब जाता है। सैनी खट्टर के शागिर्द हैं, जो आगे मोदी के करीबी हैं – तीनों बेहतरीन दोस्त, एक साथ मिलकर जूझने को कृत-संकल्प। फिर आपको पासा फेंकने की आवाज़ सुनाई देती है। धीरे से अंगुली से ईवीएम का बटन दबाया और निकली बीप की आवाज़ से हरियाणा ने अपना फैसला दर्ज करवा दिया है। अब यह किसी सैनी-खट्टर-हुड्डा या यहां तक कि मोदी को लेकर नहीं रहा। यह तो अहंकारी व्यक्ति के गर्दन से 'सरिया' निकालने के वास्ते है। हरियाणवियों ने शनिवार को मतदान अपने नेताओं के अहंकार को दंडित करने के लिए किया। मोदी के लिए, दांव इससे बड़ा और कुछ नहीं हो सकता। सच तो यह है कि केवल 90 सीटों वाला छोटा राज्य हरियाणा ही वह जगह है जहां से सब शुरू हुआ। वह भूभाग जहां पर सत्ता की इबारत सर्वप्रथम सिंधु-गंगा क्षेत्र के मैदानों में लोगों के सामूहिक अवचेतन पर अंकित हुई। वफ़ादारी, दोस्ती, प्यार, विश्वासघात, हिंसा, घृणा -हर भावना का उतार-चढ़ाव– इन सबकी परख सबसे पहले यहीं, इसी हरियाणा की धरती पर हुई, कुरुक्षेत्र की लड़ाई से पहले-उसके दौरान –और बाद में। ताज़ के हीरे के रूप में दिल्ली सदा अफ़गान कबीलों और मुगल शासकों के निशाने पर रही- लेकिन दिल्ली की हार और लूटपाट तभी हो पाई जब हरियाणा ने ताकतवरों को अपनी मर्जी करने की छूट दी। हरियाणवी समझता है कि उसकी शक्ति ताकतवर की ताकत का आकलन करने में निहित है। क्या वह उसे अपनी मर्जी चलाने दे? और अगर हां, तो किस कीमत पर? इस बात को आज भारत के किसी भी अन्य राजनेता से बेहतर मोदी समझते हैं। मोदी को यह भी भान है कि यदि भाजपा हरियाणा हार जाती है, तो उनके दुर्ग की एक महत्त्वपूर्ण ईंट हिल जाएगी, जिससे आगे की ईंटें ढीली पड़ती जाएंगी।

कुछ अलग

अंतरिक्ष में भारत की लंबी छलांग की तैयारी

हाल ही में चार महत्वपूर्ण अंतरिक्ष मिशनों को मंजूरी मिलने के बाद भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम को नया बल मिला है। इन मिशनों का उद्देश्य अंतरिक्ष अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में भारत की स्थिति को मजबूत करना है। ये मिशन अंतरिक्ष क्षमताओं को आगे बढ़ाने और वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए देश की प्रतिबद्धता को उजागर करते हैं। मंजूर किए गए मिशनों में चंद्रयान-4, वीनस ऑर्बिटर मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण और गगनयान अनुवर्ती कार्यक्रम शामिल हैं। प्रत्येक मिशन की अपनी चुनौतियां हैं। उनकी सफलता उन्नत तकनीक, कुशल विशेषज्ञता और पर्याप्त वित्तीय सहायता पर निर्भर करेगी। उनमें से सबसे प्रमुख चंद्रयान-4 है जो चंद्र अन्वेषण की दिशा में भारत की अगली छलांग है। चंद्रयान-4 भारत के लिए एक अभूतपूर्व मिशन है, जो चंद्रमा से नमूने एकत्र करने और उन्हें पृथ्वी पर वापस लाने पर ध्यान केंद्रित करता है। 2,104.06 करोड़ रुपये के प्रभावशाली बजट वाला यह मिशन चंद्रयान-3 की सफलता पर आधारित है, जिसने चंद्रमा पर उतरने की भारत की क्षमता को साबित किया। अब चंद्रयान-4 का लक्ष्य चंद्रमा की संरचना और भूगर्भीय इतिहास के बारे में हमारी समझ को गहरा करना है। चंद्रयान-4 का प्राथमिक उद्देश्य चंद्रमा की सतह से मिट्टी और चट्टान के नमूने एकत्र करना और उनका विश्लेषण करना है। ये नमूने चंद्रमा की संरचना और विकास के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करेंगे, जिससे वैज्ञानिकों को इसके निर्माण और अरबों वर्षों में इसे आकार देने वाली प्रक्रियाओं के बारे में बेहतर समझ मिलेगी। सरकार द्वारा मंजूर किए गए अन्य मिशनों में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन विशेष रूप से उल्लेखनीय है। भारत ने 2035 तक यह स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई है। पृथ्वी की कक्षा में एक परिक्रमा स्टेशन स्थापित करना क्यों जरूरी है? भारत अपने गगनयान मिशन के तहत तीन अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजना चाहता है। एक बार अंतरिक्ष मानव उड़ानों का सिलसिला शुरू होने के बाद भारत को अंतरिक्ष में एक ऐसे ठौर-ठिकाने की जरूरत पड़ेगी जहां अंतरिक्ष यात्री कुछ समय बिताकर शून्य गुरुत्वाकर्षण की स्थिति में वैज्ञानिक प्रयोग कर सकें। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) अंतरिक्ष में हमारा अपना ठिकाना होगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बीएएस की पहली इकाई के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन पृथ्वी से 400 किलोमीटर ऊपर परिक्रमा करेगा। बीएएस को स्वीकृत का निर्णय गगनयान कार्यक्रम के विस्तार का हिस्सा है। वहीं, गगनयान कार्यक्रम के लिए अतिरिक्त 11,170 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस कार्यक्रम का दायरा बढ़ने के साथ कुल निधि 20,193 करोड़ रुपये हो गई है। इस कार्यक्रम में बीएएस के सफलतापूर्वक निर्माण और संचालन के लिए आवश्यक तकनीकों का परीक्षण और प्रमाण देने के मिशन भी शामिल किए जाएंगे। यह विशाल संरचना एक रिसर्च सेंटर के रूप में कार्य करेगी, जहां भारतीय अंतरिक्ष यात्री और वैज्ञानिक सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण, खगोल विज्ञान और पृथ्वी अवलोकन से संबंधित प्रयोग कर सकते हैं। अंतरिक्ष यात्री 15-20 दिन तक इस स्टेशन में रह सकेंगे। संशोधित योजना में अब बीएएस के विकास और इसके लिए आवश्यक प्रारंभिक मिशन शामिल हैं।

देश दुनिया से

जल जैसा हो मन तो निरोगी होगा तन

जल स्वच्छता एवं निर्मलता का पर्याय। जल यदि निर्मल होता है तो उसमें व्यक्ति दर्पण की भांति अपनी तस्वीर देख सकता है। सोचिए, यदि मन भी इतना ही स्वच्छ एवं निर्मल हो तो क्या हो? व्यक्ति का मन यदि जल-सा शीतल एवं स्वच्छ बन जाए तो उसके अंदर से निर्दयता का लोप हो जाए। अनेक भयंकर बीमारियां व्यक्ति को अपना शिकार इसलिए बनाती हैं क्योंकि उसके मन पर कालिमा के ऐसे गहन धब्बे पड़ जाते हैं जो शरीर को दूषित कर उन्हें बीमारियों में परिवर्तित कर देते हैं। सुप्रसिद्ध लेखक जोस सिल्वा अपनी पुस्तक, 'यू द हीलर' में कहते हैं कि, 'मन मस्तिष्क को चलाता है और मस्तिष्क शरीर को। और इस तरह शरीर आदेश का पालन करता है।' जल यदि निरंतर प्रवाहित होता रहता है तो खेतों, नदियों, स्रोतों सभी को पोषित करता हुआ चलता है। वहीं जब जल एक जगह रुक जाता है तो कुछ समय बाद उसमें बदबू एवं गंदगी जमा हो जाती है। उस जल में अनेक कीड़े-मकोड़े अपना घर बना लेते हैं। इस तरह जल का अस्तित्व समाप्त हो जाता है, कुछ समय बाद वहां पर कीचड़ एवं गंदगी जमा हो जाती है। जो स्वच्छ नहीं है वह जल नहीं है। जब हमारे मन में किसी के प्रति ईर्ष्या, द्वेष या बदले की भावना के बीज अंकुरित होने लगते हैं तो ऐसे व्यक्तियों के प्रति हमारा मन ठहर जाता है। ऐसे में मन के कोने में गांठें बनने लगती हैं। यही गांठें उम्र और समय के साथ-साथ बड़ी और हानिकारक बन जाती हैं। जल जब ठहर जाता है तो वहां वह अपने स्वरूप में नहीं रहता। कुछ समय बाद वहां गंदगी और कीचड़ उत्पन्न हो जाती है। लेकिन मन, वह नहीं बदलता। अनेक गांठें एवं दुर्भावनाएं मन में इकट्ठी होती रहती हैं, लेकिन मन मन ही रहता है। हां, इतना अवश्य होता है कि उस मन की दुर्भावनाओं में एक दिन विस्फोट होता है और व्यक्ति या तो गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो जाता है अथवा इस दुनिया से ही चल बसता है। अगर हमें अपने मन को जल बनाना है तो उसमें निरंतर प्रवाहित होना होगा। मन में दुर्भावनाओं, लोभ और ईर्ष्या का जाल एकत्रित नहीं होने देना है। जब व्यक्ति इस सीख से जल की तरह प्रवाहित होना सीख जाता है तो वह इतिहास रच देता है। चार्लोट चोपिन 101 वर्ष की हैं। वे कहती हैं कि प्रारंभ में वह घर के कामों में व्यस्त रही। जब वे पचास वर्ष की हो गईं तो एक दिन वे पानी पीते हुए जल के बारे में सोचने लगीं। वे स्वयं से बोलीं, 'जल कितना स्वच्छ है। यह सदैव ऐसा ही रहता है। मेरा शरीर अब पहले जैसा नहीं रहा।' फिर अचानक उन्होंने अपने हृदय पर हाथ रखा। इसके बाद एकाएक जैसे उनमें स्फूर्ति का संचार हुआ। उन्होंने निश्चय कर लिया कि वे अपने मन को जल जैसा लचीला और शुद्ध बनाएंगी। इसके लिए उन्होंने योग करना प्रारंभ कर दिया। पहले तो लोगों ने उनका मज़ाक बनाया। अक्सर लोग उन्हें योग करते हुए देख कर कहते थे, 'बूढ़ी घोड़ी, लाल लगाम।' मगर चार्लोट अपने मन की सुनती रहीं। वे मन की धारा के अनुसार बहती रहीं। आखिर एक दिन ऐसा भी आया जब वे न केवल योग में पारंगत हो गईं, अपितु उन्होंने लोगों को योग का प्रशिक्षण भी देना आरंभ कर दिया। कुछ ही दिनों में उनकी ख्याति पूरे देश ही नहीं बल्कि विश्व में फैल गई। प्रधानमंत्री मोदी ने भी 'मन की बात' नामक कार्यक्रम में चार्लोट चोपिन की प्रशंसा की। वे फ्रेंच टीवी शो, 'फ्रांस गॉट इनक्रेडिबल टैलेंट' में भी नज़र आ चुकी हैं। आज योग की दुनिया में उनका अपना एक विशिष्ट स्थान है। चार्लोट कहती हैं कि यदि हर व्यक्ति अपने मन की आवाज़ सुन ले, मन को प्रवाहित करता रहे तो वह अनेक बीमारियों एवं मुसीबतों से बच सकता है। मियामोतो मुसाशी इतिहास के सबसे अधिक विख्यात रोनिन हैं। वे मानविकी और तलवार दोनों में ही निपुणता रखते थे। वे इसी अवधारणा पर बल देते थे कि, 'अपने मन को जल में बदलें।' उनका कहना था कि व्यक्ति का मन, भाव, विचार तथा कठिन परिस्थितियों के बीच प्रतिक्रिया देने का तरीका सब कुछ जल की तरह होना चाहिए। व्यक्ति को उस जल की तरह होना चाहिए जो दरारों के बीच भी अपनी जगह बना लेता है। इसलिए व्यक्ति को अड़ियल प्रवृत्ति का नहीं होना चाहिए। उसे हर वस्तु एवं व्यक्ति के प्रति अनुकूल बनना आना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति समस्याओं के पार जाने या आसपास से निकलने का मार्ग सरलता से खोज लेता है। यदि भीतर जड़ता नहीं होती तो बाहरी चीजें और रुकावटें स्वयं ही ओझल हो जाती हैं। जब व्यक्ति का मन जल जैसा हो जाता है तो वह चिंताग्रस्त नहीं होता। आकुलता-व्याकुलता उसे परेशान नहीं करती। वह शांत भाव से सब का सामना कर उनसे पार पा लेता है और अपनी मंजिल के बिंदु पर पहुंच जाता है। समायोजन ही सफलता का मूल तत्व है। इसलिए यदि व्यक्ति का मन जल की भांति हो जाता है तो वह उसे गतिहीन होने के बजाय, निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

सुप्रसिद्ध लेखक जोस सिल्वा अपनी पुस्तक, 'यू द हीलर' में कहते हैं कि, 'मन मस्तिष्क को चलाता है और मस्तिष्क शरीर को। और इस तरह शरीर आदेश का पालन करता है।' जल यदि निरंतर प्रवाहित होता रहता है तो खेतों, नदियों, स्रोतों सभी को पोषित करता हुआ चलता है। वहीं जब जल एक जगह रुक जाता है तो कुछ समय बाद उसमें बदबू एवं गंदगी जमा हो जाती है। उस जल में अनेक कीड़े-मकोड़े अपना घर बना लेते हैं। इस तरह जल का अस्तित्व समाप्त हो जाता है, कुछ समय बाद वहां पर कीचड़ एवं गंदगी जमा हो जाती है। जो स्वच्छ नहीं है वह जल नहीं है।

आप का नजरिया

बेअसर फटकार

एक बार फिर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण रोकने के लिये प्रभावी कदम न उठाने पर पंजाब व हरियाणा सरकार को फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि सरकारों ने पराली जलाने के दोषियों से नाममात्र का ही जुर्माना वसूला, जिसके चलते इसे जलाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। फलतः दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में निरंतर प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। साथ ही कोर्ट ने केंद्र सरकार के अधीन काम करने वाले वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को भी खरी-खोटी सुनायी है कि उसने पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिये उसके निर्देशों को लागू करने का ईमानदार प्रयास नहीं किया। दो सदस्यीय पीठ ने सख्त नाराजगी जतायी कि गत 29 अगस्त को दिल्ली में वायु प्रदूषण पर चर्चा के लिये बुलाई आयोग की बैठक में ग्यारह में से सिर्फ पांच सदस्य ही शामिल हुए। पराली जलाने की घटनाओं पर शिथिलता बरतने पर कोर्ट ने केंद्र सरकार व वायु गुणवत्ता आयोग को एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दायर करने को कहा है। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के लिये आगामी 16 अक्तूबर की तारीख तय की है। यह विडंबना ही है कि प्रदूषण के मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तो लगातार होती रही है लेकिन पराली व प्रदूषण बढ़ाने वाले अन्य कारकों पर रोक लगाने के लिये कोई ईमानदार प्रयास होते नजर नहीं आते। अदालत ने गत वर्ष भी कहा था कि पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिये सतत निगरानी की जानी चाहिए। इसके विपरीत दिल्ली सरकार, हरियाणा व पंजाब में पराली का मुद्दा राजनीति के रंग में रंगता रहा है। यही वजह है कि बीते साल की तरह ही इसी मौसम में फिर से प्रदूषण की समस्या विकट होती जा रही है। फिर ठंड का मौसम आते ही भौगोलिक कारणों से प्रदूषण विकराल रूप लेने लगता है। दिवाली पर तो पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है। निस्संदेह, यह तंत्र की काहिली का ही नतीजा है, जिसके चलते दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी का दर्जा हासिल कर लेती है। दरअसल, प्रदूषण के एक घटक पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि की वजह भी वोटों की राजनीति ही है। सरकारें पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती रही हैं। उन्हें अपने वोट बैंक के खिसकने की चिंता सताती रहती है। हाल ही में वायु गुणवत्ता आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि गत पंद्रह से पच्चीस सितंबर के मध्य पंजाब में पिछले साल इन दिनों के मुकाबले में दस गुना अधिक पराली जलाने की घटनाएं हुई हैं। वहीं बीते वर्ष इसी अवधि के मुकाबले इस वर्ष हरियाणा में पांच गुना अधिक पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गई। सवाल यह है कि हर साल सितंबर से नवंबर के बीच बढ़ने वाली पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश क्यों नहीं लगाया जा रहा है? बावजूद इसके कि शीर्ष अदालत बार-बार सख्त निगरानी की बात कहती रहती है।

रिजर्व बैंक की एमपीसी की समीक्षा बैठक शुरू, रेपो रेट यथावत रहने की संभावना

मुंबई, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक यहां सोमवार को शुरू हो गई। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में अयोजित यह बैठक 9 अक्टूबर को खत्म होगी। इस बैठक के फैसले की जानकारी गवर्नर शक्तिकांत बुधवार, 9 अक्टूबर को देंगे। हालांकि, इस बार भी नीतिगत ब्याज दर में बदलाव की संभावना नहीं है।

आर्थिक मामलों के जानकारों के मुताबिक रिजर्व बैंक इस बार भी नीतिगत दर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करेगा। जानकारों का कहना है कि एमपीसी इस बार भी इजरायाल-ईरान जंग की हालात और अमेरिकी फेडरल रिजर्व का अनुसरण नहीं करेगा, जिसने बेंचमार्क दरों में 0.5 फीसदी तक की कटौती की गई है। लेकिन, विशेषज्ञों का मानना है कि दिसंबर में होने वाली एमपीसी बैठक इसमें कुछ ढील की गुंजाइश है।

छह सदस्यीय एमपीसी नीतिगत दर पर करेगी फैसला

केंद्र सरकार ने एक अक्टूबर को मौद्रिक नीति समिति में राम सिंह, सौगत भट्टाचार्य और नागेश कुमार सहित तीन नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति की है। रिजर्व बैंक के एमपीसी में 6 सदस्य होते हैं, जिनमें केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास सहित तीन सदस्य हैं, जिनमें डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजीव रंज शामिल हैं।

क्या होता है नीतिगत दर यानी रेपो रेट

रेपो रेट वह दर है जिस पर रिजर्व बैंक किसी भी तरह की कमी की स्थिति में वाणिज्यिक बैंकों को पैसे उधार देता है। आरबीआई रेपो दर का उपयोग मौद्रिक प्राधिकरण मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए करते हैं। इससे पहले अगस्त में हुई एमपीसी की बैठक में आरबीआई ने लगातार 9वीं बार नीतिगत दर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया था। रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2023 से रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर यथावत रखा है।

न्यूज़ ब्रीफ

पूजा के दौरान छह दिनों तक हिली बंदरगाह के जरिए भारत-बांग्लादेश के बीच बंद रहेगा वाणिज्यिक आदान-प्रदान

दिनाजपुर। दिनाजपुर जिले के हकीमपुर महकमे में स्थित भारत-बांग्लादेश सीमा के हिली बंदरगाह पर पूजा के दौरान छह दिनों तक व्यापर बंद रहेगा। बांग्लादेश और भारत के बीच व्यापार की दृष्टि से महत्वपूर्ण हिली बंदरगाह प्राधिकरण ने दुर्गा पूजा के अवसर पर सोमवार को एक अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना में कहा गया है कि इस बंदरगाह पर अगले छह दिनों के लिए सभी प्रकार के आयात-निर्यात बंद रहेंगे। व्यापार न होने पर भी इस समय प्रवास संबंधी गतिविधियां जारी रहेंगी। जारी अधिसूचना के मुताबिक यह पोर्ट नौ अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक बंद रहेगा। हिली एक्सपोर्टर्स एंड कस्टम्स क्लियरिंग एजेंट्स एसोसिएशन ने बंद की पुष्टि की है। हिली बंदरगाह मुख्य रूप से भारत से बांग्लादेश को कच्ची मिर्च, प्याज, दालें और मसाले निर्यात करता है। दूसरी तरफ, राईस ब्रैन आयल और गुड़ बांग्लादेश से भारत में आयात किया जाता है। हाल ही में बांग्लादेश में राजनीतिक बदलाव के कारण बंदरगाह काफी समय के लिए बंद कर दिया गया था। परिस्थिति सुधरने के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार नए सिरे से शुरू की गई है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की कीमत घटी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सोने की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण देश के अधिकांश सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,810 रुपये से लेकर 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,340 रुपये से लेकर 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह चांदी की कीमत में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

कच्चा तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। इजरायल-ईरान जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.27 डॉलर यानी 0.36 फीसदी की गिरावट के साथ 77.77 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.18 डॉलर यानी 0.24 फीसदी फिसल कर 74.20 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में पेट्रोल का भाव 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

देश में हर...

फोर्स के आने तक हमलावर भीड़ ने पुलिस के 10 वाहनों को तोड़ डाला। बाद में पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर किया। इस मामले में पुलिस ने 1200 उपद्रवियों पर केस दर्ज किया गया है। कुछ हमलावरों को भी चिन्हित किया गया है। इन सभी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 299, 302 और 197 के तहत कार्रवाई की गई है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों से हमलावरों की पहचान की जा रही है। अब तक 26 हमलावरों को चिन्हित कर लिया गया है। इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लागू कर दी गई है। इसके तहत 5 या उससे अधिक लोगों के जुटने पर रोक लगा दी गई है।

मजहबी उन्माद की लम्बी श्रृंखला की चपेट में उत्तराखंड का हरिद्वार भी आया। यति नरसिंहानंद पर कार्रवाई की मांग करने वाली भीड़ ने भगवा वस्त्र के पुतला बना कर उसे जलाना शुरू कर दिया। इस दौरान कट्टर धार्मिक नारेबाजी होती रही। मुस्लिम भीड़ ने चौराहे पर भी जुटकर नारेबाजी की। इस नारेबाजी का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ। वीडियो में दिख रहा है कि मुस्लिम भीड़ भड़काऊ धार्मिक नारे के साथ-साथ सिर तन से जुदा करने के नारे भी लगा रही है। यह नारेबाजी पुलिस के सामने ही की गई है। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिसकर्मी भीड़ की ओर से लौट रहे हैं।इसी अंध-धार्मिकता की आड़ में हो रहे सिलसिलेवार उपद्रवों की लिस्ट में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले का नाम भी जुड़ गया है। यहां के कोतवाली देहात क्षेत्र में शेखपुर कदीम पुलिस चौकी पर 6 अक्टूबर को मुस्लिम भीड़ यति नरसिंहानंद के खिलाफ ज्ञापन देने पहुंची। पुलिस इस ज्ञापन पर कार्रवाई कर ही रही थी कि अचानक भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने हिंसा करनी शुरू कर दी। भीड़ द्वारा नारेबाजी की गई और पुलिस चौकी पर उपद्रव का प्रयास हुआ। भीड़ की इस हिंसा का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पुलिस ने फौरन ही बल प्रयोग कर के हिंसक हो चुकी भीड़ को तितर-बितर किया। सहारनपुर जिले के पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि केस दर्ज कर के जरूरी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कुछ हमलावरों को चिन्हित भी कर लिया गया है जिनकी तलाश में दबिश दी जा रही है। फिलहाल मौके पर हालात सामान्य बताए जा रहे हैं।

उधर, गाजियाबाद में डासना मंदिर पर उन्मादी भीड़ के हमले के बाद आसपास के लोगों में आक्रोश पनप रहा है। शनिवार 5 अक्टूबर को लोनी के भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर मंदिर पहुंचे। उन्होंने हमलावरों का एनकाउंटर करने की मांग की। नंद किशोर के मुताबिक, नरसिंहानंद का बयान दुनिया भर में हो रहे हिंदुओं के साथ इस्लामी अत्याचारों की वजह से आया है। मंदिर घेरने को उन्होंने सनातन और हिंदुओं की आस्था पर हमला बताया। विधायक का दावा है कि हमले में अधिकतर लोग बाहरी थे। नंदकिशोर ने कहा, यहां का मुसलमान तो भगवान राम को मानने वाला है। ये बेचारे को बलात्कार से बचने के लिए मुस्लिम बन गए हैं।

भारत ने ...

कोविड के समय वैक्सीन देने की बात हो, भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी होने के दायित्व को निभाया है। पीएम मोदी ने कहा, हमने रक्षा और सुरक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। एकता हार्बर प्रोजक्ट पर काम तेजी से चल रहा है. हम मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्सेस की ट्रेनिंग और कैपिसिटी बिल्डिंग में अपना सहयोग जारी रखेंगे। हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि के लिए हम मिलकर काम करेंगे। जल विज्ञान और आपदा प्रतिक्रिया में भी सहयोग बढ़ाया जाएगा।

मालदीव के राष्ट्रपति मुहम्मद मुइज्जू ने कहा, हमारे नए व्यापक विजन दस्तावेज में विकास, समुद्री सुरक्षा, व्यापार भागीदारी, ऊर्जा परियोजनाएं, स्वास्थ्य आदि शामिल हैं। मैं प्रधानमंत्री मोदी को मालदीव आने का निमंत्रण देना चाहूंगा। मैं प्रधानमंत्री मोदी और सरकार को मालदीव को सहायता प्रदान करने के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा, विशेष रूप से हाल ही में दी गई बजटीय सहायता के लिए। भारत जरूरत के समय मालदीव के साथ खड़ा रहा है, इसके लिए हम आभारी हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और मालदीव के बीच कई अहम समझौते हुए हैं। 3 हजार करोड़ रुपए का करेंसी स्वैप का भी महत्वपूर्ण समझौता हुआ है।

कुछ वक्त पहले तक भारत से अकड़ दिखा रहे मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के तेवर बदल गए हैं। भारत के दौर पर आए मुइज्जू अकड़ छोड़कर झुके तो भारत ने भी उन्हें तमाम रिटर्न गिफ्ट से नवाज दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुए द्विपक्षीय समझौतों में मालदीव को कई तोहफे मिले हैं। इसमें 3 हजार करोड़ रुपए का करेंसी स्वैप समझौता, भारत से सहयोग से निर्मित 700 से अधिक सामाजिक आवास इकाइयां और रुपे कार्ड जैसी कई अहम चीजें शामिल हैं।संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत हमेशा मालदीव का फर्स्ट रिस्पांडर रहा है। उन्होंने कहा कि हमने मालदीव में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर बात की है। हमने डिजिटल कनेक्टिविटी पर भी बात की है। पीएम मोदी ने कहाकि भारत ने हमेशा पड़ोसी होने के दायित्व को निभाया है। भारत ने उसके सहयोग से निर्मित 700 से अधिक सामाजिक आवास इकाइयां मालदीव को सौंपी हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव में हनीमाधू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। वहीं, मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत का आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारत-मालदीव के संबंध काफी पुराने हैं। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर भारतीय टूरिस्ट के रूप में मालदीव आते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में इसमें और इजाफा होगा। भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के बीच बातचीत के बाद मालदीव में रुपे कार्ड पेश किया। साथ ही ब्लू इकॉनमी में साथ मिलकर काम करने की बात कही।

गौरतलब है कि मालदीव के राष्ट्रपति एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर आए हैं। वह रविवार अपराह्न दिल्ली पहुंचे। इस साल की शुरुआत में पदभार संभालने के बाद से यह उनकी पहली द्विपक्षीय भारत यात्रा है। वह जून में मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत आए थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और मोदी दोनों ही राष्ट्रपति भवन में मुइज्जू का स्वागत करने के लिए मौजूद थे। मालदीव के राष्ट्रपति बाद में महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करने राजघाट गए।

नीतीश सरकार...

इस दौरान ही यह सारी डील हुई, ताकि सरकार फ्लोर टेस्ट में पिछड़ जाए।

बिहार में 28 जनवरी से 12 फरवरी के बीच महागठबंधन कुछ इस तरह का खेल कर रहा है, यह उस समय भी सामने आया था। तब यह आरोप-प्रत्यारोप जैसा था। यह घटनाक्रम फ्लोर टेस्ट के दिन तक चला, जिसमें राजद को अपने विधायक भी सहेजकर रखने पड़े थे। उस दौरान जदयू-भाजपा के कुछ विधायकों को फ्लोर टेस्ट तक बाहर ही रोकने का कई उपक्रम चला था। उस उपक्रम में कुछ विधायक खुद ही अपना चेहरा भी दिखा बैठे। ईओयू की जांच के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय जब जांच कर पूरी रिपोर्ट सामने लाएगा तो यह भी खुलासा होगा कि खुद को फ्लोर टेस्ट में पहुंचने या देर से पहुंचने के लिए किसने और क्या प्लान रखा था। उस दिन कई विधायक बिल्कुल अंतिम समय में तब पहुंचे, जब उन्हें महागठबंधन के ही दांव के उलट जाने की जानकारी मिली। राष्ट्रीय जनता दल की इसमें अहम भूमिका बताई जा रही है, क्योंकि उप मुख्यमंत्री से देखते-देखते विपक्ष के नेता बने तेजस्वी यादव बार-बार खेला होने की बात कह रहे थे। राजद का यह खेला उलट गया, क्योंकि उसके खेमे से ही तीन विधायक फ्लोर टेस्ट के दौरान एनडीए के खेमे में जा बैठे। नीतीश कुमार सरकार बहुमत परीक्षण में पास हो गई। नीतीश सरकार के पास 128 विधायक थे और बहुमत परीक्षण में इनकी संख्या 130 हो गई।आठ महीने बाद जब बिहार की आर्थिक अपराध इकाई की जांच रिपोर्ट में यह बात खुलकर सामने आ गई है कि हवाला डील के जरिए नीतीश कुमार सरकार को गिराने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधायकों की खरीद-फरोख्त हो रही थी तो विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को उस दिन लगी एक बड़ी चोट का घाव फिर हरा हुआ नजर आता है। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव खुद मोर्चा संभालकर बैठै थे कि नीतीश कुमार फ्लोर टेस्ट में फेल कर जाएं। पैसों की लेनदेन महागठबंधन की ओर से कौन कर रहे थे, यह नाम सामने आना बाकी है। लेकिन, ईओयू की पड़ताल के बाद यह तो साफ हो गया है कि जिस खेला की बात तेजस्वी यादव कर रहे थे, वह उन्हीं पर भारी पड़ गया।बिहार में जब 28 जनवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2020 के विधानसभा चुनाव में मिले जनादेश का हवाला देते हुए एनडीए में वापसी की थी, उस समय से लेकर 12 फरवरी को बिहार विधानसभा में बहुमत परीक्षण के बीच में महागठबंधन के नेता हर स्तर पर तैयारी कर रहे थे। राष्ट्रीय जनता दल की तैयारी जदयू के विधायकों को अपने साथ लाने की थी, जबकि कांग्रेस ने जीतन राम मांझी की हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) को खुला ऑफर दे रखा था। मांझी के बेटे को डिप्टी सीएम बनाने तक की बात थी। मांझी ने बाद में कहा भी था कि वह फ्लोर टेस्ट के अंपायर की भूमिका निभा रहे थे।

ऐसा नहीं कि राजद सफल नहीं रहा, लेकिन वह संख्या में खेल नहीं कर सका। जदयू के एक ही विधायक मतदान के दौरान सदन में मौजूद नहीं रहे। जबकि, राजद के तीन विधायकों ने नीतीश कुमार सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले ही एनडीए के खेमे में बैठकर तेजस्वी यादव की सारी योजना बर्बाद कर दी। 12 फरवरी को बिहार विधानसभा में नीतीश कुमार सरकार के बहुमत परीक्षण के दौरान क्रॉस वोटिंग की आशंका तेजस्वी यादव को भी थी। यही कारण है कि बाहुबली आनंद मोहन के बेटे चेतन आनंद को तेजस्वी ने एक दिन पहले बुलाया और रातभर अपने साथ रखकर क्रिकेट खेलाया। चेतन आनंद को लेकर डर इसलिए था, क्योंकि नीतीश कुमार सरकार ने आनंद मोहन की रिहाई के लिए बोलकर और खुलकर प्रयास किए थे। आनंद मोहन को मिली राहत के बाद चेतन आनंद को कुछ चुकाना ही था। यही हुआ फ्लोर टेस्ट में। इधर जेल में बंद अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी ने राजद का साथ छोड़ सत्ता का साथ दिया। फ्लोर टेस्ट में ऐसा हो सकता है, यह सबसे पहले मफ ने वीडियो प्रमाण के साथ 28 जनवरी को ही दिखा दिया था। राजद की सरकार गिरने पर अनंत सिंह के घर पर खूब आतिशबाजी हुई थी। सरकार बदलने के कुछ महीनों बाद अब अनंत सिंह न केवल बाहर हैं, बल्कि सीएम नीतीश कुमार से उनकी भेंट भी हो चुकी है। तीसरे थे प्रह्लाद यादव, जो राजद के पांच बार विधायक रहने के बाद अचानक सरकार के साथ हो लिए थे।राजद की नरमी कहें, लाचारी या लापरवाही यह तीनों विधायक अब भी माननीय हैं, जबकि फ्लोर टेस्ट में पार्टी लाइन से अलग हटकर सामने के खेमे में जाने पर विधायकी जाना तय होता है। फ्लोर टेस्ट के बाद भी महागठबंधन से कई विधायकों का मोहभंग हुआ, बताया जाता है कि इसी कारण राजद ने अपने इन तीन विधायकों पर अबतक कार्रवाई नहीं की है। इधर इन तीनों को सरकार का भी फायदा मिल रहा है और उधर राजद भी संवैधानिक तौर पर उन्हें अपना मानकर चल रहा है शायद किसी इंतजार में। तेजस्वी यादव ने फ्लोर टेस्ट में उनके पलटने को नियम विरूद्ध कहा था, लेकिन इनकी विधायकी छीनने के लिए जमीनी प्रयास आठ महीने में नहीं किया।नीतीश कुमार सरकार के बहुमत परीक्षण से पहले ही इन्होंने तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी को हटाने के प्रस्ताव पर सरकार का साथ दिया था। सरकार के लिए जब फ्लोर टेस्ट हुआ था तो सत्ता पक्ष के समर्थन में 129 वोट पर पड़े थे, जबकि राजद समेत महागठबंधन ने हार मानते हुए वाकआउट का रास्ता अख्तियार कर लिया था। फ्लोर टेस्ट के पहले नीतीश कुमार सरकार के पास 128 विधायकों की ताकत थी। राजद के इन तीन विधायकों ने सत्ता पक्ष के लिए मतदान किया, जबकि जदयू विधायक दिलीप राय मतदान से गैर-हाजिर रहे। सदन चला रहे उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया था।

एक्जेक्यूटिव न...

पवित्रता के खिलाफ है। यह पहलू अब लोगों का ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह महत्वपूर्ण पहलू आपके (कर्ण सिंह) स्तर पर गहन विचार का आह्वान करता है।

उन्होंने कहा कि बौद्धिक समुदाय और अकादमिक जगत जैसा प्रभावशाली वर्ग लोकतंत्र का सबसे शक्तिशाली हथियार है। लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक है कि वे स्वस्थ और ज्ञानवर्धक राष्ट्रीय संवाद को उत्प्रेरित करें ताकि संविधान की आत्मा के प्रति सम्मान सुनिश्चित किया जा सके।

इससे लोकतंत्र के विकास और संविधान की भावना और आत्मा के पोषण में संपूर्ण योगदान होगा। उपराष्ट्रपति ने कहा, भारत के प्रति भीतर और बाहर के विद्वेषी शक्तियों का समागम गहरी चिंता का विषय है। इसी प्रकार देशद्रोही नारे भी हैं। ऐसे में इन विषाक्त शक्तियों को निष्प्रभावी करने और राष्ट्रीय मनोबल को उठाने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, डॉ. कर्ण सिंह ने सात दशकों में राष्ट्र के उत्थान को देखा है और इस दिशा में कई तरीकों से योगदान दिया है। वर्तमान में देश एक अभूतपूर्व आर्थिक उभार में है और विकास की ओर अग्रसर है, जो 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए अच्छी स्थिति में है।

बेदाग और...

7 अक्टूबर 2001 से 2014 तक, नरेंद्र मोदी लगातार चुनाव जीतकर गुजरात के मुख्यमंत्री बनते रहे। 2014 में लोकसभा का चुनाव जीतने के बाद उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री का पद छोड़कर देश के प्रधानमंत्री की बागडोर संभाली।

बहुत कम लोग जानते हैं कि नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री कैसे बने और उनकी इस यात्रा के पीछे की कहानी क्या थी। साल 2001 तक नरेंद्र मोदी सार्वजनिक सेवा के क्षेत्र में तीन दशक बिता चुके थे। आरएसएस के एक साधारण प्रचारक से लेकर भाजपा के एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने अपने नेतृत्व के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में अपनी पहचान बना ली थी, लेकिन तब भी बहुत कम लोग जानते थे कि 1965 में कांकरिया वार्ड सचिव के रूप में जनसंघ से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करने वाले मोदी अब एक ऐतिहासिक छलांग लगाने वाले थे। वो अब 51 साल के भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव थे। पार्टी के सदस्यों के बीच नमो के नाम से पुकारे जाने वाले मोदी ने वर्षों तक भाजपा को गुजरात में एक मजबूत पार्टी के रूप में स्थापित करने के लिए मेहनत की। उस समय, गुजरात में कांग्रेस का दबदबा था और भाजपा की उपस्थिति बहुत कमजोर थी। 1984 में, गुजरात से भाजपा के केवल एक सांसद थे।

मोदी की दूरदर्शिता, रणनीतिक योजना और कड़ी मेहनत ने भाजपा को गुजरात में एक नई ऊंचाई तक पहुंचाया। उनके नेतृत्व में, भाजपा ने न केवल कांग्रेस के प्रभाव वाले क्षेत्रों में जगह बनाई, बल्कि राज्य के राजनीतिक परिदृश्य को भी पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने संगठनात्मक मजबूती के साथ पार्टी को उन क्षेत्रों में पैर जमाने में मदद की, जहां भाजपा का पहले कोई खास प्रभाव नहीं था। 1985 में जब आरएसएस ने नरेंद्र मोदी को भाजपा के साथ काम करने का निर्देश दिया, तब उनके राजनीतिक कौशल और दूरदर्शिता ने भाजपा को कांग्रेस के खिलाफ एक गंभीर चुनौती देने वाली पार्टी के रूप में उभरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

बाद में पार्टी नेतृत्व ने नरेंद्र मोदी को राज्य का मुख्यमंत्री नियुक्त किया, और 7 अक्टूबर 2001 को उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात ने विकास के नए आयाम देखे, और उनकी यही नेतृत्व क्षमता बाद में उन्हें देश का प्रधानमंत्री बनने तक लेकर गई। इस तरह, 23 साल पहले की ये घटना एक मील का पत्थर साबित हुई थी, जिसने भारत की राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभावशाली नेतृत्व को स्थापित किया। भाजपा के कार्यकर्ताओं से लेकर तमाम दिग्गज नेता और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे प्रतिष्ठित व्यक्ति भी इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्हें बधाई दे रहे हैं।जनसेवा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी के 23 साल पूरा होने पर गुजरात से केंद्र तक राजनीतिक यात्रा में निरंतर उनके साथी रहे गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी की लंबी यात्रा इस बात का प्रतीक है कि कैसे एक व्यक्ति अपना पूरा जीवन राष्ट्रहित और लोगों के कल्याण के लिए समर्पित कर सकता है। ये लंबी यात्रा उन लोगों के लिए जीवंत प्रेरणा है, जो जनसेवा में लगे हैं. शाह ने कहा कि ये उनके लिए सौभाग्य की बात है कि वो मोदी की इस यात्रा के साक्षी रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में बिना थके, बिना रुके, बिना डिगे आपकी 23 वर्षों की लोक साधना में आस्था, अस्मिता, आधुनिकता, अंत्योदय और अर्थव्यवस्था को संरक्षण और संवर्धन मिलने के साथ ही हर स्तर पर वंचित को वरीयता हासिल हुई है। प्रधानमंत्री की प्रत्येक नीति और हर योजना ने वंचितों और गरीबों के समग्र उत्थान को नए आयाम प्रदान किए हैं। वे सच्चे अर्थों में आधुनिक भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के वास्तुकार हैं। उनका जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में नया भारत आज वैश्विक महाशक्ति बनने के मार्ग पर सतत अग्रसर है।

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 23 साल की इस समयावधि के दौरान मुख्यमंत्री के रूप में उनके दृष्टिकोण और प्रधानमंत्री के रूप में जन कल्याणकारी निर्णयों से करोड़ों देशवासियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। आपके सशक्त नेतृत्व में हमने न केवल आर्थिक विकास के नए आयाम देखे हैं अपितु सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में राष्ट्र ने नए सोपान गढ़े हैं। मुझे विश्वास है कि आपके दिखाए मार्ग पर चलते हुए हमारा देश विकसित राष्ट्र की संकल्पना को अवश्य साकार करेगा।

नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक पद पर 23 साल पूरे होने पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मोदी जी ने हमारे सामने मूल्य आधारित राजनीति का उदाहरण पेश किया है। मुझे लगता है कि सभी नेत-ाओं को, चाहे वे किसी भी पार्टी के हों, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से ये सीखना चाहिए कि कैसे उन्होंने इन सभी वर्षों में मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में स्वच्छ छवि के साथ काम किया।

देश में एआई ...

लोग भी इसके शिकार बन जाते हैं। पारंपरिक सुरक्षा उपाय इसके आगे टिक नहीं पाते हैं। स्टार हेल्थ एंड अलाइड इंश्योरेंस पॉलिसी होल्डर्स की निजी जानकारियां लीक होना इस खतरनाक रवैये का हालिया उदाहरण है। इसने टेलीग्राम चैटबॉट्स पर ग्राहकों की संवेदनशील स्वास्थ्य जानकारी सार्वजनिक कर डाली। उनका कहना है कि स्टार हेल्थ की यह चोरी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में मौजूद कमजोरियों को बताती हैं। अब ऐसे एआई वाले साइबर हमलों के लिए उन्नत साइबर सुरक्षा उपायों की तत्काल जरूरत का वक्त आ पहुंचा है।

साइबर अपराधों से लोगों और संगठनों को अच्छा खासा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। फिशिंग, रैनसमवेयर और ऑनलाइन धोखाधड़ी की वाकए आम हो चले हैं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के अनुसार, जनवरी और अप्रैल 2024 के बीच भारतीयों ने धोखेबाजों की वजह से लगभग 1,750 करोड़ रुपए खो दिए। डिजिटल दौर में निजी डाटा और पहचान की चोरी बढ़ रही है। हाल ही में देश के सर्वोच्च न्यायालय के यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर रणवीर अल्लाहबादिया (बीयर बाइसेप्स) को हैक कर लिया गया। एक सीईओ डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले का शिकार होने से 7 करोड़ रुपए गंवाने पड़े।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor, APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19), Near Bus Stand, Ranigunj, Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 08 अक्टूबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एक शाम माताजी के नाम जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी समाज कोरेमुला बडेर नवयुग यूथ एसोसिएशन के तत्वावधान में प्रथम विशाल जागरण व महाप्रसादी का आयोजन भव्य रूप से आयोजित किया गया। जगदीश सीरवी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए कमल किशोर सीरवी, धनराज सीरवी ने बताया कि हर वर्ष की भांति प्रथम विशाल जागरण व महाप्रसादी का आयोजन भक्तों के सानिध्य में किया गया। कोरेमुला बडेर में माताजी का भव्य पंडाल सजाकर पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलित कर जागरणका शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में भजन गायक अनिता जांगिड़ व भंवर सीरवी ने देर रात तक भजनों के पुष्प अर्पित किए। सभी समाज बन्धुओं व भक्तों ने नाचते-गाते लाभ लिया। कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों, विभिन संस्थाओं के पदाधिकारियों का व मुख्य अतिथि संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार का आयोजकों द्वारा विशेष सम्मान किया गया। पधारे भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में नवयुग यूथ एसोसिएशन के समस्त कार्यकारणी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम की विशेष कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी ने किया। कार्यक्रम में युटुब चैनल आईजी साउंड पी. एम.एल. सीरवी द्वारा किया ।महाआरती के पश्चात कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

अन्नदानम के साथ हुआ मैत्री लेडीज क्लब का उद्घाटन

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मैत्री लेडीज क्लब का उद्घाटन मुसारामबाग मे स्थित होम फार ब्लाइंड में अन्नदान द्वारा शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम मे बबीता मित्तल, दीपाली अग्रवाल, नीशा अग्रवाल व चंदा अग्रवाल ने सेवा का लाभ उठाया तथा कई मैत्रेय सदस्याओं ने धनराशि द्वारा सेवा प्रदान की।

मैत्रेय क्लब फाउंडर व अध्यक्षा बबीता मित्तल ने क्लब के बारे मे विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि इस क्लब का उद्देश्य सभी महिलाओ को मैत्रीपूर्ण ढंग से आपस मे जोड़कर आत्मनिर्भर व उनकी भूमिका को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। आगे की जानकारी देते हुए संयोजिक निशा अग्रवाल ने बताया कि इस क्लब मे मनोरंजन हेतु विभिन्न त्योहारो व उत्सव पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संयोजिका दीपाली अग्रवाल व दीपा अग्रवाल ने सभी महिलाओ से अनुरोध किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या मे इस क्लब से जुड़कर अपना सहयोग प्रदान करें और हमें सफल बनाएं।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम हैदराबाद का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ के एकादशम आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या शासन श्री साध्वीश्री शिवमाला जी आदि ठाणा-4 के पावन सानिध्य में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम हैदराबाद का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को तेरापंथ भवन डीवी कॉलोनी में आयोजित किया गया।

शासन श्री साध्वीश्री शिवमाला जी के सानिध्य में आयोजित इस समारोह में साध्वीश्री जी ने प्रेरणा पाथेय प्रदान करते हुए फ़रमाया की आज टीपीएफ की नई टीम का शपथ ग्रहण हुआ है।

सभी संघ के प्रति सेवा भावना रखें एवं टीपीएफ के आयामों पर निष्ठापूर्वक संकल्प के साथ कार्य करें। सबको मिलकर एकता के साथ कार्य करना चाहिए। नई टीम के लिए अध्यात्मिक मंगलकामनाएं प्रदान करते हुए उन्होंने धर्मसंघ की महत्वता बताते हुए उसके अनुसरण करने का संदेश प्रदान किया।

साध्वी श्री अमितरेखा जी ने टीपीएफ की नव नियोजित टीम को बधाई एवम भूतपूर्व टीम की तरह ही सफलतम बनने का आशीर्वचन प्रदान किया। शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत टीपीएफ फेमिना सदस्यों द्वारा यह संघ हमारा गीत के सुमधुर मंगलाचरण से हुई।

तत्पश्चात निवर्तमान अध्यक्ष पंकज संचेती ने अपने कार्यकाल के कार्यकर्मो एवं उपलब्धियों के बारे मे विस्तार से बताया और सभी को सहयोग प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने नव मनोनीत अध्यक्ष विरेंद्र घोषल को शपथ दिलाई एवं सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। तत्पश्चात अध्यक्ष विरेंद्र घोषल ने अपनी टीम के पदाधकारियों व कार्यसमिति सदस्यों को शपथ दिलाई।

जिसमे निवर्तमान अध्यक्ष पंकज संचेती, उपाध्यक्ष सुनील पगारिया, राजेंद्र पारख, अणुव्रत सुराना, मंत्री निखिल कोटेचा, कोषाध्यक्ष अर्हम बेंगानी, सहमंत्री अनुष बंबोली, वर्षा जैन व शिखा सुराना को नियुक्त किया गया। सलाहकार नवीन सुराना, ऋषभ दुगड़, दीपक संचेती, मोहित बैद, नरेश कठोतिया एवं रक्षिता बोहरा को बनाया गया।

इस अवसर पर तेरापंथ सभा सिकंदराबाद के मंत्री हेमंत संचेती, महिला मंडल अध्यक्षा कविता आच्छा, तेयुप पूर्व अध्यक्ष प्रवीण श्यामसुखा, अणुव्रत समिति अध्यक्ष प्रकाश भंडारी, ज्ञानशाला परिवार से अंजु बैद ने नवगठित टीम को शुभकामनाएं दी। इस समारोह में टीपीफ राष्ट्रीय टीम से कोषाध्यक्ष नरेश कठोतिया, आर्गेनाइजेशन डेवलपमेंट चेयरमैन ऋषभ दुगड, इंटेलेक्चुअल सर्विसेज प्रोजेक्ट चेयरमैन दीपक संचेती, राष्ट्रीय फेमिना कन्वेनर रक्षिता बोहरा की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष अणुव्रत सुराणा ने किया। कार्यक्रम के अंत में मंत्री निखिल कोटेचा ने सभी का आभार ज्ञापित किया। शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात प्रथम कार्यसमिति मीटिंग भी आयोजित की गई।

अत्तापुर में तुलजा भवानी का जागरण आयोजित

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अत्तापुर में पांडुरंगा नगर उत्सव समिति के तत्वावधान में माता तुलजा भवानी का विशाल जागरण आयोजित किया गया। जागरण में कार्यकर्ताओं ने मां तुलजा भवानी की सुंदर प्रतिमा स्थापित कर प्यारा सा दरबार लगाया। इस अवसर पर गायक कलाकार चेतन दायमा ने चलो बुलावा आया है, मैया का चोला है रंगला, तूने मुझे बुलाया, प्यारा सजा तेरा द्वार भवानी जैसे लोकप्रिय भजन सुना कर श्रोताओं को देर रात्रि तक बांधे रखा। मौके पर अतिथि अत्तापुर सब इंस्पेक्टर श्रीनिवास, राजेंद्र नगर प्रेस एसोसिएशन के प्रेसिडेंट बालू सुब्रमण्यम, पवन भारती, श्रीकांत, भाजपा कन्वीनर एन.मल्ला रेड्डी , मैलारदेवपल्ली पार्षद टॉकला श्रीनिवास, उत्सव समिति के फाउंडर स्वर्गीय सरदार बच्चन सिंह के पुत्र एवं सिख छावनी गुरुद्वारा कमेटी के प्रेसिडेंट सरदार चेतन सिंह भी दरबार में शरीक हुए।

इसके अलावा राहुल, जनार्दन, मुकेश, संजीव कुमार, सोमनाथ, अंबेकेश्वर स्वामी, दिगंबर, मुकेश, वेंकट पावर, सतीश, पवन सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने अतिथियों एवं श्रोताओं का आदर सत्कार किया।

बिहार सहयोग समिति के तत्वावधान में दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना और बिहार महिला एसोसिएशन द्वारा हर साल कि तरह इस साल भी 42वां दुर्गा पूजा नवरात्रि महोत्सव का आयोजन बिनय कुमार यादव की अध्यक्षता में दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरु नगर मल्काजगिरी में किया गया। महासचिव सागर भगत द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सुशील ओझा पंडित जी के द्वारा हर रोज शाम को पूजा और आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया जा रहा है। इस मौके पर शनिवार को महिला एसोसिएशन के तत्वावधान में बच्चों ने तरह के तरह डांस प्रस्तुत कर सभी भक्तों को झूमा दिया। इस मौके पर बिहार महिला एसोसिएशन के सेंट्रल कमेटी के माधवी यादव और रिना देवी, अध्यक्ष अनिता भगत, उपाध्यक्ष संगीता ठाकुर, सचिव प्रिती यादव, रबिता भगत, ममता यादव, गुड़िया यादव, रेनू देवी, पूनम यादव, दिव्या गुप्ता, मिना भगत, रिंकीं देवी, मिडिया इंचार्ज सोनाली यादव एवं पूरी कमेटी ने सभी बच्चों को पुरस्कार प्रदान किया और इस मौके भारी मात्रा में महिलाओं ने भाग लिया।

प्रथम पुण्यतिथि पर
भावपूर्ण हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती तारा देवी बाकलीवाल (जैन)
(धर्मपत्नी : स्व. श्री आनंदीलालजी बाकलीवाल)
स्वर्गवास : दि.8-10-2023

प्रेरणामय जीवन आपका सदा, याद आता रहेगा।
श्रद्धामय आदर्श हमें सदा, मार्गदर्शन देता रहेगा ।।
भूल कर भी, भुला ना पायेंगे हम आपको।
पावन चरणों में अर्पित है श्रद्धा सुमन आपको ।।

श्रद्धावनत : अशोक-सुनीता, अजय, मनोज-अलका, अरविंद-सीमा (पुत्र-पुत्रवधू)
रजत (पौत्र), अनमोल, राशी (पौत्री), सीमा (पुत्री), शिखा (दोइती),
मोनिका-रोबिन जी (सूरत), निशा-अतुल जी (कोलकाता),
अंजुला-हर्ष जी(कोलकाता)(पौत्री-दामाद), मोक्ष, कौस्तव, सिया (पड़ दोयता-पड़ दोईती)

फ़र्म : आनंदीलाल अशोककुमार बाकलीवाल (जैन)
ज्ञानबाग कॉलोनी, हैदराबाद फ़ोन : 9581333001

मंदिर को कब्ज़ा मुक्त कराने पर सहायक कमिश्नर का स्वागत

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सर्व ब्राह्मण परिषद द्वारा भगवान परशुराम मंदिर, बेगम बाजार को कब्जा मुक्त कराने पर सोमवार को एंडोमेंट असिस्टेंट कमिश्नर ए. बालाजी और उनके सहयोगियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण परिषद ने असिस्टेंट कमिश्नर बालाजी से निवेदन किया कि मंदिर के पुनर्निर्माण में शीघ्रता की जाए और भव्य मंदिर बनाने में सहयोग करें। परिषद ने उम्मीद जताई कि जल्द ही एक भव्य मंदिर का निर्माण होगा। इस कार्यक्रम में रामदेव नागला, विशाल शर्मा, श्रीवल्लभ उपाध्याय, रितेश शर्मा, दुर्गा शर्मा, अवधेश शर्मा, संदेश उपाध्याय, रितेश शर्मा, धनंजय मंसबदार आदि उपस्थित थे।

बाबा गंगाराम भजन संध्या एवं माता गायत्री झूलनोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी एवं परम आराधिका शक्ति स्वरूपा देवी गायत्री जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रविवार, 6 अक्तूबर को प्रमिला अग्रवाल के अमीरपेट स्थित निवास स्थान पर बाबा गंगाराम भजन संध्या एवं झूलनोत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ।

इस अवसर पर पंचदेव दरबार का अलौकिक श्रृंगार किया गया तथा गायत्री माता का झूला सजाया गया। पधारे सभी भक्तों ने माता गायत्री देवी जी को पुष्प अर्पित किए तथा हैदराबाद के प्रख्यात गायक घनश्याम दास शर्मा के मधुर भजनों का आनंद उठाया। बाबा गंगाराम सेवा समिति हैदराबाद के सभी सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या मे परिवार सदस्य तथा मित्रों ने बाबा गंगाराम जी का गुणगान किया तथा भजन संध्या उपरांत महाप्रसाद ग्रहण किया।

16वीं पुण्यतिथि पर
हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती कमलादेवी बोहरा
(धर्मपत्नी स्व. श्री शेरमलजी बोहरा)
स्वर्गवास दिनांक 8 अक्टोबर 2008
श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता
अशोक-मधु, किशोर-मंजू, राजेन्द्र-सरिता (पुत्र-पुत्रवधु)
सम्राट-राजश्री, विशाल-स्नेहा, आलोक-प्रिया (पौत्र-पौत्रवधु)
रुचिका (पौत्री) आराध्य, सिद्धाइका, अनाईरा (पड़पौत्र-पड़पौत्री)
....
विमला-अभयजी सिंघवी, विणा-सुरेशजी लुणिया
लाजवंती-संतोषजी खिंवसरा (पुत्री-दामाद)
सपना-रोहितजी कोठारी, श्रद्धा-राजेशजी सुराणा
दिव्या-पारसजी चौरडिया, सोनम-सिद्धार्थजी नाहर (पौत्री-दामाद)
M. Shermal Jain group
Jewellers
POT MARKET, SEC. Cell : 93999 93330, 98663 82225, 93472 01962

ट्रेन परिचालन में सुरक्षित कार्य प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करें : अरुण जैन

दमरे महाप्रबंधक ने पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर की विस्तृत समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएमएस) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

महाप्रबंधक ने जोन पर ट्रेन परिचालन की सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेन संचालन में असुरक्षित कार्य प्रक्रियाओं से सख्ती से बचने की सलाह दी क्योंकि वे किसी भी समय असामान्य और असुरक्षित स्थिति पैदा कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केवल मानक और सुरक्षित प्रक्रियाओं का अभ्यास करें जो हमें हमेशा अच्छे परिणाम देती हैं, भले ही इसमें समय लगता हो। जल्दबाजी में काम पूरा करने से ज्यादा जरूरी है ट्रेन परिचालन में सुरक्षा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी है और बाकी चीजें इसके बाद हैं।

अरुण कुमार जैन ने जोन में चल रहे सुरक्षा अभियानों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि, सुरक्षा अभियान सिस्टम में समस्याओं को हल करने और सिस्टम की ताकत बढ़ाने के लिए हैं, यदि सभी कर्मचारी सुरक्षा मैनुअल का सावधानीपूर्वक पालन करते हैं तो त्रुटियां करने की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को सिग्नलिंग, इंजीनियरिंग और सुरक्षा से संबंधित स्टेशन संपत्तियों आदि की उपलब्धता और कामकाज पर ध्यान केंद्रित करते हुए फील्ड निरीक्षण तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने फील्ड स्टाफ को प्रावधानों के अनुसार सुरक्षा से संबंधित सभी रजिस्टर और रिकॉर्ड बनाए रखने का भी निर्देश दिया। और ट्रेनों का सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित कार्य पद्धतियों का पालन करें। उन्होंने अग्निशामक यंत्र और स्मोक डिटेक्टर आदि सुरक्षा वस्तुओं की उपलब्धता पर चर्चा की।

दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने चालक दल के काम के घंटों पर चर्चा की और सभी मंडल रेल प्रबंधकों को चालक दल के सदस्यों को दिए जाने वाले उचित आराम पर सावधानीपूर्वक योजना बनाने का निर्देश दिया। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने ज़ोन में चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निष्पादन के दौरान आने वाली समस्याओं का उसी वक्त समाधान करने का निर्देश दिया। अरुण कुमार जैन ने चालक दल के काम के घंटों पर चर्चा की और सभी मंडल रेल प्रबंधकों को चालक दल के सदस्यों को दिए जाने वाले उचित आराम पर सावधानीपूर्वक योजना बनाने का निर्देश दिया। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने ज़ोन में चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निष्पादन के दौरान आने वाली समस्याओं का उसी वक्त समाधान करने का निर्देश दिया।

अरुण कुमार जैन ने ट्रेनों की समयपालनता पर भी चर्चा की। उन्होंने सभी डीआरएम को त्योहारी सीजन को देखते हुए ट्रेनों को समय पर चलाने को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ट्रेनों और स्टेशनों पर भोजन, पानी और सफाई सेवा प्रदान करके पर्याप्त देखभाल की जानी चाहिए और सभी स्टेशनों पर आरपीएफ कर्मचारी उपलब्ध कराकर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को प्रबंधित करने की आवश्यकता है।

राजस्थानी प्रगति समाज एवं एग्जिबिशन समिति के तत्वावधान में आयोजित 52वें रामायण मेले के अंतर्गत गरबा डांडिया उत्सव में विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए मेला प्रधान संयोजक गोविंद राठी, एग्जीबिशन समिति के मंत्री सुरेंद्र रेड्डी, हनुमंत राव, चरणजीत, गिरधारी लाल डागा, मनोज जायसवाल, सुमित राठी, कमला राठी, पवन जुगल सोनी, पवन मिश्रा तथा गरबा डांडिया का आनंद लेते हुए लोग।

हिल रिज स्प्रिंग्स गच्ची बावली में नवरात्रि उत्सव के दौरान डांडिया का आयोजन किया गया जिसमें निवासियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और डांडिया एवं गरबा करके देवी माता को याद किया। इस अवसर पर गीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, जय श्री लोहिया, डॉ. उमा देवी सुनकरी, श्रीदेवी कोटा, नीता, श्रीदेवी वी, ज्योत्स्ना, मैत्री, नेहा खादीकर, सविता, जयालक्ष्मी, माधुरी, अनीता, के पी अग्रवाल, डॉक्टर प्रमोद गर्ग आदि ने भरपूर आनंद उठाया।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा सिकंदराबाद के तत्वावधान में चलने वाली ज्ञानशालाओं की रविवार को सार संभाल की गई। परामर्शदाता अंजू बैद व क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलछा ने डीवी कॉलोनी तथा तारनाका ज्ञानशाला का दौरा किया तथा आगामी 12 जनवरी को होने वाली ज्ञानशाला परीक्षा की तैयारी हेतु प्रेरणा दी।

सिकंदराबाद क्रॉकरी एसोसिएशन द्वारा आयोजित नवरात्रि उत्सव में भाग लेती हुईं भाजपा नेता सपना गुप्ता व अन्य।

स्वतंत्रता सेनानी पं गंगाराम स्मारक मंच द्वारा

निजाम शासनकाल में जब्त ऋषि चरित्र प्रकाश पुस्तक लोकार्पित

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्य समाज मंदिर, महर्षि दयानंद मार्ग, सुल्तान बाजार में साप्ताहिक यज्ञ के उपरांत स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच के तत्वावधान में आयोजित एक समारोह में ऋषि चरित्र प्रकाश पुस्तक का लोकार्पण डॉ. महेंद्र गौशाल के कर कमलों द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में पधारे डॉ. विजयवीर विद्यालंकार, ने उक्त पुस्तक के विषय में कई जानकारियां उपलब्ध कराई।

उन्होंने कहा कि क्रांतिवीर पं गंगाराम जी ने उक्त पुस्तक को वर्ष 1945 में लिखा था जिसे आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा शिक्षण संस्थाओं में पढ़ाने की स्वीकृति मिली थी। इस पुस्तक को तत्कालीन हैदराबाद के निजाम शासन ने जब्त कर लिया तथा क्रांतिवीर पंडित गंगाराम जी पर बोलने और पढ़ने पर भी पाबंदी लगा दी गई। जिसके कारण उन्हें विश्वविद्यालय की पढ़ाई को छोड़ना पड़ा और केशव स्मारक विद्यालय में पढ़ाने से भी तत्काल प्रभाव से छुट्टी लेना पड़ा।

ऋषि चरित्र प्रकाश पुस्तक पर मुख्य अतिथि ने भी अपना प्रभावशाली भाषण दिया। डॉ. विद्यानंद आर्य ने अपने संबोधन में पुस्तक के विषय में जानकारी दी और बताया कि कैसे विद्यार्थियों के लाभ यह पुस्तक आएगी। उन्होंने बताया कि 80 वर्ष के बाद भी यह पुस्तक उतनी ही आकर्षित और लाभकारी है जितना की लिखी गई काल में थी।

स्वतंत्रता सेनानी पं गंगाराम स्मारक मंच के अध्यक्ष भक्त राम ने सुचित किया कि इसे अगले कुछ समय में सभी भारतीय भाषाओं में प्रकाशित करने का संकल्प लिया है। मंच के संचालक श्रुतिकांत भारती और प्रदीप जाजू ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। इस पुस्तक समारोह में 80 लोगों ने भाग लेकर शोभा बढ़ाई। श्रीमती सुधा ठाकुर ने व्यक्ताओं तथा अतिथियों को धन्यवाद दिया। पंडित प्रियदत्त शास्त्री ने शांति पाठ पढ़ा। सभी ने मध्याह्न का भोजन/प्रसाद के साथ सभा संपन्न हुई।

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,050.00
−638.45 (0.78%) ↓
एनएसई :24,795.75
−218.85 (-0.87%) ↓

ईसामिया बाजार स्थित श्री कनकदुर्गा नागलक्ष्मी मंदिर में आयोजित विशेष पूजा-अर्चना में भाग लेते हुए जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल। साथ में हैं रवि अन्ना, अखिलेश एवं अन्य।

पहाड़ी श्याम मंदिर महिन्द्रा हिल्स के चेयरमैन नियुक्त होने पर अरुण डाकोतिया का सम्मान करते हुए राष्ट्रीय हिन्दू वाहिनी संघ तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार सैन।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,050/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 94,044/-
(प्रति किलोग्राम)

अत्तापुर गुरुद्वारा से 12 को निकलेगा भव्य दशहरा जुलूस

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजेंद्रनगर क्षेत्र के अत्तापुर स्थित सिख छावनी गुरुद्वारा से 12 अक्टूबर को भव्य रूप से दशहरा जुलूस का आयोजन किया जाएगा। इस बात की जानकारी सोमवार को सिख छावनी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार चेतन सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इस भव्य दशहरा महोत्सव के प्रबंध के लिए आज क्षेत्रीय डीसीपी चिंतामणि श्रीनिवास एवं अत्तापुर इंस्पेक्टर वेंकट रामी रेड्डी को भी पत्र देकर निवेदन किया गया है। उन्होंने बताया कि इस दशहरा जुलूस में करीब 2000 लोग शामिल रहेंगे जिनको कोई भी असुविधा नहीं होगी। डीसीपी को सौंपे गए इस निवेदन पत्र में उनके साथ हरभन्स सिंह, शैलेंद्र सिंह, हरजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, बालोत सिंह सहित कमेटी के अनेक लोग मौजूद रहे।

दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ के दौरान 6556 स्पेशल ट्रेनें चलाएगा भारतीय रेलवे

दक्षिण मध्य रेलवे त्योहारी सीजन के दौरान 771 विशेष ट्रेनों का करेगा संचालन

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के मौके पर यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए रेलवे 6556 स्पेशल ट्रेनों का संचालन करेगा। रेलवे प्रवक्ता के मुताबिक स्पेशल ट्रेनों का संचालन 01 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच किया जाएगा। दो महीने की अवधि के दौरान ये स्पेशल ट्रेनें 6556 फेरे लगाएंगी और बड़ी तादाद में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का काम करेंगी। त्योहारों के दौरान हर साल विशेष ट्रेनें चलाई जाती हैं और इस साल, यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है।

गौरतलब है कि दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ त्योहारों के दौरान देशभर में लाखों यात्री यात्रा करते हैं। उन्हें सुगम और आरामदायक यात्रा मुहैया कराने के लिए भारतीय रेलवे ने इस साल फिर से ये स्पेशल ट्रेनें चलाने की तैयारी की है। अगले दो महीनों में ये विशेष ट्रेनें सुनिश्चित करेंगी कि यात्री अपने गंतव्य तक निर्बाध रूप से पहुंचें। पिछले साल, भारतीय रेलवे ने कुल 4429 त्योहार विशेष ट्रेनें चलाईं, जिससे लाखों यात्रियों के लिए आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित हुआ।

तदनुसार, दक्षिण मध्य रेलवे ने भी त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को सुविधजनक बनाने के लिए विस्तृत व्यवस्था की है। दमरे ने 771 विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है और मांग के अनुसार सीजन के दौरान अधिक आरक्षित और अनारक्षित (जनसाधारण) विशेष ट्रेनें चलाने की व्यवस्था की जा रही है। एससीआर काकीनाडा, तिरुपति, विशाखापत्तनम, नागरसोल, मालदा टाउन, गोरखपुर, दानापुर, रक्सौल, निज़ामुद्दीन, बेरहामपुर और हावड़ा दिशाओं जैसे लोकप्रिय मार्गों पर विशेष ट्रेनें चला रहा है।

हर साल देशभर से बड़ी संख्या में लोग दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के लिए यात्रा करते हैं। ये त्योहार न केवल देश के लोगों के लिए धार्मिक महत्व रखते हैं बल्कि अपने परिवारों के साथ पुनर्मिलन का एक महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करते हैं। त्योहारी सीज़न के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ के कारण, अधिकांश ट्रेनों में उनके टिकट दो से तीन महीने पहले ही प्रतीक्षा सूची में चले जाते हैं। इसका समाधान करने के लिए, भारतीय रेलवे इस साल त्योहारी सीजन के दौरान एक बार फिर विशेष ट्रेनों का संचालन कर रहा है।

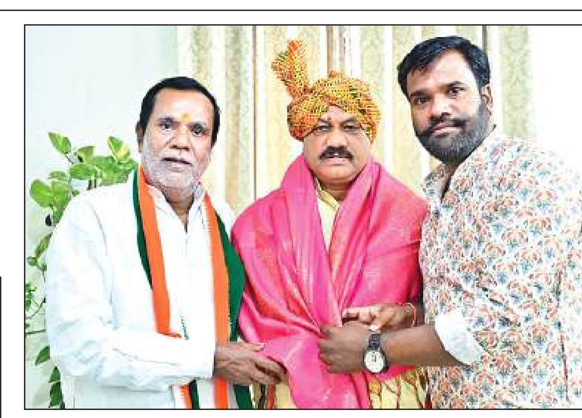

नवरात्रि के अवसर पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बी.महेश कुमार गौड़ को उनके निवास स्थान पुराने एमएलए क्वार्टर में पगड़ी एवं शॉल द्वारा बधाई देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता एनके सिंह और युवा कांग्रेस नेता अमरजीत सिंह।

जगन्नाथमठ झीरा में आयोजित विशेष पूजा-अर्चना में भाग लेती हुईं महेश्वरी महिला मंडल की सदस्याएं। इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा वृद्धाश्रम एवं गौ सेवा कर श्रीश्रीश्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण नामानुज जीयर स्वामी जी की समाधी के दर्शन लाभ लिया। मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य स्वामी ने महेश्वरी महिला मंडल की सदस्याओं को आशीर्वाद प्रदान किया।

PUBLIC SUMMONS

IN THE COURT OF HON'BLE 3rd JT CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION NANDED

SPECIAL CIVIL SUIT NO. 218/2022

PLAINTIFF :- SANJAY DURGADASRAO GAVARE
AGE: 54 YEARS OCCUPATION: BUSINESS
R/o. CHIKHALWADI, NANDED

VERSUS

DEFENDANT : - NARSINGH HANMANTRAO PATALE
AGE: MAJOR, OCCUPATION : PRESIDENT
SANKALP NAGAR HOUSING SOCIETY VASARNI
NANDED AND OTHER 36

To,

7. Gangaram S/o. Janrao Palve, Age: 42 Years, Occupation: Not Known, Owner of plot no. 10, R/o Vasarni, Nanded. 9423210709

12. Amolprasad S/o. Prabhudayal Jaiswal, Age: Major, Occupation: Business, Owner of plot no. 27, R/o Rangareddy, Hyderabad.

22. Shalini Balaji Shelke, Age: Major, Occupation: Not Known, Owner of plot no. 16, R/o Vasarni, Nanded.

25. Prakash S/o. Madhavrao Sangle, Age: Major, Occupation: Not Known, Owner of plot no. 9, R/o vasarni Nanded.

Whereas above named plaintiff Sanjay Durgadas Gavare has instituted the suit for specific performance of contract bearing Special Civil Suit No. 218/2022 against you and same is pending for adjudication. You are the defendants in the said suit. This court has on several times issued suit summons to you to appear in the above suit either personally or through attorney or legal representative to adduce your defense in the above suit. However, all of you have failed either to secure your presence or avoiding the service of suit summons.

Therefore, by this public suit summons, all of you have summoned to appear before this court on or before **29-11-2014** either personally or through attorney or legal representative otherwise in failure this court will decide the suit as exparte against all of you.

Given under my seal and signature On this day **30 of Sept. 2024**

Sd/-
Jr.Clerk
Court of CJSD Nanded

Sd/-
Asst. supdt.
Court of CJSD Nanded

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB

I, VASU N is legally Father of Haribabu V R/o H.No -196/2, Indhira Nagar, Periyamittur,VTC-Vinnampalli, PO- Vennampalle, SubDistrict-Katpadi,District-Vellore, PIN-632516, State-Tamil Nadu have changed my name from VASU N to N VASU NARAYANA REDDY and date of birth from 19/12/1963 to 12/10/1963 add in my son service documents vide affidavit date 18/09/2024 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, RAMADEVI is legally Mother of Haribabu V R/o H.No -196/2, Indhira Nagar, Periyamittur,VTC-Vinnampalli, PO- Vennampalle,Sub District-Katpadi,District-Vellore, PIN-632516, State-Tamil Nadu have changed my name from RAMADEVI to RAMADEVI VASU and date of birth is 21/04/1971 add in my son service documents vide affidavit date 18/09/2024 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, PARVATHI is legally wedded spouse of Anjaiah Ravulakollu R/oVTC-Bogolu,PO- Mohiddin Puram, Sub District- Ardhaveedu, District-Prakasam,PIN-523336, State-Andhra Pradesh have changed my name from PARVATHI to RAVULAKOLLU PARVATHI add in my husband service documents vide affidavit date 05/10/2024 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

ज्योतिष ASTROLOGY

नाकौड़ा भैरव ज्योतिष

(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद.
संपर्क : 9032460847.

CHANGE OF NAME

I, RAGHUNATH CHUDAMAN CHAUDHARI Father of JC 389230Y, Rank - Nb Sub Name- CHAUDHARI DEVENDRA RAGHUNATH R/o. at VPO-FULGAON PS-VARANGAON, Teh- BHUSAWAL, Dist -JALGAON- 425305, (MH) have Changed My Name from **RAGHUNATH** to **RAGHUNATH CHUDAMAN CHAUDHARI**. That My Date Birth is 01/06/1959, for all purpose vide affidavit Date. 07-10-2024 before C Samuel, Advocate & Notary Secunderabad

CHANGE OF NAME

I, MALTI RAGHUNATH CHAUDHARI mother of JC-389230 Y, Rank Nb Sub Name CHAUDHARI DEVENDRA RAGHUNATH R/o. at VPO- FULGAON, PS- VARANGAON, Teh- BHUSAWAL Dist- JALGAON- 425305, (MH) have Changed My Name From **MALTI** to **MALTI RAGHUNATH CHAUDHARI**. That My Date of Birth is 01/09/1966, for all purpose vide affidavit Dt 07-10-2024 before C Samuel, Advocate & Notary Secunderabad

बिहार में बांग्लादेशी घुसपैठिया गिरफ्तार

बनवा रहा था पासपोर्ट, मुखिया ने पकड़वाया

अररिया, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के अररिया जिले में एक बांग्लादेशी नागरिक की गिरफ्तारी से इलाके में हलचल मच गई है। आरोपी नवाब (24 वर्ष), जो बांग्लादेश के चापा नवाबगंज जिले का निवासी है, ने तीन साल से अररिया के रामपुर कोदरकट्टी पंचायत के मरंगी टोला वार्ड 11 में अपनी पहचान छिपाकर एक स्थानीय महिला से निकाह कर लिया था और एक बच्ची का बाप भी बन चुका था।

नवाब ने बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत की सीमा पार की थी और यहां आकर आधार कार्ड, वोटर आईडी, और यहां तक कि भारतीय पासपोर्ट बनाने की कोशिश भी की थी। उसकी पहचान तब खुली जब पासपोर्ट वेरिफिकेशन के दौरान स्थानीय मुखिया पम्मी देवी के पति राजेश सिंह ने उसके दस्तावेजों में गड़बड़ी पाई। वोटर आईडी में पिता की जगह पत्नी रंगीला खातून का नाम दर्ज होने से शक गहराया और कड़ाई से पूछताछ के बाद नवाब ने स्वीकार किया कि वह बांग्लादेश का नागरिक है और अवैध रूप से भारत में रह रहा है। नवाब के फर्जी दस्तावेज और अवैध गतिविधियों के खुलासे के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में नवाब ने यह खुलासा किया कि वह बांग्लादेश से करीब 500 से 1000 रुपए देकर नदी पार कर भारत आया था। सीमा पार करने के बाद वह सबसे पहले बिहार के कटिहार जिले के सेमापुर में अपनी मौसी के घर पर रुका। वहां कुछ दिन रहने के बाद उसने अररिया के रामपुर कोदरकट्टी पंचायत के मरंगी टोला वार्ड 11 में आकर एक स्थानीय महिला से निकाह कर लिया। नवाब ने अपने भारतीय पहचान के लिए फर्जी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड और वोटर आईडी बनवाए, जिसमें उसने अपने ससुर को अपना अब्बा दिखाया और बीवी का नाम मतदाता पहचान पत्र में दर्ज करा लिया। उसकी योजना पासपोर्ट बनवाकर बांग्लादेश वापस जाने की थी, ताकि वह कानूनी रूप से भारत और बांग्लादेश के बीच आ-जा सके। पासपोर्ट वेरिफिकेशन के दौरान ही उसकी असलियत सामने आई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

नवाब की सच्चाई सामने आने के पीछे मुख्य भूमिका मुखिया पम्मी देवी और उनके पति की थी, जिन्होंने उसकी पहचान पर शक जताते हुए उसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने जाँच कर नवाब को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना ने सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी नागरिकों की घुसपैठ और उनकी अवैध गतिविधियों पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस और प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है।

डोगरा स्काउट्स ने खोज निकाले 56 साल से बर्फ में दबे शहीदों के शव

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना के चार बलिदानियों का शव 56 साल बाद जब उनके घर लौटा तब जाकर उनका ससम्मान अंतिम संस्कार हो पाया। इन बलिदानियों में यूपी के सिपाही मलखान सिंह, नारायण सिंह, मुंशी और केरल के थॉमस चेरियन शामिल थे। ये सब तब एकदम युवा थे। 1968 में हुए विमान हादसे के बाद उनके शव भी नहीं मिले थे। उनके परिवार को किसी भी तरह की सूचना नहीं थी। लेकिन डोगरा स्काउट्स की अथक मेहनत और साहस के कारण उन परिवारों का इंतजार 56 साल बाद खत्म हुआ।

भारतीय सेना के डोगरा स्काउट्स ने 30 सितंबर को सियाचिन ग्लेशियर से उन बलिदानियों के शव खोज निकाले। शवों की पहचान की गई और उन्हें इनके घरों तक पहुंचाया गया। उनके परिजनों ने अपने दिवंगत रिश्तेदारों का अंतिम संस्कार किया। बलिदानियों को यह सम्मान दिलाने के लिए डोगरा स्काउट्स ने कितना संघर्ष किया, इससे देश नावाकिफ है।

भारतीय वायुसेना के बलिदानियों के पार्थिव शरीर को उनके अपनों तक पहुंचाने के लिए डोगरा स्काउट्स के जवानों ने कड़ाके की ठंड में मेहनत की। भारतीय वायुसेना के विमान का दुर्घटनास्थल ग्लेशियर से घिरे पर्वतमाला पर 14500 से 17000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इस जगह तक पहुंचने के रास्ते में तमाम खतरनाक दरारें आती हैं। लेकिन डोगरा स्काउट्स ने योजना बनाकर इस खोज को सार्थक किया। उन्होंने रेको रडार तकनीक का प्रयोग किया जो 20 मीटर गहराई तक बर्फ में दबी धातु और वस्तुओं को पता लगाने में सक्षम होती है। इसके अलावा इलाके का मैप ड्रोन से खींची गई तस्वीरों से बनाया गया।

अधिकारी बताते हैं कि जब उन्होंने सब योजना के तहत काम शुरू किया तो मैनुअल खुदाई के दौरान रडार सिग्नल मिले जिसके परिणामस्वरूप विमान का मलबा मिलने लगा। इसके बाद आगे अभियान जारी रखा गया तो अवशेष बरामद हुए। इसके बाद जवानों ने दुर्गम इलाकों को पार किया और 17 किलोमीटर तक पैदल चलकर शव वाहन की मदद से शवों को बेस कैंप तक पहुंचाया। वहां से हवाई मार्ग से शवों को अपने गंतव्य तक भेजा गया। साल 1968 में भारतीय वायुसेना का एएन-12 विमान क्रैश हो गया था। दुर्घटना 7 फरवरी 1968 को हुई थी। उस दिन भारतीय सैनिकों को लेह ले जाने के लिए सेना का विमान उड़ा लेकिन यह रो-हतांग दर्रे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

विमान में तब 102 सैनिक सवार थे। भारतीय सेना तभी से लगातार बलिदानी सैनिकों के शव खोजने का प्रयास कर रही थी। बाद में 2003 में वाजपेई सरकार के कार्यकाल में सेना ने यहां पर सर्च अभियान शुरू किया था, जिसके बाद भारतीय सेना, खासकर डोगरा स्काउट्स ने सालों तक कई सर्च ऑपरेशन चलाए।

कांग्रेस नेकां गठबंधन का साथ देने में पीडीपी को संशय

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 07 अक्टूबर। जम्मू कश्मीर मे संभावित कांग्रेस-नेकां गठबंधन की बनने जा रही सरकार को पीडीपी समर्थन देगी या नहीं अभी रहस्यमयी स्थिति इसलिए है क्योंकि पीडीपी के अनेकों नेता अब ऐसी सरकार को समर्थन देने की बात कर रहे हैं पर इल्तिजा मुफ्ती कहती हैं अभी चुनाव परिणामों का इंतजार करना होगा और यह सब कहना बहुत जल्दबाजी होगी। हालांकि नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख डॉ फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि वह जम्मू कश्मीर में मुद्दों को हल करने के लिए पीडीपी का समर्थन स्वीकार करेंगे।

पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने सोमवार को अपनी पार्टी के नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन में शामिल होने की अटकलों को अनावश्यक बताया है। उन्होंने कहा कि पार्टी का वरिष्ठ नेतृत्व जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के कल नतीजे आने के बाद धर्मनिरपेक्ष मोर्चे को समर्थन देने के बारे में फैसला करेगा। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने ट्वीट किया कि अनावश्यक अटकलें। मैं सच कह दूं। पीडीपी का वरिष्ठ नेतृत्व धर्मनिरपेक्ष मोर्चे को समर्थन देने के बारे में नतीजे आने के बाद ही फैसला करेगा। यह हमारा आधिकारिक रुख है।

इल्तिजा मुफ्ती की यह प्रतिक्रिया पीडीपी उम्मीदवार जुहैब यूसुफ मीर और नदीम अख्तर के उन संकेतों के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन में शामिल हो सकती है। एग्जिट पोल में अनुमान लगाया गया था कि कांटे की टक्कर वाले मुकाबले में गठबंधन आगे निकल जाएगा। मीर ने कहा था कि जहां तक हमारा सवाल है, एग्जिट पोल कोई गंभीर गतिविधि नहीं है, बल्कि टाइमपास गतिविधि है। पीडीपी को पूरा भरोसा है कि जम्मू कश्मीर में बनने वाली धर्मनिरपेक्ष सरकार में वह एक अपरिहार्य और महत्वपूर्ण हिस्सा होगी। किसी भी धर्मनिरपेक्ष सरकार के गठन में पीडीपी की अहम भूमिका होगी। हमने कहा था कि हम कश्मीर की पहचान को बचाने के लिए कोई भी कदम उठाने को तैयार हैं, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि हम एक धर्मनिरपेक्ष सरकार बनाएं, जो भाजपा के खिलाफ हो।

डॉ. फारूक ने पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती द्वारा नेकां-कांग्रेस गठबंधन के लिए समर्थन का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मैं पीडीपी के समर्थन को ईमानदारी से स्वीकार करूंगा। मैं जम्मू कश्मीर को बेहतर बनाने के लिए सहयोग करने के लिए पार्टियों की सराहना करता हूं। हालांकि मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, डॉ फारूक अब्दुल्ला ने इस बात पर भी जोर दिया कि पांच विधायकों को नामित करने का अधिकार निर्वाचित सरकार का है और इसके लिए उपराज्यपाल की मंजूरी की आवश्यकता होती है। फारूक ने 5 अगस्त, 2019 से जम्मू कश्मीर के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए एकता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। जब उनसे पूछा गया कि क्या अन्य दल नेकां से संपर्क कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि कई ने पहले ही समर्थन व्यक्त किया है। सरकार बनाने के बाद की चुनौतियों के बारे में उन्होंने उल्लेख किया कि जम्मू कश्मीर को राज्य से केंद्र शासित प्रदेश में बदलने से महत्वपूर्ण मुद्दे सामने आए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार जम्मू कश्मीर की भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए इसके महत्व को पहचानेगी। एलजी मनोज सिन्हा द्वारा पांच विधायकों के मनोनयन पर फारूक ने जोर देकर कहा कि केवल निर्वाचित सरकार को ही ऐसे फैसले लेने चाहिए। उन्होंने कहा कि हम विधानसभा में योग्य व्यक्ति चाहते हैं। एलजी को निर्वाचित सरकार की सिफारिशों को मंजूरी देनी चाहिए।

मोदी सरकार द्वारा लद्दाखी आंदोलनकारियों पर दमन की निंदा

पटना, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकतांत्रिक जन पहल बिहार, जाने-माने पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और उनके साथियों के द्वारा लद्दाख की जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर और नरेंद्र मोदी सरकार के पुलिसिया रवैए के खिलाफ अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठने, का समर्थन करते हुए लद्दाख की जनता के आंदोलन के प्रति अपनी एकजुटता प्रकट करता है और नरेंद्र मोदी सरकार के तानाशाही रवैए की कठोर निंदा करता है।

लोकतांत्रिक जन पहल का मानना है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर साबित किया है कि लोकतंत्र उनके लिए केवल चुनावी हथकंडा अपना कर सत्ता हथियाने के अलावा कुछ नहीं है। यही कारण है कि श्री सोनम वांगचुक और उनके साथियों के द्वारा अपनी मांगों के लेकर केंद्र सरकार से वार्ता करने की मांग को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ठुकरा रहे हैं। दरअसल झूठ और फरेब ही मोदी शासन का मुख्य आधार है।

उल्लेखनीय है कि जाने-माने पर्यावरण सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक गत एक सितंबर से अपने लगभग 150 सहकर्मी साथियों के साथ हिमालयी क्षेत्रों में जारी सरकार की विनाशकारी नीतियों के खिलाफ और लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग के साथ-साथ वहां के आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के अंतर्गत लाने, बेहतर लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के लिए संसद, राज्यसभा एवं विधान सभा की सीट बढ़ाने तथा स्थानीय लोगों को रोजगार की गारंटी आदि मांगों को लेकर लद्दाख की राजधानी लेह से उबड़-खाबड़ व ऊंची-नीची पहाड़ियों में लगभग एक हजार किलोमीटर पैदल मार्च करते हुए दो अक्टूबर को दिल्ली स्थित गांधी के समाधी स्थल राजघाट आने वाले थे। करीब एक माह के पैदल मार्च के बाद जब वे लोग 30 सितंबर को दिल्ली की सीमा पर पहुंचे तो उन्हें और उनके साथियों को दिल्ली-हरियाणा सिंघु सीमा पर केन्द्र सरकार की पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया और दिल्ली स्थित लद्दाख भवन में अमानवीय स्थिति में रहने को मजबूर किया।

अन्यायपूर्ण और असंवैधानिक तरीके से हिरासत में लिए जाने के खिलाफ श्री सोनम वांगचुक और उनके कुछ साथीगण अनशन पर चले गए। दो अक्टूबर को हिरासत में रहते हुए दिल्ली पुलिस के द्वारा उनलोगों को अलग-अलग समूहों में सुरक्षा घेरे में राजघाट ले जाया गया जहां उनलोगों ने अपना अनशन तोड़ा और उपस्थित गृह मंत्रालय के एक अधिकारी को अपना स्मार पत्र सौंपा और मांग की उन्हें प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अथवा राष्ट्रपति से मिलने का समय दिया जाए। मौजूद अधिकारी ने वादा किया गया था कि जल्द ही समय निश्चित कर आपको सूचित किया जाएगा।

इस बीच दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर सोनम वांगचुक और उनके साथियों के रिहाई की मांग की गई। दिनांक 3 अक्टूबर को केंद्र सरकार के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को ग़लत जानकारी दी कि सोनम वांगचुक और अन्य संघर्ष कर्मियों को रिहा कर दिया गया है। जबकि सच यह है कि उन्हें और उनके साथियों को लोकतांत्रिक समुदाय के लगातार विरोध और दबाव के चलते पांच दिनों तक हिरासत में रखने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार ने कल दिनांक 6 सितंबर को रिहा किया। सोनम वांगचुक ने 5 और 6 अक्टूबर को दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर सभा करने के लिए प्रशासन को सूचना दी थी। लेकिन उनके सभा करने पर रोक लगा दी गई जबकि वह स्थल लोकतांत्रिक प्रतिरोध के लिए दिल्ली प्रशासन द्वारा निर्धारित है। सोनम वांगचुक ने सही कहा है कि पर्यावरण का संरक्षण और सुरक्षा तभी संभव है जब जमीनी स्तर पर लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों और प्रक्रिया की गारंटी होगी।

लव जेहाद से व्यथित इंजीनियर बना यति नरसिंहानंद

अहीर, जाट, गुर्जर, राजपूत को बांटने में लगी ताकतों के खिलाफ चलाया था 'अजगर अभियान'

डासना (गाजियाबाद), 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद के खिलाफ देश के कई हिस्सों में मुस्लिम उन्मादी हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। मुस्लिम भीड़ यति नरसिंहानंद को गुस्ताख बताते हुए पैगंबर के अपमान का आरोप लगा रही है। यति नरसिंहानंद इससे पहले भी कई बार अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहे हैं। मुस्लिम बहुल इलाके में मौजूद पौराणिक डासना मंदिर का महंत बनने से पहले यति नरसिंहानंद की पहचान इंजीनियर दीपक त्यागी के तौर पर हुआ करती थी। इंजीनियर दीपक त्यागी के यति नरसिंहानंद बनने और भगवा धारण करने की पृष्ठभूमि अत्यंत रोचक और प्रेरणादायी है।

महामंडलेश्वर महंत यति नरसिंहानन्द की उम्र लगभग 55 वर्ष है। उनके पिता रक्षा मंत्रालय में नौकरी करते थे। रिटायरमेंट के बाद वे कांग्रेस से जुड़ गए थे। उन्होंने अपने बेटे दीपक की शुरुआती शिक्षा-दीक्षा मेरठ से करवाई। हालांकि वो मूलतः बुलंदशहर के निवासी थे। बाद में उच्च शिक्षा के लिए दीपक त्यागी रूस चले गए। यहां वो मॉस्को सहित अन्य कई शहरों में रहे। रूस में उन्होंने मॉस्को इंस्टिट्यूट ऑफ केमिकल मशीन बिल्डिंग से मास्टर्स की डिग्री हासिल की।

दीपक त्यागी ने बतौर इंजीनियर लंबे समय तक कार्य किया। दीपक त्यागी को लंदन से नौकरी के ऑफर मिले। उन्होंने

यहां मार्केटिंग टीम का भी नेतृत्व किया। उन्होंने इज़राइल में भी काम किया। उन्हें 1992 में ऑल यूरोप ओलम्पियाड में गणित विधा में विजेता घोषित किया गया था। कई अलग-अलग देशों में रहते हुए लगभग 10 वर्षों के बाद साल 1997 में दीपक त्यागी भारत लौट आए।

दीपक त्यागी (वर्तमान में यति नरसिंहानन्द) जब भारत लौटे तो उस समय उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी का बोलबाला था। तब यूपी के सबसे बड़े नेता मुलायम सिंह यादव माने जाते थे। दीपक त्यागी को एक बार समाजवादी पार्टी में यूथ विंग का अध्यक्ष पद ऑफर हुआ तो उन्होंने स्वीकार कर लिया। इस दौरान दीपक त्यागी के बहुत से मुस्लिम दोस्त भी बने। दीपक त्यागी के पूर्वज भी समाजवादी विचारधारा वाले थे।

यति नरसिंहानन्द ने कई बार खुले मंचों से भाजपा नेता बीएल शर्मा प्रेम (अब दिवंगत) को अपना गुरु बताया है। समाजवादी पार्टी का पदाधिकारी रहने के दौरान उनको कई बार बीएल शर्मा प्रेम (बैकुंठ लाल शर्मा) का भाषण सुनने को मिला। उनके द्वारा रखे गए तथ्य और दिए जाने वाले सबूतों से दीपक त्यागी का झुकाव धीरे-धीर उनकी तरफ होने लगा। हालांकि इसके बावजूद वो समाजवादी पार्टी से जुड़े रहे।

दीपक त्यागी के यति नरसिंहानंद बनने के पीछे लव जेहाद की एक घटना ने बहुत अहम रोल अदा किया। वह घटना शम्भू दयाल कॉलेज में पढ़ने वाली त्यागी समाज की एक लड़की से जुड़ी है जिसने तब रो-रो कर उनको अपनी पीड़ा बताई थी। पीड़िता ने उन्हें बताया था कि एक मुस्लिम सहेली ने उसकी जान-पहचान अपने मजहब के लड़के से करवा दी थी। दोस्ती के ही दौरान मुस्लिम युवक ने पीड़िता के साथ अपने कुछ फोटो और वीडियो बना डाले थे। इसी फोटो और वीडियो को दिखाकर पीड़िता को कई मुस्लिम युवकों से संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया था।

तब पीड़िता ने दीपक त्यागी को यह भी बताया कि उसके मुस्लिम साथी ने उसको न सिर्फ अपने दोस्तों बल्कि कई नेताओं और यहां तक कि प्रिंसिपल तक के आगे परोसा था। यहीं से दीपक त्यागी के मन को आघात लगा और वो हिंदुत्व की तरफ झुकते चले गए। उनको बीएल शर्मा प्रेम के दावों का सबूत जैसा मिल गया और वो दीपक त्यागी से यति नरसिंहानंद बन गए।

जिस समय दीपक त्यागी ने खुद को यति नरसिंहानंद के रूप में ढाला तब उन्होंने हिंदू समाज को तोड़ने के लिए राजनीतिक लोगों द्वारा की जा रही साजिशों को समझना शुरू किया। उन्होंने पाया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हिंदू धर्म की 4 जातियों के बीच लड़ाने की सबसे अधिक साजिश होती है। ये जातियां यादव, जाट, गुर्जर और राजपूत थीं। तब अलग-अलग जातियों के अपने-अपने नेता थे जो एक दूसरे के खिलाफ वैमनस्यता फैला कर मुस्लिम वोट बैंक साधते थे।

यति नरसिंहानंद ने इन चारों जातियों को जोड़ने के लिए एक अभियान चलाया था जिसका नाम उन्होंने अजगर दिया था। अजगर एक शॉर्ट फॉर्म था जिसका पूरा नाम अहीर, जाट, गुर्जर और राजपूत था। यति नसिंहानंद ने पश्चिम उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में अजगर सभाएं करवाईं। इन सभाओं में सभी जातियों को एक दूसरे का पूरक बनने और हिंदुत्व के लिए खड़े होने का संकल्प दिलवाया जाता था। इन्हीं सभाओं में यति नरसिंहानंद मुस्लिमों को देश और हिंदू धर्म के लिए खतरा बताते हुए जनसंख्या नियंत्रण कानून लाने की वकालत करते थे।

यति नरसिंहानंद ने हिंदुओं को जाग्रत करने के लिए मुस्लिम बहुल इलाके डासना में मौजूद शक्तिपीठ देवी मंदिर को चुना। वहां जाने से पहले ही उनको पता चला था कि उनसे पहले भी कई संतों और महंतों की मंदिर में हत्या की जा चुकी थी।

मंदिर में डकैती डालकर कई बार लूट भी हो चुकी थी। दशकों पहले ही उस मंदिर पर मुस्लिम आबादी कब्जा करने की फिराक में थी लेकिन उन्होंने ऐसा न होने देने का संकल्प लिया। इसी संकल्प के साथ वो डासना मंदिर के पुजारी बन गए और बाद में वहां के महंत बने। ताजा घटनाक्रम से पहले भी उन पर मंदिर में कई बार हमले की कोशिश की जा चुकी है। हालांकि उन्होंने किसी डर या दबाव में मंदिर छोड़ने से साफ इन्कार कर दिया।

राज्य का दर्जा बहाल होने तक सरकार का गठन न करें: राशिद

जम्मू, 07 अक्टूबर (ब्यूरो)। अवामी इत्तेहाद पार्टी के अध्यक्ष और सांसद शेख अब्दुल रशीद उर्फ इंजीनियर रशीद ने एक और राजनीतिक धमाका करते हुए संभावित जीत हासिल करने पार्टियों से आह्वान किया है कि विरोध स्वरूप जब तक जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया जाता वे सरकार का गठन न करें।

अवामी इत्तेहाद पार्टी के अध्यक्ष और सांसद शेख अब्दुल रशीद, जिन्हें आम तौर पर इंजीनियर रशीद के नाम से जाना जाता है, ने जम्मू कश्मीर में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होने तक किसी भी सरकार के गठन का कड़ा विरोध किया है। रशीद के अनुसार, निकट भविष्य में बनने वाली कोई भी सरकार केवल केंद्र शासित प्रदेश पर शासन करेगी और उसके पास सीमित अधिकार होंगे। क्षेत्रीय दलों, खासकर जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक समूहों के गठबंधन की तीखी आलोचना करते हुए रशीद ने उन पर पिछले पांच वर्षों में निष्क्रियता का आरोप लगाया। उन्होंने इंडी ब्लाक, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), अपनी पार्टी और अन्य संगठनों सहित राजनीतिक गुटों से एकजुट होने और राज्य का दर्जा बहाल होने तक सरकार बनाने से परहेज करने का आह्वान किया।

रशीद ने इस बात पर जोर दिया कि भले ही आगामी चुनावों में किसी एक पार्टी या गठबंधन को बहुमत मिल जाए, लेकिन राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव डालना सभी राजनीतिक समूहों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि अवामी इत्तेहाद पार्टी इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर अन्य दलों के साथ सहयोग करने को तैयार है। उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य का दर्जा बहाल किए बिना जम्मू कश्मीर के लोग अपने अधिकारों से वंचित होते रहेंगे। रशीद का यह बयान ऐसे समय में आया है जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं और राज्य का दर्जा बहाल करने का मुद्दा राजनीतिक दलों के बीच बहस का अहम विषय बन गया है। रशीद ने इस बात पर जोर देते हुए अपने बयान का समापन किया कि केवल पूर्ण राज्य के तहत एक सशक्त सरकार ही वास्तविक विकास की गारंटी दे सकती है और लोगों के अधिकारों की रक्षा कर सकती है। उन्होंने सभी राजनीतिक संस्थाओं से इस ज्वलंत मुद्दे पर जनता की भलाई के लिए एकजुट होने का आग्रह किया।

क्लासिक कन्वेंशन-3 में आयोजित सौभाग्य इन्फ्रा डेवेलपर्स प्र.लि. द्वारा प्रजेंट्स रंगताली नवरात्रि महोत्सव के चौथे दिन माता की आरती करते हुए आयोजक। इस अवसर पर अभिनेत्री पायल राजपूत ने उत्सव में भाग लिया और गरबा-डांडिया का आनंद उठाया। साथ में नृत्य का आनंद लेते हुए लोग।

तेलंगाना सरकार ने सिंगरेनी श्रमिकों को बोनस के चेक बांटे

हैदराबाद, 07 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने सोमवार को सिंगरेनी कोयला कामगारों को बोनस के रूप में चेक वितरण किया। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और आईटी एवं उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने हिस्सा लिया।

सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 2,412 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया। सरकार ने श्रमिकों के लिए 33 प्रतिशत बोनस की घोषणा की, जिसमें प्रत्येक कर्मचारी को लगभग 1.90 लाख रुपए मिला। उपमुख्यमंत्री विक्रमार्का ने इस अवसर पर कहा कि बीआरएस शासन के अंतर्गत सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी की हालत खराब हो गई थी और उन्होंने श्रमिकों के भविष्य की सुरक्षा के लिए कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आगामी त्योहार से पहले बोनस चेक का वितरण श्रमिकों के कल्याण के प्रति कांग्रेस सरकार के समर्पण को दर्शाता है।उन्होंने आगे कहा कि सिंगारेनी संगठन हमारे श्रमिकों की है और कंपनी की संपत्ति श्रमिकों की संपत्ति है। सरकार की एकमात्र जिम्मेदारी उन्हें बनाए रखना और उनका समर्थन करना है। श्री विक्रमार्क ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार सिंगरेनी और उसके श्रमिकों की सुरक्षा के लिए हरसंभव उपाय करने के लिए तैयार है और जरूरत पड़ने पर केंद्र सरकार से भी बातचीत करेगी। श्री विक्रमार्क संबोधन के बाद श्रमिकों के बीच बोनस चेक वितरित किए गए। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इंदिराम्मा राज्यम युग के बाद यह पहली बार है कि सिंगरेनी कंपनी ने अपना उच्चतम कोयला उत्पादन और लाभांश प्राप्त किया है। उन्होंने कांग्रेस को श्रमिक समर्थक सरकार बताया, जो श्रमिकों के समर्थन के लिए प्रतिबद्ध है। श्री पोंगुलेटी ने यह भी कहा कि पहली बार बोनस वितरण में अनुबंध श्रमिकों को शामिल किया गया है जो राज्य सरकार का एक प्रशंसनीय कदम है।उन्होंने उन क्षेत्रों के अस्पतालों में बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं की कमी पर चिंता व्यक्त की जहां सिंगरेनी खदानें स्थित हैं और सिंगरेनी कर्मचारियों और स्थानीय लोगों के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए कॉर्पोरेट अस्पतालों की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया।

बंगारू मैसम्मा फ्रेंड्स एसोसिएशन, बोराडीगल्ली, गौलीगुड़ा द्वारा आयोजित विशेष पूजा में भाग लेते हुए सुभाष रेड्डी, हरिनारायण रेड्डी, शंकर नायक, ए. संदीप, सिरीश, महेंद्र, वरुण रेड्डी, सचिन, सूरज, महेश, प्रेमनाट, अजय, श्रीधर रेड्डी, ओमकार मुलगे, शिवा घनश्याम, प्रमोद व अन्य।

अयोध्या की रामलीला ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड

41 करोड़ लोगों ने ऑनलाइन देखी रामलीला

40 देशों में हो रहा प्रसारण

अयोध्या, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। अयोध्या की रामलीला न सिर्फ भारत में देखी और पसंद की जा रही है बल्कि विदेश में भी इसे लोग देख और पसंद कर रहे हैं। ऑनलाइन रामलीला देखने के मामले में रिकॉर्ड स्थापित हुआ है। श्रीराम प्रेक्षागृह में फिल्मी कलाकार श्रीराम की गाथा को अपनी अदाकारी से जीवंत करने में जुटे हैं। फिल्मी रामलीला देश-विदेश के रामभक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रही है। रामलीला का दूरदर्शन के साथ ऑनलाइन प्लेटफार्म पर लाइव प्रसारण किया जा रहा है, इसे दर्शकों का खूब प्यार भी मिल रहा है। आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। तीन दिनों में ही ऑनलाइन प्लेटफार्म पर 41 करोड़ दर्शकों ने रामलीला देखी और रिकॉर्ड बना दिया। दुनिया के 40 देशों में 26 भाषाओं में इसका प्रसारण हो रहा है।

फिल्मी रामलीला समिति के अध्यक्ष सुभाष मलिक ने बताया कि अयोध्या में फिल्मी कलाकारों की रामलीला 2020 में शुरु हुई थी। ऑनलाइन प्लेटफार्म पर हर साल दर्शकों की संख्या बढ़ती गई। पिछले साल 40 करोड़ लोगों ने ऑनलाइन रामलीला देखकर रिकॉर्ड बनाया था। इस वर्ष तीन दिनों में ही पिछले साल का रिकॉर्ड टूट गया। उम्मीद है कि इस बार यह आकंड़ा 50 करोड़ के पार पहुंच जाएगा। बताया कि दूरदर्शन पर अब तक 22 करोड़, यू ट्यूब पर 17 करोड़ व अन्य प्लेटफार्म पर दो करोड़ लोगों ने रामलीला देखी है।सुभाष मलिक बताते हैं कि रामलीला जब शुरु होती है तो शुरुआत के दो-तीन दिनों में ही दर्शक तेजी से जुड़ते हैं। ये दर्शक अंत तक बने रहते हैं। बाद में दर्शक बहुत कम जुड़ते हैं। देश-विदेश में करीब पांच हजार यू-ट्यूब चैनल व 70 सेटेलाइट चैनलों पर रामलीला का प्रसारण हो रहा है। रामलीला का नित्य लाइव प्रसारण शाम सात बजे से रात दस बजे तक किया जा रहा है।रामलीला के निदेशक शुभम मलिक ने बताया कि रामलीला का 26 भाषाओं में लाइव प्रसारण किया जा रहा है। दूरदर्शन-यूट्यूब समेत अन्य सोशल प्लेटफॉर्म पर दुनिया भर के भक्त घर बैठे राम की गाथा का मंचन देख रहे हैं। रामलीला अमेरिका, आस्ट्रेलिया, थाईलैंड, त्रिनिडाड, श्रीलंका, मलेशिया, फिजी, रूस, दक्षिण कोरिया समेत विश्व के करीब 40 देशों में दिखाई जा रही है। देश में हिंदी, मलयालम, तेलुगु, तमिल, बंगाली, पंजाबी, गुजराती आदि भाषाओं में रामकथा का प्रसारण दर्शक घर बैठे देख रहे हैं।रामलीला में अभिनेता बिंदु दारा सिंह, मनीष पाल, अवतार गिल, रजा मुराद, राकेश बेदी, वेद सागर, अनिमेष मिढा, विनय सिंह समेत अन्य विभिन्न भूमिकाओं में नजर आएंगे। जबकि प्रख्यात अभिनेत्री भाग्य श्री, शीबा, ऋतु शिवपुरी, अमिता नागिया, मैडोना, पायल गोगा कपूर भी विभिन्न भूमिकाओं में रामकथा का मंचन करेंगी। सांसद मनोज तिवारी व सांसद रवि किशन भी रामलीला का मंचन करेंगे। पद्मश्री मालिनी अवस्थी शबरी की भूमिका में आकर्षण बढ़ाएंगी।

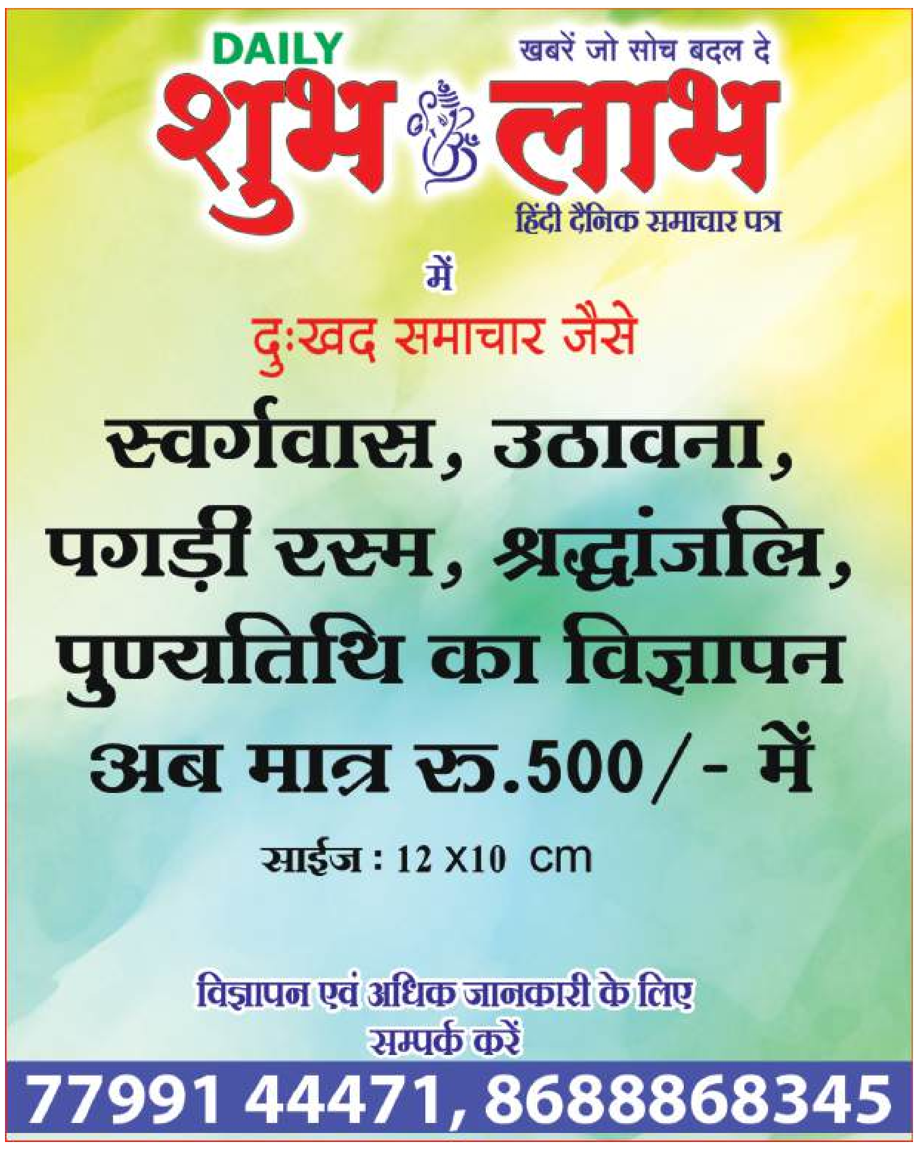

रुड़की में देसी घी बनाने वाली फैक्ट्री में छापा

तिरूपत्ति लड्डू प्रसाद से जुड़े हैं तार

हरिद्वार, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। रुड़की भगवानपुर के पास ग्रामीण क्षेत्र में गाय के दूध का देसी घी बनाने वाली एक फैक्ट्री पर छापा डाल कर, उत्तराखंड के खाद्य सुरक्षा विभाग ने कई महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल की हैं। खबर है कि इस घी की सप्लाई तिरुपति मंदिर लड्डू प्रसाद के लिए की जाती थी।

भोले बाबा ब्रांड के देसी घी की ये फैक्ट्री पिछले दो माह से बंद है, अलबत्ता यहां घी के खाली टिन, रैपर आदि जरूर मिले। एक सूचना के आधार पर खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के दल ने यहां छापा मारी की है। दो माह से बंद पड़ी इस फैक्ट्री में केवल दो कर्मचारी मिले, जिन्होंने जानकारी के लिए अपने प्रबंधक का नंबर दिया जो कि शहर से कहीं दूर गए हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि प्रबंधक को पूछताछ के लिए बुलाया है और पिछले दो साल का क्रय विक्रय का दस्तावेज भी मंगवाए गए है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी महीमानंद जोशी ने बताया कि घी बनाने वाली इस फैक्ट्री को केंद्रीय खाद्य मंत्रालय से एफएसएसएआई का लाइसेंस प्राप्त है।फैक्ट्री में कोई उत्पाद नही मिला, ये बताया गया कि फैक्ट्री का विस्तार किया जा रहा है। जो कर्मचारी वहां मिले उनसे जानकारी जुटाई गई है, दो माह से यहां उत्पादन क्यों बंद है? इस पर और गहनता से जांच की जा रही है। ऐसी चर्चा भी है कि तिरुपति लड्डू प्रसाद में चर्बी मामले के प्रकाश में आने के बाद यहां से उत्पादित माल को ठिकाने लगा दिया गया और यहां उत्पादन रोक कर कर्मचारियों को भेज दिया गया। खाद्य विभाग ने फैक्ट्री के मालिक, प्रबंधक आदि को नोटिस दिया है। खबर है कि यहां उत्पादित गाय के दूध से बने घी के बारे में केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जांच पड़ताल की जा रही है। ये फैक्ट्री मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में है, जहां गौवंश चर्बी होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

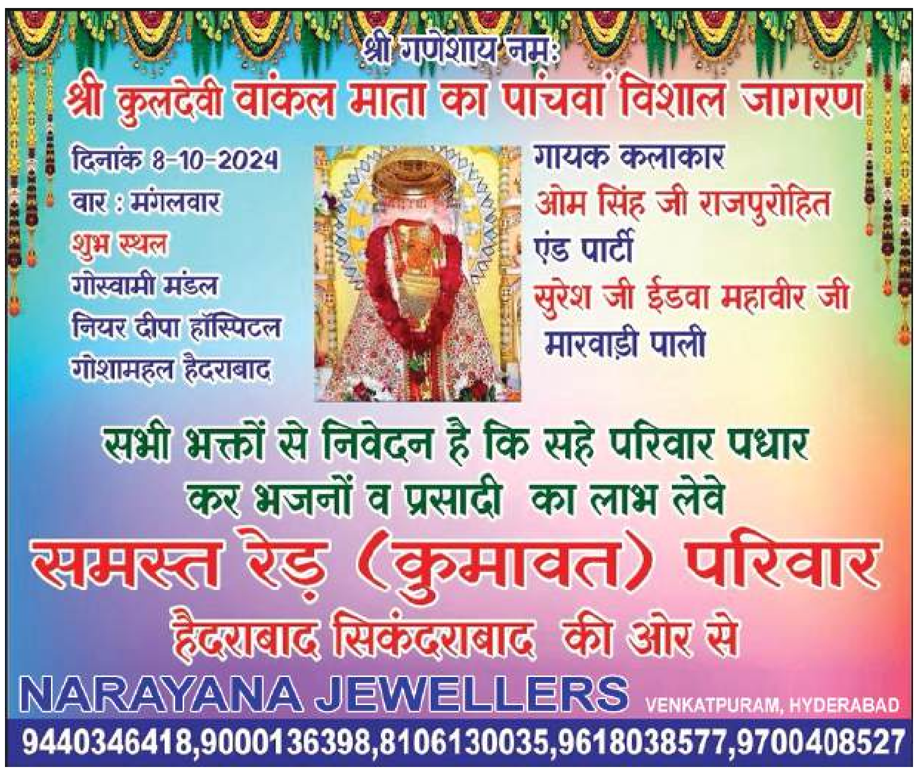

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.